साप्ताहिक हिन्दी और उर्दू समाचार पत्र
जयपुर से प्रकाशित

उम्मीद की एक नई रोशनी

आवाज़ ए तसनीम

آوازِ تسنیم

tasneemtv.official@gmail.com
PRGI No. RJBIL/25/A1815

www.tasneemtv.com | अंक: 25 / वर्ष: 01 | जयपुर, सोमवार, 05 जनवरी, 2026 | पृष्ठ: 8 | मूल्य: 2 रूपए | प्रातः कालीन

वसुंधरा राजे, दीया कुमारी को भी चाहिए सत्ता

नरेश बोले- बिरला, धारीवाल और भाया पूंजीपति वर्ग के नेता; राजनीति में बहरूपिया बनना पड़ता है

बूंदी। किसान नेता नरेश मीणा ने कहा- आदिवासी समाज का भला सत्ता में भागीदारी के बिना संभव नहीं है। सत्ता जरूरी है, क्यों कि राजघराने की वसुंधरा राजे, दीया कुमारी को भी सत्ता चाहिए, तो तुम सत्ता के पीछे क्यों नहीं भाग रहे। आदिवासी समाज का भला सत्ता में भागीदारी के बिना संभव नहीं है। नरेश मीणा रविवार को बूंदी नैनवां में आयोजित आदिवासी मीणा सेवा संस्थान द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान एवं भामाशाह सम्मान समारोह में पहुंचे थे। मीणा ने कहा कि आदिवासी समाज का भला सत्ता में भागीदारी के बिना संभव नहीं है। सत्ता जरूरी है, क्योंकि जब ग्वालियर की महारानी वसुंधरा राजे सिंधिया को भी सत्ता चाहिए। जब सबसे बड़े राज घराने जयपुर की दीया कुमारी को भी सत्ता के लिए भजन लाल के नीचे बैठना पड़ता है तो तुम सत्ता के पीछे क्यों नहीं भाग रहे। जब तक सत्ता तुम्हारे हाथ में नहीं होती तब तक कोई परिवर्तन नहीं होने वाला है।

उन्होंने मंच से कहा- प्राचीन काल में आदिवासी समाज को शिक्षा से वंचित रखा गया था, फिर भी उनके पूर्वजों ने सूझबूझ और पराक्रम से शासन किया। उन्होंने जोर दिया कि आज के लोकतंत्र में सत्ता में भागीदारी ही समाज की वास्तविक ताकत है और इसके बिना उत्थान संभव नहीं है।

सत्ता में भागीदारी के बिना परिवर्तन संभव नहीं

नरेश मीणा ने कहा आज इस दुनिया में अगर तुम्हें आगे बढ़ाना है तो कितने ही नौकरी लग जाओ। कितने ही बिजनेस कर लो जब तक तुम्हारी सत्ता में भागीदारी नहीं होगी। तब तक तुम्हारा भला होने वाला नहीं है। सत्ता में भागीदारी नहीं है तो तुम्हारे कर्मचारियों को डर-डर के नौकरी करनी पड़ेगी। अगर सत्ता में भागीदारी नहीं है तो कोई बिजनेस डालेगा या क्रेशर डालेगा तो ओम बिरला वह प्रमोद भैया एक फोन पर बंद करवा देगा। कोई मीणा का बेटा पीडब्ल्यूडी का रोड बनाने का प्रयास करेगा तो प्रमोद जैन भैया अधिकारियों को फोन करेंगे कि इसका बिल पास नहीं होना चाहिए और बड़े नेताओं का फोन करने पर ही श्वह, छ्वश्वह आपका बिल पास करेगा।

जूही चावला भी हैं KKR की मालकिन, लेकिन गाली सिर्फ शाहरुख खान को, क्योंकि वो मुसलमान हैं!

आवाज़ ए तसनीम

भारत के हिंदूवादी चरमपंथियों की तर्ज पर पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में भी हालिया दिनों इस्लामी कट्टरपंथियों ने चार अल्पसंख्यकों की मॉब लिंचिंग कर दी. इसको लेकर भारत में सभी तबकों में खासी नाराजगी देखने को मिली. हिंदू, मुस्लिम, सिख समेत सभी धर्म संप्रदाय के लोगों ने बांग्लादेश में हिंदूओं के साथ भेदभाव और मॉब लिंचिंग की घटनाओं की कड़ी निंदा की. इस दौरान कई राज्यों में 'बांग्लादेशी' बताकर कई बांग्ला बोलने वाले मुसलमानों के साथ मारपीट की गई, जबकि बिहार में सुपौल के रहने वाले एक मजदूर की मधुबनी में मॉब लिंचिंग की कोशिश की गई.

इस बीच इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें एडिशन के लिए खिलाड़ियों की लगी बोली के बाद बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान हिंदूवादी संगठनों के निशाने पर आ गए. हिंदूवादी संगठनों के विरोध के बीच अपनी साख जमाने के लिए अलीगढ़ के एक स्वघोषित मुफ्ती ने शाहरुख खान के खिलाफ फतवा जारी कर दिया. दरअसल, इस बार IPL आक्शन में शाहरुख खान की टीम कोलकाता नाईट राइडर्स (KKR) ने बांग्लादेश के बायें हाथ के खब्बू तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को

खरीदा है.

कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने मुस्तफिजुर रहमान को IPL 2026 मेगा ऑक्शन में 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा है. यह उनकी बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये से 360 फीसदी ज्यादा कीमत है. ऑक्शन में चेन्नई सुपर किंग्स (ष्टस्य) और KKR के बीच तगड़ी बिडिंग हुई, जिसमें चयक्र ने आखिर में जीत हासिल की. मुस्तफिजुर अब IPL इतिहास के सबसे महंगे बांग्लादेशी खिलाड़ी बन गए हैं.

इसकी खबर सामने आते ही बांग्लादेश में मॉब लिंचिंग की आड़ में शाहरुख खान, हिंदूवादी संगठनों के निशाने पर आ गए. सोशल मीडिया समेत दूसरी जगहों पर चयक्र टीम के जरिये मुस्तफिजुर रहमान की खरीद पर शाहरुख खान को निशाना बनाए जाने और उनकी फिल्मों के बॉयकाट किए जाने की अपील का लोगों ने पुरजोर विरोध किया. आरोप है कि हिंदूवादी संगठन शाहरुख खान को महज उनके मजहब की वजह से निशाना बना रहे हैं.

वहीं, सीनियर जर्नलिस्ट भावना त्रिपाठी ने शाहरुख खान के विरोध पर नाराजगी का इजहार किया. उन्होंने सवाल उठाया कि अगर मुस्तफिजुर रहमान को चयक्र की बजाय ष्टस्य की टीम खरीदती, तब भी क्या हिंदूवादी संगठन विरोध करते. क्या वह शाहरुख खान की तरह बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष और सीएसके के मालिक एन. श्रीनिवासन का विरोध करते. भावना ने कहा कि अगर शाहरुख का विरोध हो रहा है, तो जूही चावला और जय मेहता का भी होना चाहिए. किसी को महज खान होने की वजह से निशाना बनाया जाना उचित नहीं है. भावना त्रिपाठी का यह सवाल जायज भी है. जब IPL 2008 में शुरू के बाद से चयक्र सबसे चर्चित फ्रेंचाइजी में से एक रही है. कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) का मालिकाना हक Knight Riders Sports Private Limited के पास है. यह कंपनी साल 2008 में स्थापित की गई थी और इसका मालिकाना हक दो प्रमुख कंपनियों के बीच बंटा हुआ है. कंपनी में सबसे बड़ी हिस्सेदारी Red Chillies Entertainment की है, जिसके मालिक बॉलीवुड किंग शाहरुख खान हैं. रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के पास केकेआर में 55 फीसदी शेयर हैं. वहीं, दूसरी बड़ी हिस्सेदारी Mehta Group के पास है, जिसके मालिक जय मेहता हैं. जय मेहता की बीवी और मशहूर एक्ट्रेस जूही चावला भी केकेआर की सह-मालकिन के रूप में इस फ्रेंचाइजी से जुड़ी हुई हैं. मेहता ग्रुप के पास केकेआर में 45 फीसदी हिस्सेदारी है. केकेआर को पहली बार 2008 के आईपीएल ऑक्शन में खरीदा गया था. उस समय इस फ्रेंचाइज़ी की बोली 75.09 मिलियन अमेरिकी डॉलर में लगी थी, जो उस दौर में भारतीय करेंसी के हिसाब से करीब 2.98 अरब रुपये (लगभग 298 करोड़ रुपये) थी. यह खरीदारी शाहरुख खान की रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और जूही चावला- जय मेहता की शेयरिंग के मातह पूरी हुई थी. अब सवाल यह उठता है कि जब चयक्र के मालिकों में शाहरुख खान के अलावा जय मेहता और जूही चावला भी शामिला हैं. IPL में खिलाड़ियों के आक्शन में BCCI के जरिये मालिकों को एक बजट दिया जाता है और उसी तय बजट में वह खिलाड़ियों को बिडिंग में खरीद सकते हैं. बिडिंग में टीमों की तरफ से खिलाड़ियों और टीम की एक कमेटी हिस्सा लेती है. इस बार भी चयक्र की एक्सपर्ट कमेटी ने ही मुस्तफिजुर रहमान को खरीदा. इसकी जानकारी सामने आते ही हिंदूवादी संगठनों के विरोध पर सवाल खड़ा होना लाजमी है. वह यह कि मुस्तफिजुर की डील के लिए सिर्फ शाहरुख का ही विरोध क्यों किया जा रहा है और देशभक्ति साबित करने के लिए सिर्फ उन्हीं को क्यों कहा जा रहा है. क्या जय मेहता और जूही चावला का बहुसंख्यक समुदाय से ताल्लुक रखने की वजह से इससे बरी हैं. हिंदूवादी संगठन और समुदाय विशेष के कथित मुफ्तियों के जरिये उनके खिलाफ विरोध और फतवा क्यों नहीं जारी किया जा रहा है.

जेन-जेड के हाथों में तिरंगा देख गर्व होता है : पीएम मोदी

वाराणसी।

वाराणसी में 72वीं नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप का पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने प्लेयर्स को काशी की कहावत सुनाई। कहा- हमारे बनारस में कहा जाता है, 'बनारस के जानय के चाहत हऊवै तो बनारस आवै के पड़ी।' यानी, बनारस को जानना है तो आपको बनारस आना पड़ेगा। आप सब अब बनारस आ गए हैं, तो बनारस को जान भी जाएंगे।

मोदी ने कहा- देश के 28 राज्यों की टीमें यहां जुटी हैं। आप सभी एक भारत-श्रेष्ठ भारत की बहुत सुंदर तस्वीर पेश कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में बनारस का जोश हाई रहेगा। हमें बहुत गर्व होता है, जब जेनजेड को खेल के मैदान में तिरंगा फहराते देखते हैं।

इससे पहले, सीएम योगी ने कहा- पिछले 11 सालों में सबने एक नए भारत को देखा है, भारत को बदलते देखा है। देश में एक नई खेल संस्कृति को पनपते देखा है। 2014 में पीएम मोदी ने 'खेलो इंडिया' की शुरुआत की। अब खेल समय की बर्बादी नहीं, बल्कि जीवन के सर्वांगीण विकास का अभिन्न हिस्सा है।

काशी में हो रही वॉलीबॉल चैंपियनशिप में देशभर की 58 टीमें हिस्सा ले रही हैं। यूपी की ओर से पुरुष टीम के कप्तान श्रेयांस सिंह (यूपी पुलिस) हैं, जबकि महिला टीम की कप्तानी प्रियंका (यूपी पुलिस) कर रही हैं। उद्घाटन मैच यूपी और बिहार की पुरुष टीम के बीच खेला जा रहा है।

यूपी को 43 साल बाद नेशनल वॉलीबॉल

चैंपियनशिप की मेजबानी मिली है। इससे पहले 1984 में इसका आयोजन हुआ था। उद्घाटन से पहले खिलाड़ियों ने सिगरा स्टेडियम में मार्च पास्ट किया, जहां 'सारे जहां से अच्छा' की देशभक्ति धुन गूंजती रही।

मोदी बोले- जेनजेड तिरंगा फहराते देख गर्व होता है

पीएम मोदी ने कहा- वॉलीबॉल साधारण खेल नहीं है। नेट के इस पार-उस पारज दोनों तरफ संतुलन और सहयोग का खेल है। इस खेल में संकल्प शक्ति भी दिखती है। हम तभी सफल होते हैं, जब अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाते हैं। हमारा देश भी इसी से आगे बढ़ रहा है। स्वच्छता से डिजिटल पेमेंट, एक पेड़ मां के नाम से लेकर विकसित भारत के निर्माण तक हम देश के लिए काम कर रहे हैं।

भारत की ग्रोथ और हमारी इकोनॉमी की प्रशंसा हो रही है। यह आत्मविश्वास खेल के मैदान में भी दिखता है। हम साल 2014 के बाद से देख रहे हैं कि अलग-अलग खेलों में भारत का प्रदर्शन लगातार बढ़ रहा है। हमें बहुत गर्व होता है, जब जेनजेड को खेल के मैदान में तिरंगा फहराते देखते हैं। एक समय था जब खेलों को लेकर सरकार में उदासीनता का भाव था। इसलिए खिलाड़ियों में भी अपने भविष्य को लेकर आशंका रहती थी।

चैंपियनशिप में बनारस का जोश हाई रहेगा

पीएम मोदी ने कहा- बनारस में कुश्ती, अखाड़े, नौका दौड़, कबड्डी जैसे कई खेल मशहूर हैं। बनारस ने कई राष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं। बीएचयू, यूपी कॉलेज, काशी विद्यापीठ जैसी संस्थाओं के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर छाए रहे हैं। मुझे विश्वास है कि नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में बनारस का जोश हाई रहेगा। आप सभी खिलाड़ियों को उत्साह बढ़ाने वाले दर्शक मिलेंगे।

काशी की आतिथ्य परंपरा को जीने का अवसर

उद्धव बोले- बीजेपी वोट चुराने के बाद उम्मीदवार चुरा रही

लोकतंत्र पर अब भीड़तंत्र का कब्जा; 20 साल बाद शिवसेना भवन पहुंचे राज ठाकरे

मुंबई। शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि महायुति पहले वोट चुराती थी अब उम्मीदवार चुरा रही है। देश में ऐसा माहौल हो गया है जैसे लोकतंत्र पर भीड़तंत्र का कब्जा हो। ये बातें उन्होंने शुक्रवार को महायुति के 68 उम्मीदवारों के निर्विरोध जीतने के मामले में कही। वहीं महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे 20 साल बाद शिवसेना भवन पहुंचे जहां दोनों नेताओं ने पार्टी मेनिफेस्टो भी रिलीज किया। वहीं, महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस ने वर्ली में एक रैली में कहा कि हम बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें देश से बाहर निकालेंगे। यह सुनिश्चित करेंगे कि देश की मुंबई को एक ऐसा मेयर मिले जो मराठी और हिंदू हो।

मुख्यमंत्री की विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात

राजस्थान की मिट्टी में निवेश करने से आत्मसंतुष्टि की अनुभूति - मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों की आवश्यकताओं और सुविधाओं को केंद्र में रखते हुए नीतियों का निर्माण कर रही है। इसी कड़ी में राजस्थान ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी, राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी, राजस्थान एआई एमएल पॉलिसी जैसी प्रमुख नीतियां लाई गई है। ये नीतियां राजस्थान को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में हब बनाएगी।

श्री शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 में आमंत्रित कंपनियों के प्रतिनिधिमंडल से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से 8 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग निवेशकों का राजस्थान में विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यहां की अनमोल मिट्टी में निवेश करने से आत्मसंतुष्टि की अनुभूति भी होती है।

राजस्थान को तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर बनाएंगे

मुख्यमंत्री ने निवेशकों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में राजस्थान आएं, राज्य सरकार उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

हम सब मिलकर राजस्थान को तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर बनाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निवेशकों के साथ निरंतर संपर्क स्थापित करते हुए उनके सुझाव और आवश्यकताओं पर त्वरित कार्य करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने राजीविका की महिलाओं को स्टार्टअप्स से जोड़ने के निर्देश भी दिए।

प्रदेश में 7 हजार से अधिक आई स्टार्टअप-

मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रदेश में अनुकूल औद्योगिक वातावरण का निर्माण हो रहा है। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, राजस्थान डेटा सेंटर, राजस्थान एआई एमएल नीतियों के साथ 7 हजार से अधिक आई स्टार्टअप्स का तंत्र प्रदेश में सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाओं का मजबूत नेटवर्क स्थापित कर रहा है।

वेनेजुएला में हालात को लेकर भारत ने जताई चिंता, बातचीत के जरिए मामले को सुलझाने की अपील

नई दिल्ली।

वेनेजुएला में अमेरिका के हमले के बाद से देश में अस्थिरता का माहौल है। वेनेजुएला में हालात को लेकर भारत ने जताई चिंता और बातचीत के जरिए मामले को सुलझाने की अपील की है।

विदेश मंत्रालय ने आज रविवार को प्रेस रिलीज जारी करते हुए लिखा, वेनेजुएला में हाल की घटनाएं गहरी चिंता का विषय हैं। हम बदलते हालात पर करीब से नजर रख रहे हैं। भारत वेनेजुएला के लोगों की भलाई और सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध। हम सभी संबंधित लोगों से अपील करते हैं कि वे बातचीत के जरिए शांति से मुद्दों को सुलझाएं, ताकि इलाके में शांति और स्थिरता बनी रहे।

मंत्रालय ने आगे लिखा कि काराकास में भारतीय दूतावास भारतीय समुदाय के लोगों के संपर्क में है और हर मुमकिन मदद देता रहेगा। वहीं, विदेश मंत्रालय की ओर से वेनेजुएला में रह रहे भारतीयों के लिए एडवाइजरी भी जारी की गई। मंत्रालय का यह बयान कल शनिवार को वेनेजुएला में अमेरिकी डेल्टा फोर्स के एक सैन्य बेस पर हमला करने के बाद आया है। अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला में अलग-अलग जगहों पर हमला किया और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस के साथ पकड़

लिया। अमेरिकी अधिकारियों ने जानकारी दी है कि राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को एक वॉरशिप पर बिठाकर न्यूयॉर्क ले जाया गया, जहां फेडरल कोर्ट में नार्को-टेररिज्म के चार्ज फाइल किए गए हैं। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी ने वेनेजुएला के नेता के खिलाफ दाखिल आरोप पत्र को सार्वजनिक किया। ये आरोप पत्र न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के जिला कोर्ट में फाइल किया गया था। अभियोजक ने आरोप लगाया है कि मादुरो ने दो दशक से ज्यादा समय तक पावर का इस्तेमाल करके भारी मात्रा में कोकीन अमेरिका की ओर भेजी। उन पर नार्को-टेररिज्म की साजिश, कोकीन इम्पोर्ट करने की साजिश, फायरआर्म्स अपराध आदि में शामिल होने का आरोप है। दूसरी ओर, वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज को वहां की अंतरिम राष्ट्रपति बनाया गया है।

चीन व उत्तर कोरिया बोला- अमेरिका मादुरो को तुरंत रिहा करे

राष्ट्रपति को अगवा करना गलत, उत्तर कोरिया भी वेनेजुएला के समर्थन में, कहा- अमेरिका गुंडागर्दी कर रहा

एजेंसी

काराकस। चीन ने अमेरिका से वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को तुरंत रिहा करने की मांग की है। दोनों इस समय अमेरिका की हिरासत में हैं। अमेरिकी सेना उन्हें शनिवार को वेनेजुएला की राजधानी काराकास से पकड़कर अमेरिका ले गई थी।

चीनी विदेश मंत्रालय ने रविवार को जारी बयान में कहा कि राष्ट्रपति को इस तरह अपने देश ले जाना गलत है। इस मुद्दे का हल बातचीत से होना चाहिए। इससे पहले भी चीन ने अमेरिका की कार्रवाई पर कड़ी प्रतिक्रिया दी थी।

उत्तर कोरिया ने वेनेजुएला में अमेरिका की कार्रवाई को गुंडागर्दी बताया है। उत्तर कोरियाई विदेश मंत्रालय का कहना है कि अमेरिका की यह कार्रवाई किसी भी देश की आजादी और संप्रभुता पर किया गया सबसे गंभीर हमला है।

अमेरिकी सैनिकों ने 2 जनवरी की रात वेनेजुएला पर हमला कर राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस को अगवा कर लिया था। इसके बाद उन्हें न्यूयॉर्क लाया गया है, जहां उन्हें डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। उन पर हथियार-ड्रग्स से जुड़े मामलों में मुकदमा चलाया जाएगा।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने किसान मोर्चा का पदभार संभाला

मदन राठौड़ बोले- लंबी छलांग के लिए पीछे आना पड़ता है, थोड़ा पीछे आकर लॉन्ग जंप करेंगे

जयपुर। बीजेपी ने अपने 7 मोर्चों में से दो की जिम्मेदारी पूर्व केन्द्रीय मंत्रियों को दी थी। तभी से सियासी चर्चा थी कि पार्टी ने इन केन्द्रीय मंत्रियों को प्रमोशन किया है या डिमोशन। इनमें से किसान मोर्चे का पदभार आज पूर्व केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने संभाल लिया।

इस पदभार कार्यक्रम में बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ से इस बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि देखिए, लॉन्ग जंप (लंबी छलांग) करने के लिए पीछे आना पड़ता है। तब लॉन्ग जंप होती है तो मैं भी इनको शुभकामनाएं दे रहा हूं कि थोड़ा पीछे आकर के लॉन्ग जंप करेंगे।

बता दें कि कैलाश चौधरी के साथ ही बीजेपी पूर्व केन्द्रीय मंत्री निहालचंद मेघवाल को भी अनुसूचित जाति (एससी) मोर्चे का प्रदेशाध्यक्ष बनाया था।

मॉल में मुस्लिम महिला के साथ धार्मिक भेदभाव, पुलिस ने आरोपियों को छोड़, पीड़ित पर की कार्रवाई

आवाज़ ए तसनीम

मुंबई में एक शॉपिंग मॉल में मुस्लिम महिला के साथ धार्मिक आधार पर भेदभाव का शर्मिंदा कर देने वाला मामला सामने आया है. मुंबई के यशवंत गौरव आवासीय क्षेत्र स्थित छ-स्न्डुह्ल शॉपिंग मॉल में मामूली कहा-सुनी के बाद एक महिला ने बुर्का पहनी हुई एक मुस्लिम महिला के साथ बदतमिजी की. हैरानी की बात यह है कि शॉपिंग मॉल के कर्मचारियों ने पीड़ित मुस्लिम महिला को धमकी दी और कहा कि तुम मुस्लिम लोग चुप-चाप मराठी बोलो. शॉपिंग मॉल के कर्मचारी ने कथित तौर पर कहा कि तुम बुर्के वाली महिलाओं के लिए शॉपिंग मॉल में एंट्री पर रोक लगा दी जाएगी.

पीड़ित मुस्लिम महिला के साथ एक हिंदू समुदाय की महिला द्वारा धर्म के आधार पर बदतमिजी की गई. इस घटना का

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. पीड़ित मुस्लिम महिला ने बताया कि वह और उसके पति एक लाइन में खड़े थे, तभी उसके आगे खड़ी एक हिंदू महिला पीछे मुड़ी और बुर्का देखते ही आपत्तिजनक बातें कही. आरोपी हिंदू महिला ने पीड़ित मुस्लिम महिला को कहा कि ÷तुम लोग तो गंदी जात की हो, तुम दूर रहो÷.

मुस्लिम महिला को मिला रेप की धमकी

पीड़ित मुस्लिम महिला ने बताया कि इस आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ जब उसके पति ने जवाब दिया कि ये क्या जाहिलों जैसी बात कर रही हो. इस पर आरोपी हिंदू महिला के पति ने पीड़िता को रेप की धमकी दी और कहा कि तुम बाहर निकलो तुम्हारा रेप करेंगे.

मुंबई पुलिस ने टपोरियों की तरह मराठी भाषा बोलने के लिए बनाया दबाव

पीड़ित मुस्लिम महिला ने इस घटना के बाद पुलिस को बुलाया, ताकि कोई मदद मिले. लेकिन पुलिस ने टपोरियों की तरह यह कहना शुरू कर दिया कि पहले तुम मराठी बोलो, तब तुम्हारी शिकायत दर्ज करेंगे. महिला ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस उन्हें फोन करके परेशान कर रही है और थाने पर आकर माफी मांगने को कह रही है.

पुलिस ने की पीड़ित पर कार्रवाई!

पीड़िता ने बताया कि पुलिस ने शॉपिंग मॉल में उनके भाई से पूछा कि कहाँ काम करते हो, इस पर भाई ने अपने दुकान अपनी पता बता दिया. पुलिस ने फौरन जाकर उस दुकान को बंद कर दिया और दुकान के कर्मचारियों को ले गए. पीड़ित महिला ने सोशल मीडिया पर पूरे घटना क्रम के बारे में जानकारी देते हुए लोगों से मदद की गुहार लगाई है, क्योंकि पुलिस से मदद नहीं मिली है.

मजार तोड़ने के आरोपी बजरंग दल नेता नरेंद्र हिंदू को मिली जमानत, फतेहपुर में निकाला गया जुलूस

आवाज़ ए तसनीम

उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में एक हिंदू संगठन के सदस्यों ने एक दरगाह में तोड़फोड़ की. इस घटना के बाद पुलिस ने दर्जनों लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया. कई आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया. वहीं, इस मामले में जेल में बंद बजरंग दल के भिटौरा ब्लॉक संयोजक नरेंद्र हिंदू को रिहा कर दिया गया है. आरोपी की रिहाई के बाद फूलों की माला पहनाकर उनका स्वागत किया और शहर में एक जुलूस निकाला गया.

दरअसल, 24 दिसंबर को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें एक हिंदू संगठन के सदस्य एक दरगाह में तोड़फोड़ करते दिख रहे थे. यह वीडियो ऑनलाइन तेजी से

फैला, जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया और उन्हें जेल भेज दिया. इस मामले में नौ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया, जिसमें हिंदू संगठन बजरंग दल के नेता नरेंद्र हिंदू भी शामिल थे. नरेंद्र हिंदू को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया.

रिहा होने के बाद हिंदू नेता ने लगाएं संगीन इल्जाम

अब, जमानत पर रिहा होने के बाद नरेंद्र हिंदू ने पुलिस की कार्रवाई पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने दावा किया कि उन्हें एक साज़िश के तहत फंसाया गया है और पूरे मामले में निष्पक्ष जांच नहीं की गई. नरेंद्र हिंदू का आरोप है कि सभी तथ्यों की जांच किए बिना वायरल वीडियो के आधार पर कार्रवाई की गई, जिससे उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है. उनकी रिहाई के बाद निकाले गए जुलूस को लेकर भी शहर में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं.

मजारों पर तेज हो रहे हैं हमले

गौरतलब है कि देश भर में हिंदू संगठनों ने मस्जिदों, मदरसों और दरगाहों के खिलाफ एक अभियान शुरू किया है. ये संगठन दावा करते हैं कि कई मस्जिदें और दरगाहें अवैध रूप से बनाई गई हैं. उत्तर प्रदेश में दरगाहों पर सबसे ज़्यादा हमले हुए हैं, उसके बाद उत्तराखंड का नंबर आता है, जहां हिंदू समूहों ने कई दरगाहों को तोड़ भी दिया. हिंदू संगठन उत्तर प्रदेश से लेकर हिमाचल प्रदेश तक मस्जिदों को लेकर अशांति फैला रहे हैं।

कठुआ रेलवे स्टेशन पर फायरिंग, ज्ञात हमलावर ने RPF जवान पर चलाई गोली

आवाज़ ए तसनीम

जम्मू और कश्मीर के कठुआ जिले के एक रेलवे स्टेशन पर फायरिंग की घटना में RPF का एक जवान घायल हो गया. अधिकारियों ने बताया कि जवान को रेलवे स्टेशन पर गोली लगी. यह घटना आज घटी है. पुलिस ने पुष्टि की कि घायल जवान को तुरंत पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है. उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है. इस बीच, पुलिस और रेलवे अधिकारियों ने घटना का संज्ञान लिया है.

RPF को विशेष रूप से केंद्र शासित प्रदेश में कठुआ से बारामूला जिले तक विभिन्न रेलवे स्टेशनों और रेल पटरियों पर ट्रेनों, यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए तैनात किया गया है. भारत का केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल है जो रेलवे संपत्ति, यात्रियों और यात्री क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है, जो सुरक्षा सुनिश्चित करने, अपराधों को रोकने और यात्रियों की सहायता करने, जिसमें बच्चों को बचाना और तस्करी से लड़ना शामिल है, के लिए रेल मंत्रालय के तहत काम करता है.

RPF के मुख्य कार्यों में 'ऑपरेशन अमानत (खोया और पाया)' और 'मेरी सहेली (महिलाओं की सुरक्षा)' जैसी पहलों के माध्यम से यात्रियों, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल है. यह रेलवे संपत्तियों को नुकसान या चोरी से भी बचाता है और रेलवे संपत्ति (अवैध कब्जा) अधिनियम और NDPS अधिनियम (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट) जैसे कानूनों को लागू करता है. इसके अलावा, RPF आपात स्थिति के दौरान सहायता प्रदान करता है, घायलों की मदद करता है और खोए हुए व्यक्तियों को बचाता है. यह संघ का एक सशस्त्र बल है, जिसे रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स एक्ट, 1957 द्वारा स्थापित किया गया है. यह राज्य पुलिस के साथ मिलकर काम करता है, लेकिन रेलवे सुरक्षा के लिए इसके पास विशेष शक्तियां हैं. सुरक्षा बल के पास रेलवे संपत्ति (अवैध कब्जा) अधिनियम, 1966, और रेलवे अधिनियम, 1989 (समय-समय पर संशोधित) के तहत किए गए अपराधों की तलाशी लेने, गिरफ्तार करने, पूछताछ करने और मुकदमा चलाने का अधिकार है. RPF को 2004 से रेलवे यात्री क्षेत्रों और रेलवे यात्रियों को सुरक्षित करने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है. हालांकि, अन्य दंड कानूनों के तहत गिरफ्तारी की शक्ति प्रत्येक राज्य की सरकारी रेलवे पुलिस (GRP) के पास है.

तुम नकाब खींचने पर आंदोलन करते हो और हमारी औरतों को फ्री में देखते हो; काट के नदी में फेंक देंगे!

आवाज़ ए तसनीम

देश में हिंदू संगठनों ने इतनी नफरत फैलाई है कि इसका असर गांवों और कस्बों में भी देखने को मिल रहा है. इस बीच बांग्लादेश में स्टूडेंट नेता की हत्या के बाद हिंसा भड़क गई. हिंसा का असर भारत में देखने को मिल रहा है. बांग्लादेशी मुसलमानों के नाम पर आम मुसलमानों को भी परेशान किया जा रहा है. रोजाना किसी न किसी जगह बांग्लादेशी मुसलमानों के नाम पर भारत के मुसलमानों के साथ मारपीट की जा रही है.

इस बीच सोशल मीडिया पर एक चौंकाने वाला वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि कुछ गांव वाले एक स्ट्रीट वेंडर को घेरकर उसे पीटने और जान से मारने की धमकी दे रहे हैं. उन्होंने डॉक्टर नुसरत के बारे में भी विवादित बयान दिए हैं.

वायरल वीडियो में शख्स ने क्या कहा?

वायरल वीडियो में एक शख्स ने मुस्लिम स्ट्रीट वेंडर से कहा कि बांग्लादेश में लड़ाई हो रही है, तो तुम यहां क्या कर रहे हो? अभी काटकर नदी में फेंक देंगे तो तुम क्या कर लोगे? जब फेरीवाले ने बताया कि वो बांग्लादेश का नहीं बल्कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद का है, तो लोगों का बयान और लहजा बदल गया. फिर भी उसे कहा कि नीतीश कुमार ने एक मुस्लिम औरत का बुर्का खींचा तो पूरा मुसलमान आंदोलन पर उतर गया और तुम फ्री में सभी हिन्दू महिलाओं का मुंह देख रहे हो, तुम को काटा जाए कि छोड़ा जाए?

देश में कई जगहों पर हिंसा की घटनाएं

गौरतलब है कि बांग्लादेश में हिंसा भड़कने के बाद भारत के अलग-अलग हिस्सों में मुसलमानों के खिलाफ हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं. देश के कई हिस्सों से वीडियो वायरल हुए हैं, जिनमें साफ तौर पर हिंदू संगठनों के सदस्य मुस्लिम स्ट्रीट वेंडर्स को परेशान करते, उन्हें ÷जय श्री राम÷ और ÷भारत माता की जय÷ के नारे लगाने के लिए मजबूर करते दिख रहे हैं. इसके अलावा बिहार के मधुबनी जिले में एक मुस्लिम बिजनेसमैन को भीड़ ने पीट-पीटकर मारने की कोशिश की और नवादा जिले में एक मुस्लिम बिजनेसमैन को सच में पीट-पीटकर मार डाला गया.

असम चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी की तैयारियां तेज, इमरान मसूद को दी गई बड़ी जिम्मेदारी

आवाज़ ए तसनीम

इस वर्ष असम में विधानसभा के चुनाव होने हैं, इसको लेकर सभी पार्टियों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं. कांग्रेस पार्टी ने सांसद इमरान मसूद को स्क्रीनिंग कमेटी का सदस्य नियुक्त किया गया है. स्क्रीनिंग कमेटी ही उम्मीदवारों के नाम पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को रिकमेंड करती है. सांसद इमरान मसूद ने असम में होने वाले अवैध घुसपैठ के मुद्दे पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर निशाना साधते हुए कहा कि घुसपैठिए कहां से आ रहे हैं? उन्होंने आगे कहा कि अगर आपकी सीमा सुरक्षित नहीं है तो इस्तीफा देना चाहिए. इमरान मसूद ने बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति को लेकर कहा कि केंद्र सरकार की बांग्लादेश को लेकर चुप्पी ठीक नहीं है. वहां लगातार हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे हैं, उन्हें मारा जा रहा है।

'अगर ट्रंप मादुरो को ला सकते हैं, तो मसूद अजहर को क्यों नहीं?' ओवैसी की पीएम मोदी से बड़ी मांग

आवाज़ ए तसनीम

अमेरिका ने 3 दिसंबर की सुबह वेनेजुएला पर हमला किया, राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार करके न्यूयॉर्क ले गया. इस घटना के बाद लोकसभा सांसद और AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मांग की कि भारत सरकार और प्रधानमंत्री 26/11 मुंबई हमलों के कथित दोषियों को पाकिस्तान से भारत लाएं.

दरअसल, मुंबई में नगर निगम और पंचायत चुनाव हो रहे हैं. इसी सिलसिले में असदुद्दीन ओवैसी अपनी पार्टी के चुनाव प्रचार के तहत मुंबई के गोवंडी इलाके में एक जनसभा को संबोधित करने गए थे. अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि दुनिया ने देखा है कि कैसे डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति को पकड़ने और उन्हें अमेरिका लाने के लिए अपनी सेना वेनेजुएला भेजी थी. ओवैसी ने कहा कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति ऐसा कर सकते हैं, तो भारतीय प्रधानमंत्री को भी हिम्मत दिखानी चाहिए.

ओवैसी का हमला

ओवैसी ने सीधे नरेंद्र मोदी का नाम लेते हुए कहा कि 26/11 मुंबई हमलों की साजिश रचने वाले अभी भी पाकिस्तान में खुलेआम घूम रहे हैं. मोदी जी, हम आपसे कह रहे हैं कि जिन ज़ालिमों ने मुंबई की सड़कों पर बेगुनाह लोगों को मारने की साजिश रची, आप पाकिस्तान जाएं, उन्हें पकड़ें और भारत लाएं. AIMIM चीफ ने आगे कहा कि अगर ट्रंप वेनेजुएला जैसे संप्रभु देश के राष्ट्रपति को अमेरिका लाने का दावा कर सकते हैं, तो भारत को भी अपने नागरिकों को न्याय दिलाने के लिए वैसा ही संकल्प दिखाना चाहिए.

क्या है पूरा मामला

गौरतलब है कि शनिवार सुबह वेनेजुएला की राजधानी काराकास में भीषण हमले के बाद और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि निकोलस मादुरो को एक अमेरिकी ऑपरेशन के दौरान पकड़ा गया और रविवार को अमेरिका लाया गया. हालांकि, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इन दावों की कोई स्वतंत्र और आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. ओवैसी ने इस पूरी घटना को भारत की विदेश और सुरक्षा नीति से जोड़ते हुए कहा कि देश के लोग लंबे समय से मांग कर रहे हैं कि 26/11 हमलों के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाए.

सरकारी जमीन पर बने मदरसे को मुस्लिम ने खुद गिराया, जानें क्या है पूरा केस-

आवाज़ ए तसनीम

संभल जिले के गांव सलेमपुर सलार उर्फ हाजीपुर में सरकारी जमीन पर बने मस्जिद और मदरसे को लेकर बड़ा घटनाक्रम सामने आया है. प्रशासनिक कार्रवाई से पहले ही मुस्लिम समाज के लोगों ने खुद ही अवैध निर्माण को हटाना शुरू कर दिया. शनिवार सुबह से ही ग्रामीणों ने दीवारें तोड़ने का काम शुरू कर दिया था और शाम तक बाउंड्री व अंदर के हिस्से से कई गेट निकाल लिए गए.

संभल में मस्जिद और मदरसा तोड़ा

हालांकि, मस्जिद कमेटी ने इस मामले में जिलाधिकारी (डीएम) न्यायालय में अपील दायर की है, जिस पर सुनवाई अभी लंबित है. शनिवार को छुट्टी होने की वजह इस अपील पर सुनवाई नहीं हो सकी. इसके बाद इलाकाई लोगों ने खुद मस्जिद और मदरसा तोड़ने का फैसला किया.

2018 से चला आ रहा है मामला

गांव सलेमपुर सलार उर्फ हाजीपुर निवासी मस्जिद के मुतवल्ली हाजी शमीम पर आरोप है कि उन्होंने करीब पौने चार बीघा सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर मस्जिद और मदरसे को तामीर किया. जानकारी के मुताबिक, पहले

मदरसे का तामीर किया गया और इसके करीब 10 साल बाद मस्जिद का निर्माण कर लिया गया.

इस संबंध में शिकायत मिलने के बाद 14 जून 2018 को सरकारी जमीन पर मस्जिद और मदरसा बनाए जाने की आख्या तैयार की गई थी. इसी रिपोर्ट के आधार पर मामला तहसीलदार न्यायालय में चला.

जुर्माना और हटाने के आदेश

सबूतों और तथ्यों के आधार पर 2 सितंबर 2025 को यह पुष्टि हुई कि निर्माण सरकारी जमीन पर किया गया है. इसके बाद न्यायालय की ओर से मुतवल्ली हाजी शमीम पर 7.78 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया और मस्जिद व मदरसे के निर्माण से किए गए अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए गए.

निर्देशों के बावजूद जब निर्माण नहीं हटाया गया, तो प्रशासन की टीम ने 3 जनवरी, शनिवार को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के आदेश जारी किए थे. हालांकि अवकाश के चलते तय समय सीमा को आगे बढ़ा दिया गया. इसी बीच मुस्लिम समाज के लोगों ने खुद ही मस्जिद और मदरसे को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू कर दी.

कब्रिस्तान की जमीन पर कब्जे का आरोप

इसी बीच संभल शहर के शंकर चौराहे के पास स्थित मल्लक शाह बाबा के कब्रिस्तान की जमीन पर भी अवैध कब्जे का मामला सामने आया है, मोहल्ला चमन सराय निवासी मोहम्मद असलम ने प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत कर कब्रिस्तान की जमीन को कब्जा मुक्त कराने की मांग की है.

शिकायत में कहा गया है कि कब्रिस्तान के दस्तावेजों में किसी भी निर्माण का उल्लेख नहीं है, जबकि मौजूदा समय में वहां कई निर्माण किए जा रहे हैं. आरोप लगाया गया है कि लगातार कब्जा बढ़ता जा रहा है. शिकायतकर्ता ने मामले की जांच कराकर जमीन को कब्जा मुक्त कराने की मांग की है.

कौन हैं सिक्किम हाई कोर्ट के नए CJI मुहम्मद मुश्ताक?

आवाज़ ए तसनीम

जस्टिस ए. मुहम्मद मुस्ताक को रविवार को सिक्किम हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई गई. गंगटोक स्थित लोक भवन में आयोजित एक प्रोग्रम में राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई. इस मौके पर हाईकोर्ट के अन्य न्यायाधीश और अन्य लोग मौजूद रहे.

3 जनवरी को मिली थी नियुक्ति को मंजूरी

इससे पहले 3 जनवरी को केंद्र सरकार ने जस्टिस मुस्ताक की नियुक्ति को मंजूरी दी थी. यह मंजूरी भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्य कांत के नेतृत्व वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के बाद दी गई थी.

केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय की ओर से जारी एक नोटिफिकेशन में कहा गया, भारत के संविधान के अनुच्छेद 217 की उपधारा (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए राष्ट्रपति को यह प्रसन्नता है कि वे केरल हाईकोर्ट के न्यायाधीश श्री जस्टिस मुहम्मद मुस्ताक अयुमंतकथ को सिक्किम हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करते हैं. यह नियुक्ति उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी होगी.

कौन हैं सिक्किम हाई कोर्ट के सीजीआई

1 जून 1967 को जन्मे जस्टिस मुहम्मद मुस्ताक केरल के कन्नूर जिले के थाना गांव के रहने वाले हैं. उन्होंने उडुपी के वी.बी. कॉलेज ऑफ लॉ से कानून की पढ़ाई की और बाद में एम.जी. यूनिवर्सिटी से लेबर लॉ में एलएल.एम. की डिग्री हासिल की. उन्होंने 1 अक्टूबर 1989 को अधिवक्ता के के तौर पर रजिस्ट्रेश कराया और इसके बाद करीब सात सालों तक कन्नूर में अलग-अलग अदालतों और वैधानिक प्राधिकरणों के समक्ष वकालत की.

वकालत और न्यायिक सेवाएं

अपने वकालत करियर के दौरान जस्टिस मुस्ताक ने मुकदमेबाजी वकील और पंच (आर्बिट्रेटर) के तौर पर काम किया. उन्होंने केरल मेडिएशन सेंटर में मध्यस्थ के तौर पर भी सेवाएं दीं. उनके अलग-अलग वर्किंग फील्ड्स में सिविल, कमर्शियल, संवैधानिक, प्रशासनिक, सेवा और आपराधिक कानून के साथ-साथ दूरसंचार, बौद्धिक संपदा और सूचना प्रौद्योगिकी कानून भी शामिल रहे. इसके अलावा, उन्होंने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्बिट्रेशन एंड मेडिएशन (IIAM) में मेडिएशन ट्रेनिंग के लिए फैकल्टी मेंबर के तौर पर काम किया और ICADR व IIAM के पैनल आर्बिट्रेटर भी रहे.

न्यायाधीश के रूप में कार्यकाल

जस्टिस मुहम्मद मुस्ताक को 23 जनवरी 2014 को केरल हाईकोर्ट में अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई गई थी. इसके बाद 10 मार्च 2016 से वे स्थायी न्यायाधीश नियुक्त हुए. वह 5 जुलाई से 21 सितंबर 2024 तक केरल हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं.

बांग्लादेश के लिए गुस्सा, लेकिन भारत में हुई मॉब लिचिंग पर क्या? Owaisi का जोरदार हमला

आवाज़ ए तसनीम

एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने एक बार फिर सरकार पर ज़ोरदार हमला बोला है. इस बार उन्होंने देश में हो रही मॉब लिंचिंग की तरफ उन्होंने ध्यान खींचने का काम किया है. महाराष्ट्र में एक रैली के दौरान ओवैसी का कहना था कि हमारी सरकार को बांग्लादेश में मॉब लिंचिंग होती है उस बात का दुख है, लेकिन हमारे देश में हो रही मॉब लिंचिंग से उनकी कान पर जूं तक नहीं रेंगती है.

क्या बोले असदुद्दीन ओवैसी?

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर ज़ुल्म हो रहा है, उसकी मैंने भी मज़म्मत की है. लेकिन, मोदी जी ये बताइये कि अगर बांग्लादेश में किसी की मॉब लिंचिंग होती है तो आपको गुस्सा आता है. लेकिन, महाराष्ट्र के जलगांव में जब उस बच्चे को मारा गया तो उस पर आपको गुस्सा क्यों नहीं आता है?

ओवैसी ने अपने भाषण के दौरान उस पहली मॉब लिंचिंग का भी जिक्र किया, जो देश में मोदी सरकार बनने के बाद पहली बार हुई थी. ओवैसी ने कहा कि मोदी सरकार बनने के बाद देश में पहली मॉब लिंचिंग पुणे में मोहसिन की हुई थी. वहीं, जलगांव में सुलेमान शेख को उन्हीं के दस्तों ने बेरहमी से पीटकर मार दिया.

सुलेमान के कातिलों की भी होनी चाहिए मज़म्मत

ओवैसी ने आगे कहा कि बांग्लादेश में कोई हिंदू मरता है तो हम उसकी मज़म्मत करते हैं और मारने वालों को ज़ालिम कहते हैं. जिन्होंने सुलेमान को मारा वह भी ज़ालिम हैं. उनकी भी मज़म्मत होनी चाहिए. बांग्लादेश हो या फिर भारत हो, इंसान की ज़िंदगी इंसान होती है. हिंदू की ज़िंदगी भी अहम होती और मुसलमान की भी ज़िंदगी अहम होनी चाहिए.

असदुद्दीन ओवैसी का बयान ऐसे वक्त पर आया है जब

असदुद्दीन ओवैसी का बयान ऐसे वक्त पर आया है जब शुक्रवार को सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ सोसाइटी एंड सेक्युलरिज्म ने हाल ही में मॉब लिंचिंग को लेकर एक रिपोर्ट पेश की है. इस रिपोर्ट के मुताबिक 2025 में कुल 14 मॉब लिंचिंग हुई हैं, जिनमें सभी मुस्लिम समुदाय से ताल्लुक रखते थे. इनमें से 8 लोगों की मौत हुई बाकि केवल घायल हुए और उन्हें बचा लिया गया.

ये हैं मॉब लिंचिंग की वजह

इन घटनाओं के पीछे दो अहम वजहें सामने आती हैं. पहली, गौ-रक्षा के नाम पर की जाने वाली हिंसा, जिसे रिपोर्ट में कई बार वसूली का माध्यम बताया गया है. दूसरी, तथाकथित 'लव जिहाद' के आरोप, यानी अंतरधार्मिक प्रेम या विवाह को लेकर की जाने वाली हिंसा.

Muslim महिला को गलत नियत से छुआ, तो काट दूंगा हाथ; AIMIM नेता का बड़ा बयान

आवाज़ ए तसनीम

हिजाब विवाद पर AIMIM के पूर्व सांसद इम्तियाज जलील ने एक बड़ा बयान दिया है. उनका कहना है कि अगर कोई शख्स मुस्लिम महिलाओं को गलत नीयत से छूने की कोशिश करेगा, तो वह उसके हाथ काट देंगे.

क्या बोले इम्तियाज़ जलील?

महाराष्ट्र के जलना में बोलते हुए जलील ने कहा,÷सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों में कई पार्टियां खुद को सेक्युलर बताती हैं. ये पार्टियां गुंडों और अपराधी तत्वों का समर्थन करती हैं, लेकिन मुसलमानों के अधिकारों के लिए खड़े होने से कतराती हैं.'

इम्तियाज जलील का यह बयान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जरिए एक महिला का हिजाब हटाए जाने की घटना और इस मामले पर उत्तर प्रदेश के मंत्री संजय निषाद की टिप्पणियों के बाद आया है. इम्तियाज जलील महाराष्ट्र के जलना में 15 जनवरी को होने वाले नगर निकाय चुनावों के लिए AIMIM के 17 उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार कर रहे थे. इस दौरान उन्होंने महाराष्ट्र के सामाजिक न्याय मंत्री और शिवसेना नेता संजय शिरसाट के बयान पर भी तंज कसा.

امیر ترین عرب خاندانوں کے پاس کتنی دولت ہے؟

تفصیلات سامنے آگئیں

آوازِ تسنیم

عرب دنیا تاریخ کے چند امیر ترین خاندانوں کا گھر ہے اور بہت سے عرب خاندان جو اپنی پُرتعیش طرز زندگی کی وجہ سے مشہور ہیں وہ طاقت اور اثر ورسوخ کی عالمی علامت کے طور پر بھی ابھرے ہیں۔ ان عرب خاندانوں کی دولت صدیوں کی تجارت، کاروبار اور جدت طرازی سے جڑی ہے جس کی وجہ سے اس خطے کی اقتصادی بنیادوں کی تشکیل ہوئی۔ حال ہی میں بلومبرگ نے دنیا کے امیر ترین خاندانوں کی سالانہ رپورٹ جاری کی ہے۔ اس رپورٹ کے مطابق دنیا کے 25 امیر ترین خاندانوں کی مجموعی دولت رواں سال 2.9 ٹریلین ڈالرز ہے یعنی اس میں گزشتہ سال کے مقابلے میں مجموعی طور پر 358.7 بلین ڈالرز کا اضافہ ہوا ہے۔ رپورٹ میں مزید بتایا ہے کہ اسٹاک کی بڑھتی ہوئی قیمتوں اور دھاتوں اور پالتو جانوروں کی خوراک جیسی اشیاء کی مانگ کی وجہ سے ان کی دولت میں اضافہ ہوا۔ رپورٹ میں عرب دنیا کے 3 امیر ترین خاندانوں، متحدہ عرب امارات سے النہیان، سعودی عرب سے السعود اور قطر سے الثانی خاندان کا ذکر کیا گیا ہے۔

النہیان

بلوم برگ کی رپورٹ کے مطابق ابوظبی کا حکمران خاندان النہیان 335.9 بلین ڈالرز کی مجموعی مالیت کے ساتھ دنیا کا دوسرا امیر ترین خاندان ہے۔ حکمران شیخ محمد بن زید النہیان امارات کے صدر بھی ہیں اور اب سے نہیں بلکہ کئی دہائیوں سے یہ خاندان اس علاقے کی صدارت کر رہا ہے۔ اماراتی قومی سلامتی کے مشیر شیخ طحنون 1.5 ٹریلین ڈالرز کے ذاتی اور خودمختار اثاثوں کی نگرانی کرتے ہیں اور انہوں نے مصنوعی ذہانت میں بہت زیادہ سرمایہ کاری کی ہوئی ہے۔

السعود

سعودی عرب کا حکمران خاندان السعود بلومبرگ کی جانب سے جاری کردہ رواں سال کی دنیا کے امیر ترین خاندانوں کی فہرست میں تیسرے نمبر پر ہے جس کی مجموعی مالیت 213.6 بلین ڈالرز ہے۔ رپورٹ میں بتایا گیا ہے کہ السعود خاندان نے اپنی وسیع اجتماعی دولت بڑی حد تک مملکت کے تیل کے بڑے ذخائر کی مدد سے بنائی ہے۔ رپورٹ کے مطابق دولت میں اضافہ اس سال تاریخی سرمایہ کاری آنے اور شاہی خاندان کے افراد کے اخراجات میں کمی کی عکاسی کرتا ہے۔ تقریباً 15 ہزار سے زیادہ رشتہ داروں پر مشتمل شاہی خاندان کے بارے میں یہ خیال کیا جاتا ہے کہ اس خاندان کی مجموعی دولت اس سے بھی زیادہ ہے۔ سعودی عرب کا خودمختار دولت فنڈ، پبلک انویسٹمنٹ فنڈ (پی آئی ایف) اب تقریباً 1 ٹریلین ڈالرز کے اثاثوں کو مینج کرتا ہے جبکہ ولی عہد شہزادہ محمد بن سلمان ذاتی طور پر 1 بلین ڈالرز سے زیادہ کے اثاثوں کو کنٹرول کرتے ہیں۔

الثانی

قطر کا حکمران خاندان الثانی بلومبرگ کی دنیا کے امیر ترین خاندانوں کی فہرست میں چوتھے نمبر پر ہے۔ یہ خاندان 19 ویں صدی کے وسط سے قطر پر حکمرانی کر رہا ہے اور اس کی مجموعی مالیت 199.5 بلین ڈالرز ہے۔ 1940 کے قریب جب قطر سے تیل دریافت ہوا تھا تو ملک کے وسیع آف شور گیس کے ذخائر کی تزویراتی ترقی نے ملک کی معیشت کو تبدیل کر دیا اور حکمران خاندان کو دنیا کے امیر ترین خاندانوں میں شامل کر دیا۔ الثانی خاندان کے افراد اہم سیاسی عہدوں پر بھی فائز ہیں اور قطر کی گھریلو معیشت جیسے کہ ہوٹلوں، انشورنس کمپنیوں اور تعمیراتی کمپنیوں کے کاروباری مفادات پر وسیع اثر ورسوخ رکھتے ہیں۔ اس قطری خاندان کے افراد اعلیٰ قیمت کے غیر ملکی اثاثوں کے بھی مالک ہیں جن میں لندن کے مے فیئر میں لگژری پراپرٹیز، اسٹڈ فارمز، نجی بینک اور فیشن ہاؤس ویلنٹینو شامل ہے۔

زہران ممدانی کا قرآن پر ہاتھ رکھ کر نیویارک کے میئر کا حلف

آوازِ تسنیم: اپنی زندگی کا سب سے بڑا اعزاز قرار دیتے ہوئے نیویارک کے میئر زہران ممدانی نے قرآن پر ہاتھ رکھ کر نیویارک کے میئر کا حلف اٹھایا۔ امریکی صدر ڈونالڈ ٹرمپ کی زبردست مخالفت کے باوجود اپنی فتح کا پرچم بلند کرنے اور پوری دنیا کی توجہ حاصل کرنے والے ابھرتے ہوئے مسلم نوجوان اور سوشلسٹ رہنما زہران ممدانی نے جمعرات کی علی الصبح نیویارک کے میئر کے طور پر حلف اٹھا لیا، جہاں آئندہ چار برسوں کے دوران ان کا امریکی صدر ڈونالڈ ٹرمپ سے ٹکراؤ متوقع ہے۔ 34 سالہ ڈیموکریٹ رہنما نے آدھی رات کے فوراً بعد سٹی ہال کے نیچے ایک غیر فعال سب وے اسٹیشن میں حلف لیا اور یوں امریکہ کے سب سے بڑے شہر کی قیادت سنبھال لی۔ وہ نیویارک کے پہلے مسلمان میئر ہیں۔ امریکی نیوز ایجنسی ایسوسی ایٹڈ پریس کے مطابق زہران ممدانی نے کہا کہ 'قرآن پاک پر حلف اٹھانا ان کے لیے زندگی کا سب سے بڑا اعزاز ہے'۔ ان کے دفتر کے مطابق سٹی ہال کے نیچے سادہ مقام کا انتخاب محنت کش طبقے سے وابستگی کی علامت ہے، کیونکہ ممدانی نے اپنی انتخابی مہم میں بڑھتی ہوئی مہنگائی سے نمٹنے کے وعدے کیے تھے۔ این بی سی نیوز کے مطابق ممدانی نے حلف اٹھاتے وقت قرآن پاک کے دو نسخوں پر ہاتھ رکھا، ایک ان کے دادا کا اور دوسرا نیویارک پبلک لائبریری کے شومبرگ سینٹر فار ریسرچ ان بلیک کلچر کا تھا۔ سٹی ہال کے الفاظ کے نیچے محرابی چھت تلے کھڑے ہو کر انہوں نے کہا کہ نئے سال کی مبارکباد، چاہے آپ اس ٹنل کے اندر ہوں یا اوپر، یہ واقعی زندگی کا ایک بڑا اعزاز ہے۔ انہوں نے اس خوبصورت سب وے اسٹیشن کو شہر کی زندگی، صحت اور ورثے کے لیے عوامی ٹرانسپورٹ کی اہمیت کی علامت قرار دیا۔ ان کی نجی حلف برداری نیویارک کی اٹارنی جنرل لیٹیشیا جیمز نے کرائی، جنہوں نے صدر ٹرمپ کے خلاف فراڈ کا مقدمہ کامیابی سے چلایا تھا۔ اس موقع پر ان کی اہلیہ راما دواجی بھی موجود تھیں۔ سی این این کے مطابق ان کے والدین، فلم ساز میرا نائر اور کولمبیا یونیورسٹی کے پروفیسر محمود ممدانی بھی تقریب میں شریک تھے۔ جمعرات کو بعد میں ایک بڑی اور علامتی تقریب منعقد ہوگی، جس میں سینیٹر برنی سینڈرز اور کانگریس وومن الیگزینڈریا اوکاسیو کورٹیز سمیت بائیں بازو کے اتحادی خطاب کریں گے۔

ایک ٹیچر

جو روز تیر کر بچّوں کو پڑھانے جاتا ہے اور آج تک چھٹّی نہیں لی

آوازِ تسنیم

بچّوں کی تعلیم سب سے ضروری ہے اور اِس سلسلے میں دو فریقوں کا کردار انتہائی اہمیت کا حامل ہے۔ ایک تو بچّوں کے والدین، جو اپنے بچّوں کو پڑھنے کی تحریک و ترغیب دیں اور دوسرے، ٹیچرز جو بچّوں میں تعلیم کے تعلق سے دلچسپی پیدا کریں۔ ظاہر ہے دونوں فریقین میں کسی بھی طرف سے کوتاہی ہوئی تو نتیجہ یہی ہوگا کہ بچّوں کا مستقبل تاریک ہوگا۔ بچّوں کا مستقبل تابناک بنانے کی اسی تحریک پر عمل پیرا ہوئے 'کیرالہ' میں واقع 'ملاّ پورم' کے 'پڈیجٹو ماری' مسلم لوئر پرائمری اسکول کے 42 سالہ ریاضی کے ٹیچر عبدالملک۔

گزشتہ 20 سال سے وہ تیر کر اسکول جاتے اور آتے ہیں۔ ایک اور طریقہ ہے اُن کے پاس اسکول پہنچنے کا، سڑک۔ مگر سڑک کے راستے 24 کلومیٹر طویل سفر میں ضائع ہونے والے وقت کو بچانے کیلئے عبدالملک روزانہ اپنے گھر سے اسکول اور اسکول سے واپس گھر تیر کر آتے جاتے ہیں۔ سب سے بڑی بات یہ ہے کہ انہوں نے آج تک اپنے اسکول سے ایک دن کی بھی چھٹّی نہیں لی ہے۔ عبدالملک کو تیر کر جانے کا سب سے بڑا فائدہ یہ ہوتا ہے کہ وہ ایک طویل فاصلے کی سڑک کا سفر طئے کرنے سے بچ جاتے ہیں کیونکہ اس پورے سفر کیلئے انہیں 3 بسیں بدلنا پڑتی ہیں اور اِس عمل میں اُن کا قیمتی وقت برباد ہوتا ہے۔

ایک انٹرویو میں انہوں نے کہا کہ ''اسکول میں اپنی ملازمت کے پہلے سال کے دوران تو میَں نے سڑک کے ذریعے ہی سفر کیا، لیکن اپنے ایک ساتھی کی سفارش کے بعد میں نے ندی کو تیرتے ہوئے پار کرکے آنا جانا شروع کیا۔ میرا اسکول تین اطراف سے پانی سے گھرا ہوا ہے اور ایسے میں نقل وحمل کے دیگر ذرائع استعمال کرنے کی بہ نسبت تیر کر وہاں پہنچنا زیادہ بہتر ہے۔'' وہ اپنے ساتھ کاپی، کتابوں اور لباس کو بھیگنے سے بچانے کیلئے انہیں ایک پلاسٹک کے بیگ میں لے کر جاتے ہیں۔ ایک بار تیر کر دریا پار کرنے کے بعد وہ اپنے ساتھ لائے ہوئے کپڑے تبدیل کرتے ہیں اور پھر اسکول جاتے ہیں۔ اِس کے علاوہ عبدالملک قدرتی ماحول اور فطری مناظر کے شیدائی بھی ہیں اور وہ گزشتہ چند برسوں سے ندی میں بڑھتی ہوئی گندگی اور آلودگی کو دیکھ کر کافی غمگین اور مضطرب ہو جاتے ہیں۔ وہ اکثر اپنے طالب علموں کو بھی تیراکی کیلئے لے جاتے ہیں اور طالب علم بھی اپنے اِس بہترین اُستاد سے بہت محبت کرتے ہیں۔ ندی کے کنارے پر پہنچ کر وہ لوگ مِل کر پلاسٹک، کچرا اور ندی کے کناروں نیز سطح پر تیر رہی گندگی کو ہٹانے کا کام کرتے ہیں۔ وہ کہتے ہیں، ''ہمیں اپنی ندیوں کو آلودگی سے پاک رکھنا چاہیے کیونکہ قدرتی ماحول اور فطرت اِس زمین کو خدا کا ایک انمول تحفہ ہے۔''

☆☆☆

جادھوپور یونیورسٹی میں طالبہ کو حجاب نکالنے پر مجبور کرنیکا واقعہ

آوازِ تسنیم: مغربی بنگال اقلیتی کمیشن نے ان الزامات کی تحقیقات شروع کردی ہیں کہ 22 دسمبر کو 5 ویں سمسٹر کے انگریزی امتحان کے دوران نقل نویسی کے شبہ میں جادوپور یونیورسٹی کی ایک حجاب پوش طالبہ کو حجاب نکالنے کا حکم دیا گیا تھا۔ یہ مسئلہ اس وقت منظر عام پر آیا جب اسٹوڈنٹس فیڈریشن آف انڈیا (ایس ایف آئی) سے وابستہ آرٹس فیکلٹی کی بعض طالبات نے یونیورسٹی کے دوروزہ کنونشن کے دوران ایک پوسٹر دکھایا جس پر انگلش ڈپارٹمنٹ کے ایک فیکلٹی پر اسلاموفوبیا کا شکار ہونے کا الزام عائد کیا گیا۔ انہوں نے کہا کہ یہ حرکت نسلی تعصب کے مترادف ہے اور اس کی وجہ سے ان کی ہم جماعت طالبہ کے دستوری حقوق کی خلاف ورزی ہوئی ہے۔ اس واقعہ کا پتہ چلنے کے بعد مغربی بنگال اقلیتی کمیشن کی ایک 6 رکنی ٹیم نے 30 دسمبر کو کیمپس کا دورہ کیا اور وائس چانسلر، رجسٹرار اور طلباء نمائندوں کے ساتھ میٹنگس کیں تاکہ شکایت سے متعلق تفصیلات حاصل کی جاسکیں۔ کمیشن کے صدرنشین عمران احمد نے چہارشنبہ کے روز بتایا کہ طالبات کو حجاب نکالنے پر مجبور کرنا یکسر غلط اور ناقابل قبول ہے۔ انہوں نے کہا کہ ایسے واقعات دانستہ طور پر تعصب برتنے کے مترادف معلوم ہوتے ہیں اور تعلیمی ماحول میں ان کی کوئی جگہ نہیں ہے۔ احمد نے بتایا کہ اس مبینہ واقعہ میں جب تک یونیورسٹی کمیٹی کی داخلی تحقیقات مکمل نہیں ہوتیں، انگلش ڈپارٹمنٹ کی صدر پروفیسر سواتی ہلدر کو کیمپس سے دور رہنا چاہئے۔

ایران پرامن مظاہرین کو ہلاک نہ کرے

تہران کو ٹرمپ کی وارننگ۔ امریکہ کو مداخلت مہنگی پڑے گی: علی لاری جانی

آوازِ تسنیم

امریکی صدر ڈونالڈ ٹرمپ اور ایران کے ایک اعلیٰ سیکورٹی عہدیدار نے جمعہ کو ایک دوسرے کو دھمکیاں دیں۔ اسلامی جمہوریہ کے مختلف حصوں میں معاشی مظاہرے بڑھتے جا رہے ہیں۔ امریکہ اور ایران کے درمیان کشیدگی مزید بڑھ گئی ہے۔ امریکہ نے گزشتہ برس جون میں ایران کی نیوکلیئر سائٹس پر بمباری کی تھی۔ ٹرمپ نے ابتداء میں اپنے ٹروتھ سوشل پلیٹ فارم پر لکھا۔ انہوں نے ایران کو خبردار کیا کہ اگر اس نے ''پرامن احتجاجیوں کو متشدد طریقہ سے ہلاک کیا تو 'امریکہ' ان کی مدد کو آئے گا''۔ ایران میں احتجاج کے دوران تشدد میں تاحال کم ازکم 7 جانیں جا چکی ہیں۔ ایرانی پارلیمنٹ (مجلس) کے سابق اسپیکر علی لاری جانی نے جو ملک کی سپریم نیشنل سیکورٹی کونسل کے سکریٹری ہیں سوشل پلیٹ فارم ایکس پر الزام عائد کیا کہ ایران میں مظاہروں کو اسرائیل اور امریکہ ہوا دے رہے ہیں۔ انہوں نے اپنے اِس الزام کی تائید میں کوئی ثبوت نہیں کیا۔ ایرانی عہدیدار کئی بار یہ الزام دہرا چکے ہیں۔ علی لاری جانی نے ایکس پر لکھا کہ ٹرمپ کو جان لینا چاہئے کہ مقامی مسائل میں امریکہ کی مداخلت سے سارے خطہ میں افراتفری مچے گی اور امریکی مفادات تباہ ہوں گے۔ امریکہ کے عوام کو جان لینا چاہئے کہ ٹرمپ نے مہم جوئی شروع کی ہے۔ انہیں اپنے فوجیوں کی فکر کرنی چاہئے۔ علی لاری جانی کے ریمارکس میں ممکن ہے خطہ میں امریکہ کی فوجی موجودگی کا حوالہ دیا گیا ہو۔ ایران نے جون میں قطر میں العبید ایربیس کو نشانہ بنایا تھا۔ اُس نے اپنی نیوکلیئر سائٹس پر امریکہ کے حملے کے جواب میں یہ اقدام کیا تھا۔ ایران میں فی الحال جو مظاہرے ہو رہے ہیں وہ چھٹویں دن میں داخل ہوگئے ہیں۔

2022ء کے بعد سے یہ سب سے بڑے مظاہرے ہیں۔ اُس وقت 22 سالہ مہسا امینی کی پولیس تحویل میں موت کے بعد ملک گیر احتجاج ہوا تھا۔ اصلاح پسند صدر مسعود پزشکیان کی ایرانی سویلین حکومت یہ اشارہ دینے کی کوشش میں ہے کہ وہ احتجاجیوں سے بات چیت کرنا چاہتی ہے تاہم ان کا ماننا ہے کہ زیادہ کچھ نہیں کیا جاسکتا کیونکہ ایرانی کرنسی ریال کی قدر تیزی سے گھٹ چکی ہے۔ اب ایک امریکی ڈالر 1.4 ملین ایرانی ریال کے برابر ہے۔

☆☆☆

سوئٹزرلینڈ کے بار میں آتشزدگی' 40 افراد ہلاک

آوازِ تسنیم

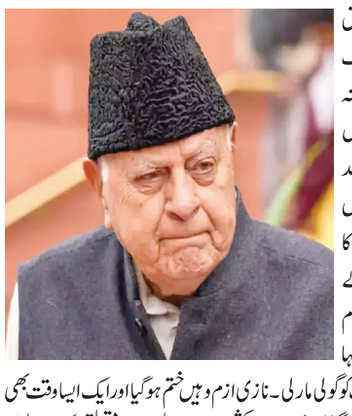

سوئٹزرلینڈ کے لگژری اسکی ریزورٹ شہر کرانس مونٹانا میں نئے سال کی رات ایک گنجان آباد بار میں آگ بھڑک اٹھی جس کے نتیجہ میں 40 افراد ہلاک اور متعدد زخمی ہو گئے۔ جنوب مغربی سوئٹزرلینڈ کے والیس کینٹن کی پولیس نے جمعرات کی علی الصبح بتایا کہ سیاحوں میں مقبول ایک بار میں نامعلوم وجوہات کی بنا پر آگ لگی، جہاں نئے سال کی تقریبات جاری تھیں۔ پولیس بیان کے مطابق کئی افراد جان سے گئے جبکہ دیگر زخمی ہوئے اور واقعہ کو سنگین قرار دیتے ہوئے کہا گیا کہ بڑے پیمانے پر ہنگامی کارروائیاں جاری ہیں۔ پولیس، فائر فائٹرز اور ریسکیو عملے کی بڑی تعداد فوری طور پر موقع پر پہنچ گئی تاکہ متاثرین کی مدد کی جاسکے، جب کہ آپریشن تاحال جاری ہے۔ سوئس اخبار بلک نے موقع پر موجود ایک ڈاکٹر کے حوالے سے ہلاکتوں کی تعداد درجنوں میں ہونے کا امکان ظاہر کیا ہے۔ علاقائی اخبار لی نوویلیسٹ کے مطابق تقریباً 40 ہلاکتوں اور 100 زخمیوں کی اطلاعات ہیں۔ سوئس میڈیا کی شائع کردہ تصاویر میں ایک عمارت کو شعلوں میں گھرا اور لوگوں کو اندھیرے میں چیختے اور بھاگتے دکھایا گیا۔ بعض رپورٹس کے مطابق کنسرٹ کے دوران آتش بازی کے استعمال سے آگ لگنے کا امکان ہے، تاہم پولیس کا کہنا ہے کہ وجہ ابھی معلوم نہیں۔ پولیس ترجمان گیٹن لاتھیوں نے اے ایف پی کو بتایا کہ ابتدا میں نامعلوم نوعیت کا ایک دھماکا ہوا تھا، جو تقریباً رات ڈیڑھ بجے لی کانسٹیلیشن نامی بار میں پیش آیا، جہاں نئے سال کی تقریبات کے لیے 100 سے زائد افراد جمع تھے۔ دھماکے کے کئی گھنٹے بعد اے ایف پی کے فوٹوگرافر نے کرانس مونٹانا جانے والی سڑک پر متعدد ایمبولینسز دیکھیں۔ پولیس کے مطابق علاقے کو مکمل طور پر عوام کے لیے بند کر دیا گیا ہے اور کرانس مونٹانا کے اوپر نو فلائی زون نافذ کر دیا گیا ہے۔ اے پی کے بموجب سوئزرلینڈ کے علاقہ کراس مونٹانا میں سوئس آلپس کے ایک بار میں نئے سال کی تقریب کے دوران آگ لگنے سے درجنوں افراد ہلاک ہوگئے۔ زائداز 100 افراد کے زخمی ہونے کا اندیشہ ہے جن میں بیشتر کی حالت تشویشناک بتائی جارہی ہے۔ پولیس نے جمعرات کو بتایا کہ مہلوکین اور زخمیوں کی درست تعداد فوری طور پر معلوم نہیں ہوسکی۔ یہ آگ ''لی کانسٹیلیشن'' بار میں لگی۔ والائس کانٹن کے اٹارنی جنرل بیٹ رائس پلوڈ نے بتایا کہ آتشزدگی کی وجوہات کا تعین کرنا ابھی قبل از وقت ہوگا۔ ماہرین ملبہ کے اندر نہیں جاسکے ہیں۔ پولیس کے مطابق وہ فوری طور پر یہ بھی نہیں بتاسکتی کہ کتنے افراد آگ کی لپیٹ میں آئے تاہم زخمیوں کی تعداد اتنی زیادہ ہے کہ علاقائی ہاسپٹل کا آئی سی یو اور آپریشن تھیٹر گنجائش سے زیادہ بھر گئے۔ علاقائی کونسلر میتھیاس رینارڈ نے بتایا کہ متاثرین کی مدد کے لئے ہیلی کاپٹر اور ایمبولنس موقع پر پہنچائی گئیں جن میں سے کچھ مختلف ممالک کی تھیں۔ میونسپالٹی نے گزشتہ ماہ بارش کم ہونے کی وجہ سے نئے سال کی شام آتشبازی پر پابندی عائد کردی تھی۔ یہ علاقہ سیاحوں سے بھرا ہوا ہوتا ہے جو ڈھلوان پر اسکیئنگ کرتے ہیں اسی لئے حکام نے عوام کو مشورہ دیا تھا کہ آنے والے دنوں میں حادثات سے محفوظ رہنے کی کوشش کریں۔

کشمیریوں کو نشانہ بنانے والے ہٹلر کے راستہ پر: فاروق عبداللہ

آوازِ تسنیم

نیشنل کانفرنس کے صدر فاروق عبداللہ نے جمعرات کے روز کہا کہ جو لوگ ملک کے بعض حصوں میں کشمیریوں کو نشانہ بنارہے ہیں وہ ''ہٹلر کے راستہ پر چل رہے ہیں'' اور امید ظاہر کی کہ یہ انتہاپسند وقت کے ساتھ ختم ہوجائیں گے۔ انہوں نے کہا کہ یہ ہمارا مقدر ہے کہ کچھ لوگوں کا مقصد کچھ اور ہی ہوتا ہے۔ وہ ہٹلر کے راستہ پر چل رہے ہیں اور ہٹلر جیسا نظام بنانا چاہتے ہیں۔ انہوں نے مزید کہا ''لیکن ہٹلر ختم ہوگیا۔ اس نے اپنے آپ کو گولی مارلی۔ نازی ازم وہیں ختم ہوگیا اور ایک ایسا وقت بھی آئے گا جب یہ انتہاپسند بھی ختم ہوجائیں گے''۔ انہوں نے کشمیریوں پر حملوں سے متعلق ایک سوال کا جواب دیتے ہوئے نامہ نگاروں کو یہ بات بتائی۔ سابق ریاست جموں وکشمیر کے چیف منسٹر نے ہندوستان اور پڑوسی ممالک کے درمیان نئے سال میں امن ودوستانہ تعلقات کی دعا بھی کی۔ انہوں نے کہا کہ نیا سال شروع ہوچکا ہے۔ خدا بارش بھیجے اور ہماری دشواریوں کو دور کرے۔ میری دعا ہے کہ ہمارے ملک میں امن وامان قائم رہے۔ ہم اپنے ہمسایوں کے ساتھ دوست بنیں تاکہ ہم ان مشکلات سے نکل سکیں۔ بنگلہ دیش کی سابق وزیراعظم خالدہ ضیاء کی تجہیز وتکفین میں ہندوستانی وزیر خارجہ جئے شنکر کی شرکت کے بارے میں انہوں نے کہا کہ یہ ملک' ہندوستان کا قدیم دوست ہے اور اس رشتہ کو مضبوط بنانے کی ضرورت ہے۔ انہوں نے کہا کہ یہ اچھی بات ہے۔ بنگلہ دیش ہمارا پرانا دوست ہے۔ ہم کو اس دوستی کو آگے بڑھانا اور مزید مضبوط کرنا ہوگا۔ دستورِ ہند کے کشمیری زبان میں ترجمہ پر انہوں نے کہا کہ کئی سال پہلے ہی اس کا ترجمہ کشمیری زبان میں ہوچکا ہے۔

شناختی دستاویزات پر الیکشن کمیشن کا اہم اعلان

مغربی بنگال میں 2010 کے بعد جاری او بی سی سرٹیفکیٹس ناقابل قبول

آوازِ تسنیم

الیکشن کمیشن آف انڈیا (ای سی آئی) نے وضاحت کی کہ حکومتِ مغربی بنگال کی جانب سے 2010 کے بعد جاری کئے گئے دیگر پسماندہ طبقات (او بی سی) سرٹیفکیٹس کو ایس آئی آر کے دوران دعوؤں اور اعتراضات کی سماعت میں شناختی دستاویز کے طور پر قبول نہیں کیا جائے گا۔ یہ وضاحت کلکتہ ہائی کورٹ کے اس فیصلہ کے بعد سامنے آئی ہے جس میں 2010 کے بعد جاری کئے گئے او بی سی سرٹیفکیٹس کو منسوخ کردیا گیا تھا۔ یہ سماعت ریاست میں ووٹر لسٹ پر خصوصی نظر ثانی (ایس آئی آر) کے 3 مرحلوں میں سے دوسرے مرحلہ کا حصہ ہے۔ ذرائع کے مطابق چیف الیکٹورل آفیسر مغربی بنگال کے دفتر میں ای سی آئی نے واضح کیا ہے کہ کسی بھی صورت میں ریاستی حکومت کی جانب سے 2010 کے بعد جاری کئے گئے او بی سی سرٹیفکیٹس کو شناختی ثبوت کے طور پر استعمال نہیں کیا جائے گا۔ کمیشن نے الیکٹورل رجسٹریشن آفیسرس، ضلع مجسٹریٹس اور ضلع الیکٹورل آفیسرس کو ہدایت دی ہے کہ اس حکم پر سختی سے عمل آوری کو یقینی بنائیں۔ یہ معاملہ اس وقت سامنے آیا جب بی جے پی کی مغربی بنگال یونٹ نے دسمبر میں عدالت سے رجوع کیا اور مطالبہ کیا کہ 2010 کے بعد جاری کئے گئے او بی سی سرٹیفکیٹس کو ووٹر لسٹ کے مسودہ پر دعوؤں اور اعتراضات کی سماعت کے دوران بطور ثبوت پیش کرنے سے روکا جائے۔ یہ مسودہ ووٹر لسٹ 16 دسمبر کو شائع ہوئی تھی۔ 24 دسمبر کو ہونے والی سماعت کے اختتام پر جسٹس کرشنا راؤ نے الیکشن کمیشن کو ہدایت دی کہ وہ اس معاملہ میں وضاحت پیش کریں۔

رخواست گزار کے وکیل نے عدالت کو بتایا کہ 22 مئی 2025 کو کلکتہ ہائی کورٹ کی ڈویژن بنچ جس میں جسٹس تیرتا چکرورتی اور جسٹس راج شیکھر منتھا شامل تھے' 2010 کے بعد حکومت مغربی بنگال کی جانب سے جاری کئے گئے تمام او بی سی سرٹیفکیٹس کو منسوخ کردیا تھا اور انہیں حکم دیا تھا کہ آئندہ کسی بھی مقصد کے لئے ان دستاویزات کو استعمال نہ کیا جائے۔ اس بنیاد پر کہا گیا کہ ایسے منسوخ شدہ سرٹیفکیٹس کو ریاست میں ایس آئی آر کے دوسرے مرحلہ کے دوران بھی شناختی ثبوت کے طور پر قبول نہیں کیا جاسکتا۔ الیکشن کمیشن نے شناختی ثبوت کے طور پر 13 دستاویزات مقرر کئے ہیں جن میں درج فہرست ذاتوں (ایس سی)' درج فہرست قبائل (ایس ٹی) اور او بی سی سرٹیفکیٹس شامل ہیں تاہم مغربی بنگال میں 2010 کے بعد جاری ہونے والے او بی سی سرٹیفکیٹس اس میں شامل نہیں ہوں گے۔

☆☆☆

आवाज़-ए-तसनीम की विशेष प्रस्तुति

‘उम्मीद की एक नई रोशनी’

आवाज़ ए तसनीम

हरियाणा की धरती पर ऐसे अनेक चेहरे हैं, जिनकी कहानियाँ शोर नहीं मचातीं, लेकिन समाज की जड़ों को मज़बूत कर देती हैं। ‘उम्मीद की एक नई रोशनी’ ऐसी ही प्रेरक कहानियों की विशेष श्रृंखला है, जो हमें उन दस असाधारण व्यक्तित्वों से रूबरू कराती है– जिन्होंने सामाजिक चुनौतियों, संसाधनों की कमी और व्यक्तिगत संघर्षों के बावजूद अपने-अपने क्षेत्र में मिसाल कायम की। ये वे लोग हैं जिन्होंने सिर्फ़ अपनी ज़िंदगी नहीं बदली, बल्कि अपने आसपास के समाज में उम्मीद का दीप जलाया। किसी ने शिक्षा को हथियार बनाया, किसी ने सामाजिक कुरीतियों से संघर्ष किया, तो किसी ने ज़मीनी स्तर पर लोक कल्याण को अपना मिशन बना लिया। इस श्रृंखला का उद्देश्य है–उन अनसुनी आवाज़ों को मंच देना, जो अक्सर अविकसित और उपेक्षित क्षेत्रों से आती हैं और जो निःस्वार्थ भाव से समाज सेवा में समर्पित हैं। आवाज़-ए-तसनीम आपके सामने लेकर आ रहा है यह सफ़र–जहाँ अंधेरों के बीच भी उजाले की राह दिखाई देती है,जहाँ संघर्ष कहानी नहीं, बल्कि प्रेरणा बन जाता है। ‘उम्मीद की एक नई रोशनी’ - क्योंकि बदलाव हमेशा बड़े मंचों से नहीं, बल्कि ज़मीन से उठी सच्ची आवाज़ों से आता है।

हाजी इब्राहिम खानः मेवात के जल प्रहरी

मेवात के हाजी इब्राहिम खान तीन दशकों से भी अधिक समय से जल संरक्षण को अपना जीवन मिशन बना चुके हैं। अरावली जल बिरादरी के अध्यक्ष के रूप में वह ईमानदारी से दायित्व निभा रहे हैं। बचपन में पानी की विकट कमी देखने के कारण उनके भीतर जल-संरक्षण का बीज अंकुरित हुआ।

‘वॉटरमैन’ राजेंद्र सिंह से प्रेरित होकर उन्होंने सबसे पहले घट्टा शमशाबाद के पास दो पहाड़ियों के बीच बाँध बनवाया, जिसने ग्रामीणों की पीने के पानी की समस्या लगभग समाप्त कर दी। इसके बाद तरुण भारत संघ के सहयोग से उन्होंने पट खोरी, फिरोजपुर झिरका, मेवली, गियासनियन बास सहित कई क्षेत्रों में जोहड़ बनवाए–यहाँ तक कि पहाड़ियों की चोटियों पर जंगली जीवों के लिए भी जल स्रोत विकसित किए। आज वह मेवात में जल संरक्षण आंदोलन के आधारस्तंभ माने जाते हैं।

परवेज़ खानः छोटे गाँव से अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स तक

मेवात के परवेज़ खान ने साबित किया कि सपने सीमित संसाधनों पर नहीं, बल्कि दृढ़ इच्छा शक्ति पर निर्भर करते हैं। एक छोटे से गाँव से निकलकर वह अमेरिका पहुँचे और 2024 में लुइसियाना में आयोजित एसईसी आउटडोर ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप में 1500 मीटर दौड़ का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

उन्होंने यह दूरी 3 मिनट 42.73 सेकंड में तय की, जबकि उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 3 मिनट 38.76 सेकंड है। 800 मीटर में भी उन्होंने तीसरा स्थान प्राप्त किया। परवेज़ मेवात के युवाओं के लिए प्रेरणा का प्रतीक बन चुके हैं।

मुमताज खानः सामाजिक परिवर्तन की दृढ़ आवाज़

नूंह जिले के चाँदनी गाँव की मुमताज खान आज मेवात की आवाज़ मानी जाती हैं। सामाजिक आंदोलनों में सक्रिय भागीदारी और मीडिया के माध्यम से क्षेत्र की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने के कारण वह चर्चित हुई।

चंदैनी गाँव में शिक्षा और महिला सशक्तिकरण की पहलें उनकी वजह से नई दिशा प्राप्त कर रही हैं। बचपन से ही मंचों पर मेवात की बात रखने वाली मुमताज किसान मुआवज़ा, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी सामाजिक चुनौतियों पर जोरदार अभियान चलाती रही हैं। वह मेवात की मुखर और प्रतिबद्ध युवा नेतृत्व की तस्वीर पेश करती हैं।

डॉ. सिद्दीक अहमद मेवः मेवात के इतिहास के प्रहरी और सशक्त लेखक

हरियाणा के प्रसिद्ध लेखक, शोधकर्ता और सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. सिद्दीक अहमद मेव ने मेवात के इतिहास, संस्कृति और लोककथाओं को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनका पहला लेख 1991 में ‘हरियाणा संवाद’ में प्रकाशित हुआ था। 1997 में उनकी पहली पुस्तक मेवात एक खोज हैढ्ढ फिर‘मेवातः ए क्रेस्ट’ आई, जिसके बाद 1999 में ‘मेवाती संस्कृति’ प्रकाशित हुई। 2025 तक उनकी बारह किताबें मेवात के इतिहास, संस्कृति और मौखिक परंपराओं पर प्रकाशित हो चुकी हैं। तीन कविता संग्रह बाज़ार में आ चुके हैं और दो प्रकाशनाधीन हैं। लगभग 200 कविताएँ विभिन्न संकलनों में प्रकाशित होकर उन्हें साहित्यिक जगत में विशिष्ट पहचान दिलाती हैं।

मोहम्मद रफीक चौहानः न्याय और सामाजिक सेवा का संगम

करनाल के अधिवक्ता और सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद रफीक चौहान ‘हरियाणा मुस्लिम खिदमत सभा’ के संस्थापक हैं, जो शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और महिला अधिकारों के लिए काम करती है।

महिलाओं की सुरक्षा और न्याय के प्रति उनका समर्पण इतना गहरा है कि आर्थिक रूप से कमजोर पीड़िताओं के केस वे निःशुल्क लड़ते हैं–यहाँ तक कि स्टेशनरी का खर्च भी स्वयं वहन करते हैं। उनकी यह संवेदनशीलता उन्हें समाजसेवा के अग्रदूतों में शामिल करती है।

रुखसानाः सीमाओं को तोड़ती सफलता

नूंह के सुनारी गाँव की रुखसाना का सफर दृढ़ता का अद्भुत उदाहरण है। दो बार हरियाणा और उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा परीक्षा में असफल होने के बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी। अंततः उन्होंने पश्चिम बंगाल न्यायिक सेवा में तीसरा स्थान प्राप्त कर समाज में मिसाल कायम की। आज वह गुरुग्राम में मजिस्ट्रेट हैं और उनकी सफलता उन लड़कियों को संदेश देती है जो सोचती हैं कि उनकी दुनिया घर की चारदीवारी तक सीमित है।

रफीक अहमदः करनाल के पहले मुस्लिम स्नातक और समर्पित समाजसेवी

इंद्री, करनाल के रफीक अहमद स्वतंत्र करनाल के पहले मुस्लिम स्नातक होने का गौरव रखते हैं। उन्होंने अपना पूरा जीवन मस्जिदों और ईदगाहों के निर्माण व जीर्णोद्धार के लिए समर्पित कर दिया।

1960-1962 के बीच उनके प्रयासों से कई धार्मिक स्थलों का निर्माण हुआ। उनका मानना है कि इस्लाम की सच्ची भावना को समझना और फैलाना समाज की सबसे बड़ी सेवा है।

राजेश खान मच्छर्रीः सामाजिक न्याय का प्रहरी

सोनीपत के वकील और सामाजिक कार्यकर्ता राजेश खान मच्छर्री 2006 से ‘कब्रिस्तान इंतज़ामिया संघर्ष समिति’ के अध्यक्ष हैं।

उनकी देखरेख में समिति कब्रिस्तानों की सुरक्षा, पानीङ्बिजली की व्यवस्था, अतिक्रमण हटाने और चारदीवारी निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य करती है।

लावारिस शवों का अंतिम संस्कार कराना भी समिति की प्रमुख जिम्मेदारी है। उनकी सेवाएँ सामाजिक न्याय और मानवता की मिशाल पेश करती हैं।

असलम खानः पीड़ा से जन्मी सेवा

ह्यगुरुग्राम के असलम खान ने अपनी कैंसर पीड़ित माँ का इलाज कराते हुए देखा कि पैसे के अभाव में कई मरीज तड़पते रह जाते हैं। यहीं से ‘हरियाणा अंजुमन चैरिटेबल ट्रस्ट1 का बीज अंकुरित हुआ। 2003 में पंजीकृत यह संस्था गरीबों, अनाथों और जरूरतमंदों को चिकित्सा, भोजन और शिक्षा जैसी बुनियादी सहायता प्रदान कर रही है। आज असलम खान मानवता की मिसाल बन चुके हैं।

होशियार खानः सामुदायिक अधिकारों की मुखर आवाज़

हिसार के होशियार खान ‘मुस्लिम वेलफेयर कमेटी’ के अध्यक्ष हैं। वह समुदाय के अधिकारों, बुनियादी सुविधाओं और आरक्षण से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाते हैं। हिसार में मस्जिदों की कमी के कारण ईद की नमाज़ क्रांतिमान पार्क में होती है, और इसका संपूर्ण खर्च समिति वहन करती है। उनकी नेतृत्व क्षमता ने उन्हें समुदाय का भरोसेमंद चेहरा बनाया है।

ये सभी दस परिवर्तनकर्ता न केवल अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं, बल्कि हरियाणा–विशेषकर मेवात–की नई पहचान गढ़ रहे हैं। इनकी कहानियाँ हमें याद दिलाती हैं कि इच्छाशक्ति, संकल्प और संवेदनशीलता हो तो बदलाव अवश्य संभव है।

संपादकीय

मुसलमान और भारतः ज़िम्मेदारी, सहभागिता और भविष्य

रमाकांत गोस्वामी
संपादक, आवाज़ ए तसनीम, हिन्दी और उर्दू समाचार पत्र

भारत की पहचान उसकी विविधता से है, और इस विविधता में मुसलमानों की भूमिका ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण रही है। आज़ादी की लड़ाई से लेकर संविधान निर्माण तक, शिक्षा, साहित्य, विज्ञान, खेल और प्रशासन–हर क्षेत्र में भारतीय मुसलमानों का योगदान देश की नींव में शामिल है। इसके बावजूद, मौजूदा समय में मुस्लिम समाज कई सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक चुनौतियों से जूझ रहा है, जिन पर ईमानदार आत्ममंथन और व्यावहारिक समाधान की ज़रूरत है।

यह सच है कि मुस्लिम समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी शिक्षा और रोज़गार के क्षेत्र में पीछे है। इसका कारण केवल बाहरी परिस्थितियाँ नहीं, बल्कि आंतरिक कमज़ोरियाँ भी हैं–जैसे आधुनिक शिक्षा से दूरी, कौशल विकास पर कम ध्यान और आपसी बिखराव। समय की मांग है कि समाज भावनात्मक मुद्दों से ऊपर उठकर शिक्षा, तकनीक और उद्यमिता को प्राथमिकता दे।

साथ ही यह भी उतना ही आवश्यक है कि समाज के भीतर आत्मविश्वास और संवैधानिक मूल्यों के प्रति आस्था मज़बूत हो। भारत का संविधान सभी नागरिकों को समान अधिकार देता है। मुसलमानों को चाहिए कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी निभाएँ–चाहे वह मतदान हो, सामाजिक संवाद हो या रचनात्मक आलोचना। अधिकारों की रक्षा तभी संभव है, जब कर्तव्यों का निर्वहन भी उतनी ही गंभीरता से किया जाए।

मुस्लिम समाज के सामने एक और बड़ी चुनौती है–पहचान की राजनीति। धर्म के आधार पर खुद को सीमित दायरे में बाँध लेने से विकास की राह संकरी हो जाती है। ज़रूरत इस बात की है कि पहचान को बाधा नहीं, बल्कि शक्ति बनाया जाए–एक जिम्मेदार, शिक्षित और राष्ट्र-निर्माण में सहभागी नागरिक के रूप में।

देश की तरक्की में कोई भी समाज अकेले आगे नहीं बढ़ सकता। मुसलमानों की उन्नति भारत की उन्नति से जुड़ी है। जब मुस्लिम युवा शिक्षित होगा, आत्मनिर्भर बनेगा और सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ेगा, तभी देश की सामाजिक समरसता और मज़बूत होगी।

यह संपादकीय किसी आरोप या पक्षपात के लिए नहीं, बल्कि एक ईमानदार संवाद की शुरुआत के लिए है। सवाल यह नहीं है कि मुसलमानों के साथ क्या हो रहा है, बल्कि यह है कि मुसलमान अपने भविष्य के लिए क्या कर रहे हैं। जवाब शिक्षा, एकता, संविधान पर विश्वास और राष्ट्र के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने में छिपा है। भारत सबका है–और इसका भविष्य भी सबकी साझा ज़िम्मेदारी है।

जोधपुर में पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव 2026 में प्रदेश स्तरीय महिला उद्यमी सम्मेलन का भव्य आयोजन

जब महिला नेतृत्व संभालती है, तब उद्योग केवल व्यापार नहीं, समाज परिवर्तन का माध्यम बन जाता है– उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी

सम्मेलन महिला नेतृत्व, आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था और राइजिंग राजस्थान का सशक्त मंच

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। जोधपुर जिला प्रशासन, लघु उद्योग भारती, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र तथा उद्यम प्रोत्साहन संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव-2026 के अंतर्गत रविवार को प्रदेश स्तरीय महिला उद्यमी सम्मेलन का गरिमामय आयोजन किया गया। सम्मेलन की मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी रहीं। उन्होंने सम्मेलन को महिला नेतृत्व, स्वावलंबन और औद्योगिक सशक्तिकरण की दिशा में निर्णायक कदम बताते हुए कहा कि जब उद्यमिता की कमान महिलाओं के हाथ में होती है, तब अर्थव्यवस्था के साथङ्कसाथ समाज भी सशक्त होता है।

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने जोधपुर की गौरवशाली धरती पर आयोजित इस सम्मेलन के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के निर्माण में लघु, कुटीर एवं हस्तशिल्प उद्योगों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पर्यावरण-संरक्षण, स्वदेशी को बढ़ावा और स्थानीय कलाकारोंङ्कव्यापारियों को मंच देने वाले ऐसे आयोजनों से टिकाऊ औद्योगिक वातावरण विकसित होता है।

उन्होंने महिला उद्यमियों को वित्तीय संस्थाओं से जोड़कर ऋण उपलब्ध कराने, उत्पादों के विपणन, हस्तशिल्प प्रदर्शनियों, संसाधन उपलब्धता, प्रशिक्षण, नई तकनीकों और योजनाओं की जानकारी देकर जागरूक बनाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी–सफलता की गारंटी है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना में महिला नेतृत्व निर्णायक है। राजस्थान केवल भौगोलिक प्रदेश नहीं, बल्कि विचार, संस्कृति और उद्यमशीलता की परंपरा है, जहाँ हर जिलेङ्कगाँव का कोई न कोई उत्पाद महिलाओं के परिश्रम और सपनों से जुड़ा है। उन्होंने रेखांकित किया कि आज की नारी सहायक नहीं, बल्कि नेतृत्वकारी भूमिका में खड़ी है–जो परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों के लिए अवसर सृजित करती है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, पीएम विश्वकर्मा योजना और स्वयं सहायता समूह जैसी पहलों ने महिलाओं को आर्थिक प्रगति की मुख्यधारा में लाया है। वहीं राजस्थान में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में नीति-स्थिरता, प्रशासनिक पारदर्शिता और उद्योग-अनुकूल वातावरण तेज़ी से विकसित हो रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राईजिंग राजस्थान निवेश, नवाचार और महिला नेतृत्व के लिए तैयार राज्य का संदेश है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता महिलाओं को सरल ऋण सुविधा, कौशल विकास, प्रशिक्षण, सुरक्षा-स्वास्थ्य, डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ना और उनके उत्पादों को ‘लोकल टू ग्लोबल’ पहुँच दिलाना है। उन्होंने महिला उद्यमियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आप कमजोर नहीं, संभावनाओं से भरी हैं। आपका आत्मविश्वास राजस्थान की पहचान और आपका परिश्रम भारत की शक्ति है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाला समय महिला उद्यमिता का स्वर्ण युग होगा और राजस्थान पर्यटन-संस्कृति के साथङ्कसाथ उद्योग और महिला नेतृत्व में भी देश का अग्रणी राज्य बनेगा। इस अवसर पर सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आर्मी डे परेड पर जयपुर के कई रास्तों पर नो-एंट्रीः जानें आम विजिटर्स को कहां से मिलेगी एंट्री, कहां करेंगे पार्किंग

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। जयपुर में पहली बार आर्मी डे परेड सैन्य छावनी की सीमाओं से बाहर आयोजित की जा रही है। 15 जनवरी 2026 को मुख्य परेड महल रोड (जगतपुरा) पर होगी। इससे पहले 9, 11 और 13 जनवरी को सुबह 6 बजे से दोपहर 12 बजे तक इसकी रिहर्सल आयोजित की जाएगी, जिसे आम लोग भी देख सकेंगे।

हर रिहर्सल और मुख्य आयोजन में करीब डेढ़ लाख लोगों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। आर्मी डे परेड की तैयारियों के तहत 1 जनवरी से महल रोड पर प्रैक्टिस शुरू हो चुकी है, जो आयोजन दिवस तक चलेगी। इस दौरान सुबह 5 बजे से दोपहर 1 बजे तक एनआरआई चौराहा से बॉम्बे हॉस्पीटल चौराहा महल रोड (जगतपुरा) तक ट्रैफिक डायवर्ट रहेगा।

आम विजिटर्स के बैठने की व्यवस्था

9, 11, 13 जनवरी और 15 जनवरी को सुबह 6 बजे से दोपहर 12 बजे तक आम विजिटर्स को एंट्री मिलेगी। विजिटर्स के बैठने की व्यवस्था अक्षय पात्र मंदिर के सामने की गई है। इस ओर आने के लिए विजिटर्स डी-मार्ट सर्किल की तरफ से महावीर मार्ग और केन्द्रीय विहार मार्ग की तरफ से आ सकेंगे।

स्थानीय निवासी इन रास्तों का करें प्रयोग

आर्मी डे परेड के पूर्वाभ्यास, तैयारियों और प्रदर्शन को देखते हुए सुबह 5 बजे से दोपहर 1 बजे तक एनआरआई चौराहा से बॉम्बे हॉस्पीटल चौराहा तक महल रोड (जगतपुरा) पर सामान्य यातायात का संचालन बंद रहेगा। एनआरआई चौराहा से बॉम्बे हॉस्पीटल चौराहा तक महल रोड पर सामान्य यातायात बंद होने के कारण दाएं और बाईं तरफ रहने वाले स्थानीय निवासी अपने गंतव्य स्थान पर जाने के लिए महल रोड के समानांतर मार्गों का उपयोग कर सकेंगे

पार्किंग व्यवस्था

कार्यक्रम में शामिल होने वाले आमजन अपने वाहन हल्दीघाटी मार्ग और राणा सांगा मार्ग पर निर्धारित पार्किंग स्थलों पर पार्क कर सकेंगे।

परेड में दिखेगी सेना की आधुनिक ताकत

आर्मी डे परेड में लड़ाकू विमानों और हेलीकॉप्टरों की फ्लाई-पास्ट, सैन्य टुकड़ियों का मार्च, टैंक, मिसाइल, ड्रोन तकनीक और आधुनिक क्षमताओं का प्रदर्शन किया जाएगा। परेड में नेपाल आर्मी बैंड भी हिस्सा लेगा। आयोजन का उद्देश्य सेना और आम लोगों के बीच जुड़ाव को मजबूत करना है।

जयपुर में पार्क के बाहर महिला की चेन लूटी

कार में बैठते समय झपट्टा मारा, बाइक से भागे बदमाश को पीछा कर पकड़ा

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। जयपुर में पब्लिक पार्क के बाहर बाइक सवार दो बदमाशों ने एक महिला से लूट की वारदात को अंजाम दिया। कार में बैठते समय झपट्टा मारकर बाइक सवार बदमाश उसके गले से सोने की चेन तोड़ ले गए। मानसरोवर थाना पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पीछा कर चेन स्नेचर को अरेस्ट किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में यूज बाइक बरामद की है। पुलिस फिलहाल आरोपी से पूछताछ करने के साथ फरार साथी की तलाश कर रही है।

कार में बैठते समय झपट्टा मारा

डीसीपी (साउथ) राजर्षि राज ने बताया- मानसरोवर इलाके में अहिन्या पार्क के पास रहने वाली महिला से चेन स्नेचिंग की वारदात हुई। 29 दिसम्बर को दोपहर करीब 3 बजे वह बाजार जाने के लिए निकली थी। कार बैक करते समय पार्क के बाहर दो लड़के बाइक लेकर खड़े थे। कार में बैठते समय एक लड़के ने झपट्टा मारकर गले से सोने की चेन तोड़ ली। चेन तोड़कर पैदल भागे बदमाश को देखकर उसके साथी पीछे-पीछे बाइक लेकर निकल गया।

जयपुर कॉमिक कॉन के पहले दिन ने रचा ऐतिहासिक पॉप कल्चर उत्सव का मंच

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। मारुति सुजुकी एरिना द्वारा प्रस्तुत और क्रंचीरोल द्वारा संचालित जयपुर कॉमिक कॉन के पहले संस्करण का भव्य शुभारंभ रविवार को जयपुर एग्ज़िबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (JECC) में हुआ। यह आयोजन राजस्थान में पॉप कल्चर उत्सवों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। नोडविन गेमिंग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को राजस्थान सरकार का समर्थन प्राप्त है, जो राज्य की AVGC नीति के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है और इसे राज्य की प्रमुख पहल डिजीफेस्ट के साथ होस्ट किया गया है। जयपुर कॉमिक कॉन के पहले दिन की शुरुआत अंतरराष्ट्रीय कॉमिक जगत की दो दिग्गज हस्तियों की मौजूदगी से बेहद शानदार रही। इनमें बर्नार्ड चांग, जो मार्वल की Sorcerer Supreme और डीसी की Monkey Prince के सह-निर्माता के रूप में जाने जाते हैं, तथा यानिक पैकेट, आइजनर-नामांकित और शस्टर अवॉर्ड विजेता कनाडाई कलाकार शामिल रहे। यानिक पैकेट ने X-Men, Wolverine, Batman, Swamp Thing, Wonder Woman: Earth One और The Incal जैसी चर्चित कृतियों पर काम किया है। दोनों कलाकारों ने प्रशंसकों से संवाद किया और अपनी रचनात्मक प्रक्रिया से जुड़े अनुभव साझा किए। इस पहले संस्करण में भारतीय कॉमिक उद्योग को भी विशेष मंच दिया गया। 13 प्रसिद्ध भारतीय कॉमिक लेखक और चित्रकारों के साथ इंटरएक्टिव मीट-एंड-ग्रीट सत्र आयोजित किया गया, जिसमें सावियो मस्कारेन्हास (अमर चित्र कथा), फैसल मोहम्मद (गार्बेज बिन कॉमिक्स) और आलोक शर्मा (इंडसवर्स) जैसे नाम शामिल रहे। इस सत्र ने भारतीय कहानी कहने की परंपरा की कल्पनाशीलता और रचनात्मक सोच को उजागर किया।

कार्यक्रम में स्थानीय प्रतिभाओं को भी विशेष रूप से सामने लाया गया।

के सहयोग से राजस्थान के 14 उभरते युवा क्रिएटर्स–जैसे आदित्य वैष्णव, अभिलाषा भारतीया, विभूति पांडेय और समृद्धि काविया–ने अपने कार्यों का प्रदर्शन किया। इन कलाकारों ने दर्शकों के साथ अपने रचनात्मक सफर की कहानियाँ साझा कीं और एक समर्पित पैनल चर्चा में भाग लिया।

कॉस्प्ले ने पहले दिन दर्शकों का विशेष आकर्षण बना। Demon Slayer के अकाज़ा, Solo Leveling के सुंग जिन-वू, और Jujutsu Kaisen के तोजी फुशिगुरो जैसे लोकप्रिय किरदारों के साथ-साथ गेमिंग आइकन्स Ghost (Call of Duty), Scar (S.T.A.L.K.E.R.: Clear Sky) और Izanagi-no-Okami (Persona z Royal) नजर आए। वहीं जोकर, हैरी पॉटर, वेडनसडे और आयरन मैन जैसे क्लासिक और पॉप कल्चर किरदारों ने माहौल को और रंगीन बना दिया।

वसुंधरा राजे का सरकार और अफसरशाही को सख्त संदेश...क्या है मायने

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। जयपुर में आयोजित भाजपा की प्रदेश स्तरीय संगठनात्मक कार्यशाला में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का वक्तव्य केवल एक राजनीतिक भाषण नहीं, बल्कि संगठन, प्रशासन और सत्ता के आपसी संतुलन को लेकर एक स्पष्ट संकेत माना जा रहा है। ÷कार्यकर्ता हमारा एंबेसेडर है÷ और ÷एक घंटी में अफसर फोन उठाएं÷ जैसे तीखे वाक्य प्रशासनिक व्यवस्था के प्रति पार्टी नेतृत्व की अपेक्षाओं को उजागर करते हैं। राजे का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब भाजपा राजस्थान में सत्ता में है और संगठन व सरकार के बीच तालमेल को लेकर लगातार चर्चाएं होती रही हैं। उनके वक्तव्य से स्पष्ट है कि पार्टी नेतृत्व जमीनी कार्यकर्ताओं की भूमिका को केवल चुनावी साधन तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि उन्हें शासन-प्रशासन में प्रभावी भागीदार के रूप में देखना चाहता है।

संगठन की ताकत का पुनः स्मरण

वसुंधरा राजे ने भाजपा को ÷कार्यकर्ता आधारित पार्टी÷ बताते हुए यह संदेश दिया कि बूथ अध्यक्ष से लेकर जिलाध्यक्ष तक संगठन की रीढ़ हैं। उनका यह कहना कि ÷उनके साइन से जनता के काम हों÷, दरअसल उस व्यवस्था की आलोचना भी है जिसमें जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता अक्सर प्रशासनिक उदासीनता से जूझते हैं।

अफसरशाही को चेतावनी या कार्यकर्ताओं का मनोबल?

नहीं तो भुगतने के लिए तैयार रहें÷ जैसे शब्द प्रशासनिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया का विषय बन सकते हैं। विश्लेषकों के अनुसार यह कथन सीधे तौर पर अधिकारियों पर दबाव बनाने का प्रयास भी माना जा सकता है, वहीं संगठनात्मक दृष्टि से यह कार्यकर्ताओं के मनोबल को मजबूत करने की रणनीति भी है। यह संदेश स्पष्ट करता है कि पार्टी नेतृत्व कार्यकर्ता की उपेक्षा को राजनीतिक नुकसान के रूप में देखता है। राजे का यह रुख संगठन को सक्रिय रखने और सत्ता में आने के बाद उत्पन्न होने वाली दूरी को पाटने का प्रयास भी माना जा रहा है।

राजनीतिक संदर्भ और समय

राजे ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपलब्धियों का उल्लेख कर यह भी संकेत दिया कि संगठन और सरकार के बीच सामंजस्य आवश्यक है। भारत के चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का उल्लेख राष्ट्रीय उपलब्धियों से कार्यकर्ताओं को जोड़ने की कोशिश है।

गोविंद देवजी मंदिर में भावपूर्ण माघ महोत्सव, 300 से अधिक श्रद्धालुओं ने दी आहुतियां

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। आराध्य देव श्री गोविंद देवजी मंदिर में रविवार को श्रद्धा और भक्ति के साथ माघ महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत गंगा, यमुना, सरस्वती, गोदावरी सहित अन्य पवित्र नदियों एवं प्रमुख तीर्थों का भावपूर्ण आह्वान कर हवन एवं विधिवत पूजन संपन्न हुआ। इसके पश्चात तीर्थ जल से उपस्थित श्रद्धालुओं पर अभिसिंचन किया गया, जिससे श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक शांति और पुण्य लाभ की अनुभूति की। सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक चले इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता करते हुए विश्व कल्याण की कामना के साथ पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ में यज्ञ भगवान को आहुतियाँ अर्पित कीं। महोत्सव का आयोजन मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में गोविंद देवजी मंदिर के सेवा अधिकारी मानस गोस्वामी ने ठाकुर श्री राधा गोविंद देवजी, वेद माता गायत्री एवं गुरु सत्ता का विधिवत पूजन कर दीप प्रज्वलन किया। देव पूजन में श्रद्धालुओं ने पुष्प-अक्षत से षोडशोपचार पूजन किया। महायज्ञ में पाँच पारियों में 300 से अधिक श्रद्धालुओं ने सहभागिता की, जिनमें कई विदेशी श्रद्धालु भी शामिल रहे। आचार्य पीठ से संबोधित करते हुए भक्त भूषण ने कहा कि सद्बुद्धि की प्राप्ति के लिए गायत्री महामंत्र का जाप अनिवार्य है। गायत्री महामंत्र के जाप से विवेक जागृत होता है, जिससे अच्छे-बुरे तथा सही-गलत का ज्ञान प्राप्त होता है और जीवन सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ता है। इस अवसर पर जनवरी माह में जन्म लेने वाले श्रद्धालुओं ने भारतीय संस्कृति के अनुरूप पंचतत्व पूजन कर यज्ञ के साथ अपना जन्मदिन संस्कारपूर्वक मनाया। शांति, सद्भाव और विश्व कल्याण की मंगल कामना के साथ माघ महोत्सव का समापन हुआ।

आरोपी RPS रितेश ने एडिट कर बनवाई थी फेक FIR

एक करोड़ की वसूली मामले में साथी ने की मदद, कॉपी कर डलवाए थे अफसर के साइन

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की फेक FIR बनाकर एक करोड़ की वसूली के मास्टर माइंड RPS के मददगार साथी को महेश नगर थाना पुलिस ने अरेस्ट किया है। पुलिस ने रिमांड अवधि पूरी होने पर मास्टर माइंड RPS रितेश पटेल और अरेस्ट साथी इरफान खान को कोर्ट में शनिवार को पेश कर 4 दिन के रिमांड पर लिया है।

पुलिस फिलहाल गिरफ्तार दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

प्रिंटिंग प्रेस पर किया था फर्जीवाड़ा

SHO (महेश नगर) सुरेश यादव ने बताया- एसओजी की फेक FIR बनाकर एक करोड़ की वसूली का मास्टर माइंड RPS रितेश पटेल पुलिस रिमांड पर चल रहा है। पुलिस पूछताछ में आरोपी रितेश पटेल ने अपने साथी इरफान खान की मदद से फेक FIR बनाना बताया था।

पुलिस टीम ने शनिवार सुबह दबिश देकर मास्टर माइंड पटेल के साथी इरफान खान (33) निवासी ब्यावर को अरेस्ट किया। आरोपी इरफान खान ने ब्यावर स्थित अपनी दुकान कोहनूर प्रिंटिंग पर फेक FIR में शब्दों की मैचिंग का काम किया था। पुलिस ने आरोपी इरफान खान को अरेस्ट कर उससे कम्प्यूटर व प्रिंटर जब्त किया।

खुद बनाई FIR, साथी से करवाई एडिट

पुलिस सूत्रों के मुताबिक RPS रितेश पटेल ने खुद फेक FIR बनाई थी। RPS रितेश पटेल ने SOG की पहले से दर्ज FIR कॉपी की नकल की थी। उसके आधार पर SOG की फेक FIR बनाई। अपने साथी इरफान खान की मदद से FIR को एडिट कर शब्दों की मैचिंग करवाई थी। साथ ही FIR को प्रमाणित करने के लिए SOG के एडिशनल एसपी के साइन कॉपी कर डलवाए थे।

पुलिस की ओर से जांच की जा रही है कि आरोपी रितेश पटेल ने स्न्नढ्डक्रबनाने में किस टूल और इलेक्ट्रानिक डिवाइस का यूज किया था। जानकारी के अनुसार पूछताछ के दौरान आरोपी मास्टर माइंड रितेश पटेल पुलिस को गुमराह करने के प्रयास कर रहा है।

यह है मामला

RPS रितेश पटेल 2019 बैच का आरपीएस अफसर है। बजरी के लेन-देन एक मामले में एपीओ चल रहा था। एपीओ रहते हुए भी पटेल ने एक फर्जी FIR तैयार की और पीड़ित को डरा- धमकाकर एक करोड़ रुपए मांगे थे। इसमें से 25 लाख रुपए ऑनलाइन और 25 लाख रुपए नकद ले भी ले लिए थे।

विवादित अफसर के खिलाफ ये 6 मामले भी दर्ज

राजस्थान के RPS रितेश पटेल शुरू से ही विवादित रहे। विवादित RPS रितेश पटेल के खिलाफ 6 मामले हैं। इसके बाद SOG की फेक FIR मामले में आरोपी रितेश पटेल को अरेस्ट किया गया है।

जून-2017 में बिलाड़ा थाने में मोबाइल पर अश्लील मैसेज करने का केस दर्ज हुआ।

साल-2019 में जयपुर के गांधी नगर थाने में इसकी बैचमेट ने दर्ज करवाया था कि मेरे नाम से दूसरों को धमकाया गया।

फरवरी-2021 में बिलाड़ा थाने में महिला टीचर ने रेप का केस दर्ज करवाया।

सितंबर-2021 में सोजत थाने में अश्लील वीडियो भेजने और ब्लैकमेल का केस दर्ज हुआ।

मई-2024 में भीलवाड़ा में डोडा तस्करों से डील करने के आरोप लगे।

सितंबर-2024 में भीलवाड़ा में बजरी माफिया से दोस्ती के चलते बजरी से भरे ट्रैक्टर पास करवाने के लिए मौके पर जाकर धमकाया और अपने ही सीआई से उलझ पड़ा था।

जयपुर में सेना दिवस परेड का आयोजन प्रदेश के लिए गर्व एवं हर्ष का विषय: मुख्य सचिव

सेना दिवस परेड-2026 की तैयारियों की मुख्य सचिव ने की समीक्षा

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। जयपुर में 8 जनवरी से 15 जनवरी 2026 तक आयोजित होने जा रही सेना दिवस परेड-2026 के दिव्य एवं भव्य आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को महल रोड, जगतपुरा स्थित आयोजन स्थल का दौरा कर सेना दिवस परेड की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने आयोजन स्थल पर पहुंचकर मैप्स एवं चार्ट के माध्यम से विभिन्न व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध ढंग से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सेना दिवस परेड का जयपुर में आयोजन पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है और इसे राष्ट्रीय स्तर की गरिमा के अनुरूप आयोजित किया जाना चाहिए। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राजस्थान सरकार सेना दिवस परेड-2026 के सफल आयोजन हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान करेगी।

उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, दर्शक दीर्घा एवं मंच व्यवस्था, स्वच्छता, विद्युत एवं पेयजल व्यवस्था, पार्किंग, चिकित्सा सेवाएं तथा आपातकालीन प्रबंधन को लेकर विशेष निर्देश दिए। साथ ही, आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए पूर्व तैयारी एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशासन एवं सेना के अधिकारियों से फील्ड-लेवल तैयारियों की जानकारी ली तथा आवश्यक सुधारात्मक सुझाव भी दिए।

इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव नवीन जैन, जिला कलक्टर जयपुर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी, आयुक्त नगर निगम डॉ. गौरव सैनी, मेजर जनरल अमर रामदासानी, मेजर जनरल रोहित मेहरोत्रा, ब्रिगेडियर सुरेन्द्र सिंह शेखावत, ब्रिगेडियर संजय शर्मा एवं कर्नल सुभाष बसेरा सहित प्रशासन एवं सेना के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस पर IRCTC का दुबई टूर ऑफर, 5 दिन के लिए चार्ज होगा सिर्फ इतने रुपये; जानें कहां-कहां घूम सकेंगे

आवाज़ ए तसनीम

गणतंत्र दिवस के खास मौके पर आईआरसीटीसी सस्ते और किफायती रेट पर दुबई का टूर पैकेज लेकर आया है. IRCTC के खास टूर पैकेज में फ्लाइट का टिकट, होटल में रुकने का इंतजाम, वीजा फीस, बस से दुबई का टूर और अन्य तमाम सुविधाएं शामिल हैं. इस टूर पैकेज की खास बात है कि देश के अलग-अलग राज्यों से आने वाले पर्यटक दुबई में एक साथ यात्रा करेंगे. जिससे अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की एकता और सांस्कृतिक विविधता का संदेश जाएगा.

गणतंत्र दिवस पर शुरू होगा टूर

आईआरसीटीसी अधिकारियों के मुताबिक, यह टूर गणतंत्र दिवस पर शुरू होगा. कोच्चि, बेंगलुरु, अहमदाबाद, मुंबई, इंदौर, जयपुर, दिल्ली, चंडीगढ़ और लखनऊ सहित कई शहरों से पर्यटक इस पैकेज को बुक कर सकते हैं. सभी यात्रियों को दुबई में एक समूह के रूप में भ्रमण कराया जाएगा. चार रात और पांच दिन के इस टूर पैकेज के लिए एक व्यक्ति को मात्र 94,730 रुपये देना होगा. जिसमें फ्लाइट टिकट, थ्री-स्टार होटल में रुकने की व्यवस्था, वीजा शुल्क, भोजन, एसी डीलक्स बस से सिटी टूर, रेगिस्तान सफारी और यात्रा बीमा जैसी सुविधाएं शामिल हैं.

दुबई में कहां-कहां घूम सकेंगे?

आईआरसीटीसी के जयपुर अपर महाप्रबंधक योगेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि पर्यटकों को दुबई के प्रमुख आकर्षणों जैसे पाम जुमेराह, मिरेकल गार्डन, बुर्ज खलीफा का लाइट एंड साउंड शो, गोल्ड सूक और स्पाइस सूक का भ्रमण कराया जाएगा. इसके अलावा अबू धाबी टूर में शेख जायद मस्जिद और मंदिर के दर्शन भी होंगे. इस पैकेज की बुकिंग 6 जनवरी तक की जा सकती है. इच्छुक यात्री आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं.

सरकारी-स्कूलों में बच्चों के बैग का वजन 50 प्रतिशत कम होगा

स्टूडेंट्स को दो चरणों में किताबें बांटी जाएंगी, पेरेंट्स को गाइड करेगा माय करियर एप

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। राजस्थान में शिक्षा व्यवस्था को स्टूडेंट्स के अनुसार बनाने के लिए शिक्षा विभाग ने दो अहम फैसले लिए हैं। एक ओर सरकारी स्कूलों में क्लास एक से पांचवीं तक के बच्चों के स्कूल बैग का भार कम करने की तैयारी की जा रही है। वहीं, दूसरी ओर स्टूडेंट्स को सही करियर दिशा देने के लिए माय करियर एडवाइजर मोबाइल एप लॉन्च किया गया है। नई शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप लिए गए इन दोनों फैसलों उद्देश्य बच्चों पर शैक्षणिक बोझ कम करना, उनकी सीखने की क्षमता बढ़ाना और भविष्य को लेकर जागरूकता विकसित करना है। दरअसल, राजस्थान के सरकारी स्कूलों में कक्षा एक से पांचवीं तक पढ़ने वाले बच्चों के स्कूल बैग का भार कम करने की तैयारी शुरू हो गई है। नई शिक्षा नीति के तहत सत्र 2026-27 से स्टूडेंट्स को दो चरणों में किताबें बांटी जाएंगी। इस व्यवस्था के लागू होने से बच्चों के स्कूल बैग का वजन मौजूदा स्थिति की तुलना में करीब 50 प्रतिशत तक कम हो जाएगा।

अगले सत्र (2027-28) में 25 प्रतिशत किया जाएगा भार

शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार सीमित संख्या में पुस्तकों के वितरण से बच्चों पर अनावश्यक बोझ नहीं पड़ेगा। इसका सीधा सकारात्मक असर उनके शारीरिक स्वास्थ्य और सीखने की क्षमता पर दिखाई देगा। भारी स्कूल बैग की समस्या लंबे समय से अभिभावकों और शिक्षकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई थी। इसे देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

स्कूल शिक्षा विभाग शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने बताया- सत्र 2027-28 से पाठ्य पुस्तकों का आवंटन तिमाही आधार पर किया जाएगा। इस नई व्यवस्था के लागू होने के बाद विद्यार्थियों के बैग का भार और अधिक कम होकर वर्तमान के लगभग 25 प्रतिशत तक सीमित रह जाएगा। यह पहल पढ़ाई को बच्चों के लिए बोझ नहीं, बल्कि, आनंददायक अनुभव बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है।

एप लॉन्च किया गया

इसके साथ ही शिक्षा विभाग ने माय करियर एडवाइजर मोबाइल एप लॉन्च किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप तैयार यह आधुनिक और एआई आधारित एप कक्षा 9 से 12वीं तक के स्टूडेंट्स के साथ-साथ शिक्षकों, अभिभावकों और काउंसलर्स के लिए बनाया गया है। इस एप के माध्यम से स्टूडेंट एप्टीट्यूड, इंटरेस्ट और वैल्यूज टेस्ट के जरिए सेल्फ रिव्यू कर अपनी रुचि, योग्यता और कौशल के अनुसार पर्सनलाइज्ड करियर गाइडेंस प्राप्त कर सकेंगे। इसमें कॉलेज डिग्री के साथ-साथ बिना डिग्री वाले जॉब विकल्प भी शामिल किए गए हैं। माय करियर एडवाइजर एप पर 1500 से अधिक करियर विकल्पों और भविष्य की संभावनाओं की जानकारी उपलब्ध है। शिक्षा विभाग का यह फैसला राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप है, जिसमें बच्चों पर अनावश्यक शैक्षणिक दबाव कम कर समग्र और बाल-केंद्रित शिक्षा व्यवस्था को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। माना जा रहा है कि इस पहल से राजस्थान के सरकारी स्कूलों में शिक्षा का माहौल और अधिक सकारात्मक और प्रभावी बनेगा।

कर्मचारियों की मांगों को लेकर 12 जनवरी को जयपुर में चेतावनी महारैली, दौसा से जाएंगे 2 हजार कर्मचारी

आवाज़ ए तसनीम

दौसा। कर्मचारियों की मांगों की अनदेखी एवं उत्पीड़न के विरोध में अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ की ओर से 12 जनवरी को जयपुर में चेतावनी महारैली का आयोजन किया जाएगा। महारैली को सफ़ल बनाने के लिए जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा की अध्यक्षता में नेहरू पार्क में बैठक आयोजित की गई। शर्मा ने सभी सदस्यों का आह्वान किया कि 12 जनवरी को चेतावनी महारैली में सभी कर्मचारी शामिल हों। ज़िला मंत्री मुकेश चन्द मीना ऐंचेडी ने बताया कि महासंघ के प्रत्येक घटक संगठन से एक बस की व्यवस्था की जा रही है। बस व्यवस्था महवा, बांदीकुई, सिकराय, लालसोट एवं दौसा ज़िला मुख्यालय से रहेगी। आयुर्वेद नर्सेज से 1 बस, पटवार एवं कानूनगो संघ से 5 बसें, ग्राम विकास अधिकारी संघ से 5 बसें, कृषि पर्यवेक्षक संघ से 1 बस, राजस्थान नर्सेज से 2 बसें एवं अन्य संगठन भी बसों की व्यवस्था कर रहे हैं। जिले से 2 हजार कर्मचारी चेतावनी महारैली में भाग लेंगे। ज़िला मंत्री मुकेश चन्द मीना ऐंचेडी बताया कि महासंघ द्वारा कर्मचारियों के लिए 7 संकल्प निर्धारित किए। 7 संकल्पों को पूरा करवाने के लिए अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ द्वारा चेतावनी महारैली का आयोजन किया जाएगा। ये हैं महासंघ के 7 संकल्प पदोन्नति विसंगति दूर करवाना एवं 8,16, 24 एवं 32 वर्ष की सेवा पर चयनित वेतनमान लागू करवाने, वेतन विसंगति दूर करवाने एवं केंद्र के पे लेवल के समान वेतनमान स्वीकृत करवाने, पुरानी पेंशन योजना की सुरक्षा सुनिश्चित करवाने, संविदा एवं मानदेय कार्मिकों का नियमितीकरण करवाने, पारदर्शी स्थानांतरण नीति जारी करवाने एवं तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण करवाने, विभिन्न विभागों, निगम एवं बोर्ड को समाप्त कर किया जा रहे निजीकरण को बंद करवाने और कर्मचारियों के मान सम्मान एवं स्वाभिमान की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

ये रहे बैठक में मौजूद

मुरारी लाल शर्मा जिला अध्यक्ष आयुर्वेद नर्सेज, राधाकिशन मीना जिला अध्यक्ष सांख्यिकी संघ, राधेश्याम गुर्जर विधि मंत्री महासंघ, जगदीश गुर्जर वन श्रमिक संघ, कल्याण सहाय मीना जिला अध्यक्ष सहायक कर्मचारी संघ, नारायण मीना जिला अध्यक्ष कृषि पर्यवेक्षक संघ आदि उपस्थित रहे।

श्मशान में 15 साल की बच्ची की चिता पर कर रहे थे तंत्र-मंत्र, यूट्यूब से सीखे टोने-टोटके; पुलिस ने पकड़ा

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर में श्मशान घाट में चिता पर तंत्र-मंत्र करने का सनसनीखेज़ मामला सामने आया है. पुलिस ने मौके से तंत्र क्रिया करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है. चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी यूट्यूब देखकर तंत्र-मंत्र सीख रहे थे. मामला जयपुर के रामनगर श्मशान घाट का है. दोपहर करीब 12 बजे श्मशान घाट में दो युवक चिता की राख पर तंत्र-मंत्र और वशीकरण की क्रिया कर रहे थे. श्मशान घाट में मौजूद लोगों को उनकी गतिविधियां संदिग्ध लगीं. पूछताछ करने पर दोनों ने बताया कि वे अपने परिवार के एक सदस्य की तबीयत ठीक करने के लिए यह तंत्र कर रहे हैं.

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. आरोपियों की पहचान सुरेश और शांति कुमार के रूप में हुई है, जो जयपुर के झालाना क्षेत्र के निवासी हैं. पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने यूट्यूब पर वीडियो देखकर तंत्र-मंत्र करना सीखा था.

चिता की राख पर वशीकरण की प्रक्रिया कर रहे थे

स्थानीय लोगों के मुताबिक आरोपी अपने साथ मांस का टुकड़ा, मदिरा, नींबू और अगरबत्ती लेकर आए थे और चिता की राख पर वशीकरण की प्रक्रिया कर रहे थे. आरोपियों का दावा है कि यूट्यूब पर देखा था कि श्मशान घाट में टोना-टोटका करने से बीमार व्यक्ति ठीक हो सकता है और इसके लिए ताज़ी जली चिता की राख की जरूरत होती है.

وینزویلا پر امریکی حملہ جنگ کے مترادف

نیویارک سٹی کے میئر زہران ممدانی نے صدر ٹرمپ کے اقدام کی مذمت کی

آوازِ تسنیم

نیویارک سٹی کے میئر زہران ممدانی نے وینزویلا پر امریکی حملہ کی مذمت کی ہے۔ انہوں نے کہا کہ کسی آزاد ملک پر حملہ جنگ سمجھا جاتا ہے کیونکہ اِس سے بین الاقوامی قانون کی خلاف ورزی ہوتی ہے۔ امریکی صدر ڈونالڈ ٹرمپ نے اعلان کیا تھا کہ امریکی فوج نے وینزویلا کے دارالحکومت کراکس پر حملہ کر کے وہاں کے صدر نکولس مدورو اور اُن کی بیوی کو پکڑ لیا۔ انہوں نے یہ بھی کہا تھا کہ عبوری دور میں امریکہ اِس جنوبی امریکی ملک کو چلائے گا۔ زہران ممدانی کے دفتر سے جاری بیان میں نیویارک سٹی کے میئر نے کہا کہ مجھے آج صبح بتایا گیا کہ امریکی فوج نے وینزویلا کے صدر نکولس مدورو اور ان کی بیوی کو پکڑ لیا ہے۔ انہیں نیویارک سٹی میں وفاقی تحویل میں رکھا جانے والا ہے۔ کسی بھی مقتدرِ اعلیٰ ملک پر یکطرفہ حملہ جنگ ہے اور اِس سے وفاقی اور بین الاقوامی قانون کی خلاف ورزی ہوتی ہے۔ غور طلب ہے کہ وفاقی کارروائی کے معاملہ میں ممدانی کو محدود اختیار حاصل ہے۔ نیویارک سٹی کے نئے میئر نے کہا کہ ٹرمپ انتظامیہ وینزویلا میں حکومت تبدیل کرنا چاہتا ہے۔ اِس اقدام سے نہ صرف باہر کے لوگ بلکہ نیویارک کے شہری بھی متاثر ہوں گے کیونکہ وینزویلا کے ہزاروں شہری نیویارک کو اپنا وطن مانتے ہیں۔ زہران ممدانی نے کہا کہ میری توجہ ان کی اور نیویارک کے ہر شہری پر مرکوز ہوگی۔ میرا اڈمنسٹریشن صورتحال کی نگرانی کرتا رہے گا اور ضروری رہنمایانہ خطوط جاری کرے گا۔

صدر وینزویلا مدورو کی گرفتاری ٹرمپ کا شرمناک اقدام

بائیں بازو کی جماعتوں کا نئی دہلی جنتر منتر پر احتجاج۔ سامراجی فوجی جارحیت کی مذمت

آوازِ تسنیم

وینزولا پر امریکی حملے اور صدر نیکولاس مدورو کی گرفتاری پر شدید احتجاج کرتے ہوئے کئی بائیں بازو کی جماعتوں نے آج نئی دہلی جنتر منتر پر شدید احتجاج کیا۔ سی پی آئی (ایم) کی زیر قیادت امریکی کارروائی اور سامراجی فوجی جارحیت کی شدید مذمت کرتے ہوئے کہا ہے کہ امریکہ اپنی اس طرح کی کارروائیوں سے یہ ظاہر کرنے کی کوشش کررہا ہے کہ وہ کسی بھی ملک کے داخلی امور میں مداخلت کرسکتا ہے۔ بائیں بازو کی جماعتوں نے صدر نیکولاس اور ان کی شریک حیات کو گرفتار کرنے کی شدید مذمت کرتے ہوئے کہا ہے کہ امریکہ عرصہ دراز سے وینزولا کے خلاف جارحانہ رویہ اختیار کرتا جارہا تھا۔ جماعتوں کے قائدین نے عالمی سطح پر مذمت کرنے کی اپیل کرتے ہوئے مرکز پرزور دیا ہے کہ وہ امریکہ کی اس کارروائی کے تعلق سے اپنے موقف کو واضح کرے۔ احتجاجیوں نے الزام عائد کیا ہے کہ جنوبی امریکی ملک وینزولا میں تیل کے وسائل پر امریکہ قبضہ کرنے کی کوششوں میں سرگرم ہیں کیونکہ صدر امریکہ ڈونالڈ ٹرمپ نے اعلان کیا تھا کہ امریکی فوج بڑے پیمانے پر وینزولا کے صدر مقام کراکس پر کارروائی کرے گی۔ آخر کار امریکہ نے اپنی سامراجی فوجی جارحیت کا مظاہرہ کردیا۔ اس دوران بتایا گیا ہے کہ ہفتہ کو دیر گئے مقامی وقت کے مطابق نیکولاس کو نیو یارک سٹی لایا گیا تاکہ ان کے خلاف قانونی کارروائی کی جاسکے۔ امریکہ کی جانب سے بارہا یہ الزام عائد کیا جارہا ہے کہ وینزولا کے صدر دہشت گردی اور منشیات کی سرگرمیوں کی روک تھام میں ناکام ہوتے جارہے ہیں۔ امریکی اٹارنی جنرل پال بونڈی کی جانب سے امریکی ڈسٹرکٹ کورٹ میں اس سلسلے میں کارروائی شروع کی گئی ہے۔ استغاثہ نے الزام عائد کیا کہ نیکولاس نے امریکہ کو منشیات کی بڑے پیمانے پر سربراہی کے لئے اپنے اثر ورسوخ کا استعمال کیا۔ انہوں نے اس سلسلہ میں کوکین کا تذکرہ کیا۔ نیکولاس پر الزام ہے کہ انہوں نے منشیات اور دہشت گردی سازش میں تعاون کیا ہے اور کوکین کی درآمدات میں بھی ان کی سازش کارفرما رہی ہے۔ آتشی اسلحہ سے متعلق جرائم کی بھی روک تھام کے لئے بھی انہوں نے کوئی موثر اقدامات نہیں کئے ہیں۔ اس دوران سی پی آئی (ایم)، سی پی آئی، سی پی آئی ایم ایل، آر ایس پی اور آل انڈیا فارورڈ بلاک نے بھی مرکز پر زور دیا ہے کہ وہ ان ممالک کے ساتھ آواز اٹھائیں جو کہ امریکہ پر جارحیت کے لئے تنقید کررہے ہیں۔ مذکورہ جماعتوں کے قائدین نے وینزولا کے ساتھ اظہار یگانگت کیا۔

جنرل سکریٹریز این اے بے بی (سی پی آئی۔ ایم)، ڈی راجا (سی پی آئی)، دیپانکر بھٹا چاریہ (سی پی آئی ایل)، جی دیوراجن (اے آئی ایف بی) اور منوج بھٹا چاریہ (آر ایس پی) نے بھی مشترکہ بیان جاری کرتے ہوئے حملے کی شدید مذمت کی ہے اور کہا ہے کہ یہ اقتدار اعلیٰ میں مداخلت کے علاوہ اقوام متحدہ کے منشور کی خلاف ورزی ہے۔ امریکی سکریٹری آف اسٹیٹ مارکو روبیو نے کیوبا اور میکسیکو کو انتباہ دیا ہے کہ آئندہ انہیں نشانہ بنایا جاسکتا ہے۔ قائدین نے بتایا ہے کہ تیل سے مالا مال وینزولا کے ذخائر پر قبضے کی کوششیں کی جارہی ہیں۔ اسی مقصد کے لئے امریکہ حملہ کیا اور اب کیوبا کے علاوہ میکسیکو کو آئندہ نشانہ بنانے کا انتباہ دیا ہے۔

☆☆☆

ملک میں دھند کے باعث فضائی خدمات متاثر

آوازِ تسنیم

قومی دارالحکومت دہلی سمیت ملک کے کئی حصوں میں اتوار کو دھند اور حد بصارت کم ہونے کے باعث فضائی خدمات متاثر رہیں جس کے نتیجہ میں متعدد پروازوں میں تاخیر ہوئی اور ہوائی آپریشن میں خلل پڑا۔ ایئر لائنز نے مسافروں کو مشورہ دیا ہے کہ ہوائی اڈے کیلئے روانہ ہونے سے پہلے اپنی پرواز کی صورتحال ضرور جانچ لیں کیونکہ پروازوں میں تاخیر، راستہ تبدیل ہونے یا منسوخی کا امکان ہے۔ کئی ہوائی اڈوں پر دھند چھائے رہنے کے باعث پروازوں کے اوقات اور آمد و رفت متاثر ہوئی ہے۔ انڈیگو ایئر لائن نے مسافروں کے لیے ایک ایڈوائزری جاری کرتے ہوئے کہا کہ حیدر آباد میں طویل عرصہ سے چھائی دھند کے سبب پروازوں کا آپریشن متاثر ہوا ہے، جس کے باعث روانگی اور آمد میں معمولی تاخیر ہورہی ہے۔ ایئر لائن نے خبردار کیا ہے کہ اگرتلہ، بھونیشور، گوہاٹی، اندور، رانچی اور ادے پور جیسے شہروں میں کم حدنگاہ کے باعث پروازوں کے اوقات میں تبدیلی ہوسکتی ہے۔

انڈیگو نے مسافروں کو مشورہ دیا ہے کہ وہ ہوائی اڈے جانے سے قبل انڈیگو کی ویب سائٹ یا موبائل ایپ پر اپنی پرواز کی تازہ صورتحال دیکھ لیں۔ ایئر انڈیا نے بھی دہلی اور حیدر آباد سمیت شمالی اور جنوبی علاقوں میں دھند کے باعث اسی طرح کی رکاوٹوں کی اطلاع دی ہے اور کہا ہے کہ مسافروں کی پریشانی کم کرنے کے لئے اقدامات کیے جا رہے ہیں۔ ایئر انڈیا نے اپنی 'فوگ کیئر' پہل کے بارے میں بھی بتایا جس کے تحت منتخب پروازوں کے مسافروں کو پہلے ہی الرٹ بھیجے جاتے ہیں اور انہیں بغیر کسی اضافی چارج کے پرواز تبدیل کرنے یا مکمل رقم کی واپسی کی سہولت دی جاتی ہے۔ اسپائس جیٹ نے موسمی صورتحال سے متعلق اپ ڈیٹ جاری کرتے ہوئے کہا ہے کہ پٹنہ، حیدر آباد اور دھرم شالہ میں خراب موسم کے باعث تمام آمد، روانگی اور کنیکٹنگ پروازیں متاثر ہوسکتی ہیں۔ ایئر لائن نے مسافروں سے درخواست کی ہے کہ وہ اپنی پرواز کی صورتحال پر نظر رکھنے کے لئے باقاعدگی سے سرکاری ویب سائٹ چیک کرتے رہیں۔ ایئر لائنز نے مسافروں سے اپیل کی ہے کہ ہوائی اڈوں تک پہنچنے کے لئے اضافی وقت لے کر چلیں اور موسمی حالات پر مسلسل نظر رکھتے ہوئے کمپنیوں کی ویب سائٹس کے ذریعہ تازہ معلومات حاصل کرتے رہیں۔ ان کا کہنا ہے کہ حدِ نگاہ میں بہتری کے بعد فضائی آپریشن کے معمول پر آنے کی امید ہے۔

☆☆☆

سی بی آئی تحقیقات اور قاتلین کو سزائے موت دینے کی مانگ

جنتر منتر دہلی پر احتجاج۔ نئے انکشافات میں بی جے پی لیڈر کا نام شامل

انکیتا بھنڈاری قتل کیس

آوازِ تسنیم

مہانگر دہلی اتراکھنڈ پرواس سنگھٹن نے انکیتا بھنڈاری قتل کیس پر آج جنتر منتر نئی دہلی پر احتجاج منظّم کیا۔ وہ اس کیس کی سی بی آئی تحقیقات اور اس جرم کے ذمہ دار تمام افراد کے خلاف تیز رفتار کارروائی کی مانگ کررہے تھے۔ انکیتا بھنڈاری (19 سالہ) ریسپشنسٹ کی 2022ء میں موت ہوگئی جس کے نتیجہ میں سارے اتراکھنڈ میں وسیع تر برہمی پیدا ہوگئی تھی جو آج پھر ایک مرتبہ ریاست میں عوامی اور سیاسی گفتگو کا مرکز بن گئی۔ احتجاج کے مقام پر مظاہرین میں سے ایک نے آئی اے این ایس سے بات چیت کرتے ہوئے کہا کہ ہم انکیتا بھنڈاری کیس کی سی بی آئی تحقیقات کرانے کی مانگ پر احتجاج کرنے کے لئے یہاں آئے ہیں۔ ہم یہ اس لئے چاہتے ہیں کہ کتنی بھی اہم شخصیت ہو اس سے فرق نہیں پڑتا ان لوگوں کو سزاء دی جانی چاہئے۔ ہم انکیتا بھنڈاری کے لئے انصاف چاہتے ہیں۔ ایک اور احتجاجی نے کہا کہ حالیہ انکشافات کے بعد اس کیس نے نیا موڑ لے لیا ہے۔ چونکہ دھامی حکومت ہماری مدد کرنے کا ارادہ نہیں کررہی ہے ہم مرکزی حکومت سے درخواست کرنے کے لئے یہاں جمع ہوئے ہیں۔ ہم وزیر اعظم مودی اور وزیر داخلہ امیت شاہ سے مانگ کرتے ہیں کہ وہ اس کیس کی سی بی آئی تحقیقات کا حکم دیں۔ ایک اور احتجاجی نے کہا کہ ہم انکیتا بھنڈاری کے قاتلوں کے لئے سزائے موت کی مانگ کرتے ہیں۔ ایک اور احتجاجی نے الزام لگایا کہ اہم ثبوت تلف کردیئے گئے۔ اب ایک مخبر نے وی آئی پی (اہم شخصیت) کے نام کا انکشاف کیا ہے۔ چارج شیٹ میں وی آئی پی زاویہ کو شامل نہیں کیا گیا تھا۔ ایک ٹیلیویژن اداکارہ ارمیلا سناور نے 24 دسمبر 2025 کو الزامات لگائے تھے جس کے بعد دوبارہ عوامی برہمی پیدا ہوئی۔ اس نے کہا تھا کہ ''گٹو'' کی حیثیت سے جس شخص کا حوالہ دیا گیا ہے وہ بی جے پی کا جنرل سکریٹری اور اتراکھنڈ کا انچارج دوشینت کمار گوتم ہے۔ بعد ازاں وی آئی پی کے زاویہ کو شامل کیا گیا۔ مئی 2025ء سے عدالت نے ریسارٹ کے مالک پلکت آریہ اور اس کے دو ملازمین کو عمر قید کی سزاء سنائی۔ پلکت آریہ سابق بی جے پی لیڈر ونود آریہ کا بیٹا ہے جسے قتل کے بعد پارٹی سے خارج کردیا گیا تھا۔ بی ے پی نے نئے الزامات کی واضح تردید کردی ہے۔ دوشینت کمار گوتم نے ان الزامات کو اہانت آمیز اور سیاسی مقصد براری پر مبنی قرار دیا۔ انہوں نے اس سلسلہ میں رسمی تحقیقات کیلئے چیف منسٹر کے دفتر سے ربط پیدا کیا۔ گوتم نے ویڈیو پر جاری اپنے ایک بیان میں کہا کہ اگر الزامات ثابت کئے جائیں تو وہ عوامی زندگی کو چھوڑ دیں گے اور اگر کوئی بھی کسی ثبوت کے بغیر ان کا نام لیتا ہے تو اس کے خلاف ہتک عزت کی قانونی کارروائی کریں گے۔ یہ کیس رشی کیش کے قریب ونتارا ریسارٹ میں انکیتا بھنڈاری کی عصمت ریزی اور قتل کا ہے۔

بہاری لڑکیوں کیخلاف ریمارکس 'اتراکھنڈ کی وزیر کے شوہر کو نوٹس

آوازِ تسنیم: اتراکھنڈ کی وزیر بہبودیٔ خواتین و اطفال ریکھا آریہ کے شوہر گردھاری لال ساہو کے ایک وائرل ویڈیو پر تنازعہ کے بعد بہار خواتین کمیشن نے انہیں نوٹس جاری کردی ہے۔ ویڈیو میں بی جے پی وزیر کے شوہر کو نوجوانوں کے ایک گروپ سے خطاب میں مبینہ طور پر یہ کہتے سنا جاسکتا ہے کہ کیا بڑھاپے میں شادی کروگے؟ اگر تمہاری شادی نہیں ہو پارہی ہے تو ہم تمہارے لئے بہار سے لڑکی لے آئیں گے۔ وہاں 20 تا 25 ہزار روپے میں لڑکی مل جاتی ہے۔ ان کے اس تبصرہ پر ہنگامہ برپا ہوگیا۔

کانگریس کی منریگا بچاؤ ابھیان مہم کا مقصد عوام کو گمراہ کرنا

حکومت حقائق سے واقف کروائے گی۔ مرکزی وزراء کا بیان

آوازِ تسنیم

کانگریس پارٹی نے منریگا مسئلہ پر ملک گیر احتجاج کا اعلان کیا ہے جس پر مرکزی وزیر گری راج سنگھ نے آج یہاں ادعا کیا ہے کہ وکست بھارت جی آر اے ایم جی بل گاندھیائی اصولوں کو پیش نظر رکھتے ہوئے اور غرباء کی بھلائی پر مرکوز ہے۔ مہاتما گاندھی کے نظریات کو پیش نظر رکھتے ہوئے ہم غرباء کے لئے خدمات انجام دے رہے ہیں۔ اس سلسلہ میں انہوں نے بتایا ہے کہ 125 دنوں کے لئے اس پر عمل آوری کی جائے گی۔ گری راج سنگھ نے کہا کہ کانگریس کی زیر قیادت اپوزیشن کی جانب سے ادعا کیا جارہا ہے کہ مذکورہ بل سے دیہی علاقوں میں روزگار سے متعلق اقدامات پر اثر پڑے گا۔ کانگریس نے یہ بھی کہا ہے کہ دیہی علاقوں میں روزگار کی ضمانتوں پر بل کی وجہ اثر پڑے گا اور مقصد فوت ہوتا جائے گا۔ کانگریس نے الزام عائد کیا ہے کہ مہاتما گاندھی نیشنل رورل ایمپلائمنٹ گیارنٹی ایکٹ (ایم این آر ای جی اے سے متعلق نیا قانون کمزور ہے، جس کے خلاف 10 جنوری سے ملک گیر احتجاج کا اعلان کیا ہے۔ مرکزی وزیر شیوراج سنگھ چوہان نے کہا ہے کہ مرکزی حکومت اس سلسلہ میں عوام کو واقف کروائے گی۔ تاکہ غلط فہمیوں کا تدارت ہوسکے۔ اس سلسلہ میں ہمارے قومی قائدین پروگراموں کا اہتمام کریں گے تاکہ عوام سے ربط پیدا کر کے گمراہ نہ ہونے کی اپیل کی جاسکے۔ ہم ہمیشہ حقائق کو پیش نظر رکھتے ہیں۔ کیونکہ حکومت کسانوں کاشتکاروں، محنت کشوں اور دوسرے ملازمین کے مفادات کو پیش نظر رکھتے ہوئے اسکیمات کو روبہ عمل لارہی ہے۔ انہوں نے کہا کہ اپوزیشن کی جانب سے بل کے تعلق سے گمراہ کن بیانات دیئے جارہے ہیں۔ مرکزی وزراء نے اس طرح کے ریمارکس اس وقت کئے جبکہ ہفتہ کو کانگریس نے 45 روزہ ملک گیر اعلان کیا ہے جس کا 10 جنوری سے آغاز ہونے والا ہے۔ پارٹی نے الزام عائد کیا ہے کہ مذکورہ بل اور قانون سے منریگا کے مقاصد رفتہ رفتہ ختم ہوجائیں گے اور دیہی علاقوں کے افراد کو روزگار کے تعلق سے جو حقوق دیئے گئے وہ ختم ہوں گے۔ نئی دہلی میں کانگریس آفس میں اخباری نمائندوں کے ساتھ بات چیت کرتے ہوئے جنرل سکریٹری کے سی وینو گوپال اور سینئر جئے رام رمیش نے اعلان کیا ہے کہ پارٹی اس سلسلہ میں احتجاج کرے گی۔ منریگا بچاؤ ابھیان کے عنوان ملک گیر مہم چلائی جائے گی۔ مذکورہ قانون کے خلاف لائحہ عمل کے لئے سنجیدگی سے غور کیا جائے گا۔ کانگریس نیشنل کمیٹی نے منریگا کے تحفظ کے لئے ممکنہ جدوجہد کی جائے گی۔ کانگریس نے قانون کو نقصاندہ قرار دیا۔ جبکہ حکومت نے بل کو موافق غرباء قرار دیتے ہوئے مدافعت کی ہے۔

☆☆☆

امیدواری کے تعلق سے اعلانات نہ کریں

کانگریس قائدین کو جنرل سکریٹری کے سی وینو گوپال کی ہدایت

آوازِ تسنیم

کل ہند کانگریس کمیٹی کے جنرل سکریٹری کے سی وینو گوپال نے آج یہاں کہا ہے کہ کانگریس قائدین کو اسمبلی انتخابات کے پیش نظر اپنی امیدواری کے اعلانات نہیں کرنے چاہئے۔ انہوں نے سلطان باتھری میں اسمبلی انتخابات کی تیاریوں کے ایک حصہ کے طور پر 2 روزہ لیڈر شپ کیمپ لکھشیا 2026ء کے افتتاحی سیشن کو مخاطب کرتے ہوئے کانگریس قائدین کو کہا کہ وہ اپنی امیدواری کے تعلق سے اعلانات کرنے سے احتراز کریں۔ ہم کو اپنی امیدواری کے تعلق سے اپنے طور پر اعلانات نہیں کرنے چاہئے۔ پارٹی کی جانب سے فیصلوں کا انتظار کرنا ہوگا جیسے ہی پارٹی اپنے فیصلوں کا اعلان کرے انتخابی مہم چلائی جاسکتی ہے۔ قائدین کو اس بات کا حق ہے کہ وہ پارٹی قیادت کے ساتھ مباحث کریں۔ آپ لوگ قیادت سے اپنے مطالبات پیش کرسکتے ہیں۔ اس مقصد کیلئے تمام مواقع دستیاب ہیں لیکن برسر عام طور پر امیدواری سے متعلق مباحث سے احتراز کرنا چاہئے۔ وینو گوپال نے کہا کہ کانگریس کی زیر قیادت یو ڈی ایف کو سی پی آئی ایم اور بی جے پی سے مقابلہ کرنا ہے جو کہ ہمارے مشترکہ حریف ہیں۔ تاہم مجالس مقامی کے حالیہ نتائج سے اس بات کا اظہار ہوتا ہے کہ کانگریس دونوں جماعتوں کا موثر طور پر مقابلہ کرسکتی ہے۔ کامیابی سے کانگریس کارکنوں میں اعتماد اور حوصلہ پیدا ہوا ہے۔ اگر سی پی آئی ایم اور بی جے پی اتحاد مقابلہ کرے تو ہم اس کا سامنا کریں گے۔ جس کیلئے ہم کو تیار رہنا چاہئے۔ جمہوریت میں عوام ماسٹرس ہیں۔ آئندہ 4 ماہ کے دوران ہم کو تیاری کرنا ہوگا۔ وینو گوپال نے کہا کہ چیف منسٹر پنارائے وجین کو اقتدار حاصل کرنے کے تعلق سے اعتماد ہے۔ انہیں توقع ہے کہ تیسری میعاد میں بھی وہ چیف منسٹر کی حیثیت سے ذمہ داریاں سنبھال لی ہیں۔ انہوں نے الزام عائد کیا کہ سی پی آئی ایم اور بی جے پی میں خفیہ طور پر اتحاد ہوچکا ہے۔ دونوں پارٹیاں کانگریس کو شکست دینے کیلئے سرگرم ہیں۔ لکھشیا 2026ء کا اہتمام کیا جارہا ہے۔ تاکہ اسمبلی انتخابات میں حکمت عملی کا جائزہ لیا جاسکے۔ اس میں کانگریس کے سرکردہ قائدین شرکت کئے ہیں جن میں کے پی سی سی قائدین، پارٹی کے ارکان اسمبلی و پارلیمنٹ ارکان بھی ہیں۔ کے پی سی سی قائدین پارٹی کے ارکان اسمبلی و پارلیمنٹ کے علاوہ ملحقہ پارٹیوں کے قائدین بھی شرکت کررہے ہیں۔ حال ہی میں کیرالا اسمبلی میں قائد اپوزیشن نے کہا تھا کہ پارٹی کے 50 فیصد امیدوار خواتین اور نوجوان ہوں گے۔

☆☆☆

وی بی جی۔ رام جی اسکیم، منریگا سے بہتر: شیوراج

آوازِ تسنیم

وزیر دیہی ترقی شیوراج سنگھ چوہان نے آج الزام لگایا کہ منریگا (ایم جی این آر اے جی اے) میں زبردست کرپشن تھا اور کانگریس وی بی۔ جی رام جی پر غلط معلومات پھیلا رہی ہے۔ یہاں ایک پریس کانفرنس سے خطاب کرتے ہوئے شیوراج سنگھ چوہان نے کانگریس پر وی بی۔ جی رام جی اسکیم کے خلاف اس کی آنے والی مہم کے سلسلہ پر نکتہ چینی کی اور یہ پوچھا کہ جب اس مسئلہ پر بحث ہورہی تھی قائد اپوزیشن راہول گاندھی لوک سبھا میں کیوں موجود نہیں تھے۔ انہوں نے کہا'' کانگریس نے منریگا بچاؤ سنگرام کا اعلان کیا ہے۔ درحقیقت یہ کرپشن بچاؤ مہم ہے۔'' انہوں نے الزام لگایا کہ منریگا کرپشن کے مترادف بن گئی تھی۔ گرام سبھاؤں کی جانب سے کی گئی سوشیل آڈٹس کے بموجب 10,51,000 سے زیادہ شکایات تھیں۔ ایک کام کو دوبارہ کیا گیا۔ مشین کے ذریعہ کام انجام دیئے گئے۔ نہروں، سڑکوں کی صفائی کے نام پر رقومات ہڑپ لی گئیں۔ 30 فیصد ورکرس نام 60 سال سے زیادہ عمر کے تھے۔ انہوں نے کہا کہ مودی حکومت کے تحت 8,48,000 کروڑ سے زیادہ کی رقم دی گئی جبکہ یو پی اے حکومت کے دوران 2 لاکھ کروڑ روپے سے زیادہ دیئے گئے۔ آیا مستقل اثاثے جات بنائے گئے؟ کانگریس جھوٹ کی فیکٹری ہے۔ اب وہ یہ کہہ رہے ہیں کہ ورکرس کو کام نہیں ملے گا۔ انہوں نے پرزور انداز میں کہا کہ ورکرس کے مفادات کا وی بی۔ جی رام جی کے تحت بہتر تحفظ کیا جائے گا۔ اگلے مالیاتی سال میں اس اسکیم کے لئے 1,51,282 کروڑ روپئے مختص کئے جائیں گے جس میں مرکز کا حصہ 95,600 کروڑ روپئے ہوگا 125 دنوں کے لئے کافی رقم ہے۔ اس سے دیہاتوں کی ترقی یقینی ہوگی۔ یہ دعویٰ کرتے ہوئے کہ منریگا سے بہتر اسکیم وی بی۔ جی رام جی ہے۔ وہ کانگریس سے اپیل کرتے ہیں کہ اسے غلط معلومات اور جھوٹ نہیں پھیلانا چاہئے۔ اس کے بجائے اسے اس اسکیم کو بہتر بنانے کیلئے وزیر اعظم نریندر مودی کا شکریہ ادا کرنا چاہئے۔ کانگریس نے ہفتہ کو یہ اعلان کیا کہ 10 جنوری تا 25 فروری ملک گیر پیمانہ پر'' منریگا بچاؤ سنگرام کرے گی۔ وی بی جی۔ رام جی ایکٹ کو واپس لینے، منریگا کی بحالی کے مطالبہ پر یہ مہم شروع کی جائے گی۔

بھینس اور بچھڑے کے دو دعویدار، حکام کو الجھن

آوازِ تسنیم

بھینس اور اس کے بچھڑے کے تعلق سے 2 افراد کے ادعا کی وجہ یہاں کے حکام کو عجیب وغریب صورتحال کا سامنا کرنا پڑا۔ میڈیکل بورڈ کی تشکیل اور جانوروں کو ایگزامینیشن کے لئے ویٹرنری ہاسپٹل لے جایا جانے کے بعد اس مسئلہ کی یکسوئی کی راہ ہموار ہوئی اور تنازعہ ختم ہوا۔ پولیس کے مطابق نارائن وبہار کے ساکن رام لال نے ادعا کیا تھا کہ ان کی بھینس اور بچھڑا ایک ماہ قبل لاپتا ہوگئے اور وہ مسلسل تلاش میں سرگرم رہے ہیں۔ 2 دن قبل انہوں نے دیکھا کہ جانور اندرجیت کیوت کے انکلوزر میں بندھے ہوئے ہیں۔ یہ مقام رام چندر پورہ مارگیہ بستی میں واقعہ ہے۔ رام لال فوری کیوت سے رجوع ہوا اور ادعا کیا کہ بھینس اور بچھڑا ان کے ہیں۔ تاہم اندرجیت نے ادعا کو مسترد کردیا اور کہا کہ انہوں نے دوسال قبل موضوع بادی سے بھینس خریدی تھی جبکہ اس کی عمر تقریباً 7 برس تھی۔ جس پر رام لال نے اتفاق نہیں کیا۔ جس کے بعد فریقین کنہاڈی پولیس اسٹیشن پر پہنچے۔ ابتدائی تحقیقات میں فریقین نے استدلال پیش کئے اور جانوران کی ملکیت ہونے کا ادعا پیش کیا۔

وی بی جی۔ رام جی اسکیم، منریگا سے بہتر

مرکزی وزیر دیہی ترقی شیوراج سنگھ چوہان کا بیان

آوازِ تسنیم: وزیر دیہی ترقی شیوراج سنگھ چوہان نے آج الزام لگایا کہ منریگا (ایم جی این آر اے جی اے) میں زبردست کرپشن تھا اور کانگریس وی بی۔ جی رام جی پر غلط معلومات پھیلا رہی ہے۔ یہاں ایک پریس کانفرنس سے خطاب کرتے ہوئے شیوراج سنگھ چوہان نے کانگریس پر وی بی۔ جی رام جی اسکیم کے خلاف اس کی آنے والی مہم کے سلسلہ پر نکتہ چینی کی اور یہ پوچھا کہ جب اس مسئلہ پر بحث ہورہی تھی قائد اپوزیشن راہول گاندھی لوک سبھا میں کیوں موجود نہیں تھے۔ انہوں نے کہا '' کانگریس نے منریگا بچاؤ سنگرام کا اعلان کیا ہے۔ درحقیقت یہ کرپشن بچاؤ مہم ہے۔'' انہوں نے الزام لگایا کہ منریگا کرپشن کے مترادف بن گئی تھی۔ گرام سبھاؤں کی جانب سے کی گئی سوشیل آڈٹس کے بموجب 10,51,000 سے زیادہ شکایات تھیں۔ ایک کام کو دوبارہ کیا گیا۔ مشین کے ذریعہ کام انجام دیئے گئے۔ نہروں، سڑکوں کی صفائی کے نام پر رقومات ہڑپ لی گئیں۔ 30 فیصد ورکرس نام 60 سال سے زیادہ عمر کے تھے۔ انہوں نے کہا کہ مودی حکومت کے تحت 8,48,000 کروڑ سے زیادہ کی رقم دی گئی جبکہ یو پی اے حکومت کے دوران 2 لاکھ کروڑ روپئے سے زیادہ دیئے گئے۔ آیا مستقل اثاثے جات بنائے گئے؟ کانگریس جھوٹ کی فیکٹری ہے۔ اب وہ یہ کہہ رہے ہیں کہ ورکرس کو کام نہیں ملے گا۔ انہوں نے پرزور انداز میں کہا کہ ورکرس کے مفادات کا وی بی۔ جی رام جی کے تحت بہتر تحفظ کیا جائے گا۔ اگلے مالیاتی سال میں اس اسکیم کے لئے 1,51,282 کروڑ روپئے مختص کئے جائیں گے جس میں مرکز کا حصہ 95,600 کروڑ روپئے ہوگا 125 دنوں کے لئے کافی رقم ہے۔ اس سے دیہاتوں کی ترقی یقینی ہوگی۔ یہ دعویٰ کرتے ہوئے کہ منریگا سے بہتر اسکیم وی بی۔ جی رام جی ہے۔ وہ کانگریس سے اپیل کرتے ہیں کہ اسے غلط معلومات اور جھوٹ نہیں پھیلانا چاہئے۔ اس کے بجائے اسے اس اسکیم کو بہتر بنانے کیلئے وزیر اعظم نریندر مودی کا شکریہ ادا کرنا چاہئے۔ کانگریس نے ہفتہ کو یہ اعلان کیا کہ 10 جنوری تا 25 فروری ملک گیر پیمانہ پر'' منریگا بچاؤ سنگرام کرے گی۔ وی بی جی۔ رام جی ایکٹ کو واپس لینے، منریگا کی بحالی کے مطالبہ پر یہ مہم شروع کی جائے گی۔

کانگریس کا 10 جنوری سے ملک گیر منریگا بچاؤ سنگرام

آوازِ تسنیم: کانگریس نے وی بی جی رام جی ایکٹ واپس لینے کے مطالبہ پر زور دینے 10 جنوری تا 25 فروری ملک گیر'' منریگا بچاؤ سنگرام'' کا اعلان کیا ہے۔ ہفتہ کے دن مشترکہ پریس کانفرنس سے خطاب میں کانگریس جنرل سکریٹری کے سی وینو گوپال اور جئے رام رمیش نے کہا کہ نئے قانون کے ذریعہ مرکز نے مکمل مرکوزیت یقینی بنائی ہے۔ نئے قانون کے تحت روزگار اب حق نہیں رہے گا۔ اسے عدالت میں چیلنج کیا جائے گا۔ یہ پوچھنے پر کہ آیا انڈیا بلاک زیر اقتدار ریاستیں نیا قانون لاگو نہیں کریں گی یا اس کی مخالفت کریں گی' وینو گوپال نے کہا کہ کانگریس اپنے تمام اتحادیوں سے صلاح ومشورہ کرے گی۔ اپوزیشن زیر اقتدار ریاستوں کے چیف منسٹروں کے اتفاقِ رائے کے بعد آگے بڑھنے کا امکان تلاش کیا جائے گا۔ جئے رام رمیش نے دعویٰ کیا کہ بی جے پی زیر اقتدار کوئی بھی ریاست جی رام جی قانون لاگو کرنے کے موقف میں نہیں ہے۔ انہوں نے کہا کہ یہ قانون ملک کے وفاقی ڈھانچہ کے خلاف ہے۔ وینو گوپال نے کہا کہ اسے لاگو کرنے کے لئے ریاستوں سے تبادلہ خیال نہیں کیا گیا۔ انہوں نے کہا کہ منریگا بچاؤ سنگرام کے ذریعہ کانگریس کام کے حق کا دفاع کرنا چاہتی ہے۔ وہ پنچایتی راج اداروں کو بچانا چاہتی ہے اور ملک کے ہر گاؤں میں خاتون ورکرس' دلتوں' آدی واسیوں اور دیہی غریبوں کے ساتھ کھڑی رہنا چاہتی ہے۔ ہمارا واضح مطالبہ ہے کہ وی بی جی رام جی قانون واپس لیا جائے اور منریگا کو اس کی اصل شکل میں بحال کیا جائے۔ انہوں نے کہا کہ منریگا بچاؤ سنگرام 10 جنوری سے شروع ہوگا اور 25 فروری تک جاری رہے گا۔ 10 جنوری کو ضلع سطح پر پریس کانفرنسیں ہوں گی۔ 11 جنوری کو ضلع مستقروں پر ایک روزہ بھوک ہڑتال اور علامتی احتجاج ہوگا۔ 12 جنوری تک 29 جنوری تک پنچایت سطح کی چوپالیں ہوں گی اور تمام گرام پنچایتوں میں عوام سے رابطہ کا پروگرام چلایا جائے گا۔ 30 جنوری کو وارڈ کی سطح پر پرامن دھرنا دیا جائے گا۔ آئی اے این ایس کے بموجب کانگریس نے ہفتہ کے دن اعلان کیا کہ جی رام جی قانون کے خلاف 8 جنوری سے ملک گیر احتجاج کیا جائے گا۔ اس نے الزام عائد کیا کہ یہ قانون منریگا کو خاموشی سے ختم کردے گا۔

بدنیتی سے مسلم خواتین کو چھونے والے کا ہاتھ کاٹ دوں گا: امتیاز جلیل

آوازِ تسنیم: مجلس کے قائد امتیاز جلیل نے کہا ہے کہ اگر کسی نے بدنیتی سے مسلم خواتین کو چھونے کی کوشش کی تو وہ اس کا ہاتھ کاٹ دیں گے۔ انہوں نے چیف منسٹر بہار نتیش کمار کی حرکت پر اتر پردیش کے ایک وزیر کے تبصرہ پر پیدا تنازعہ کے بیچ یہ بات کہی۔ مہاراشٹرا کے جالنہ شہر میں جمعہ کے دن ریالی سے خطاب میں انہوں نے الزام عائد کیا کہ نام نہاد سیکولر پارٹیاں غنڈوں اور مجرمانہ عناصر کی تائید کرتی ہیں لیکن مسلمانوں کی مدد کرنے سے ہچکچاتی ہیں۔ اورنگ آباد کے سابق رکن پارلیمنٹ نے کہا کہ یوپی کے ایک وزیر نے قابل اعتراض ریمارک کیا ہے۔ اگر کسی نے بدنیتی سے مسلم بہن کو چھونے کی کوشش کی تو میں اس کا ہاتھ کاٹ دوں گا۔ انہوں نے کہا کہ سیکولر جماعتیں اصل میں انتہائی فرقہ پرست ہیں اور وہ نہیں چاہتیں کہ مسلمان لیڈر بن کر ابھریں۔ یوپی کے وزیر سنجے نشاد نے یہ کہتے ہوئے تنازعہ پیدا کردیا تھا کہ نتیش بابو نے اگر لیڈی ڈاکٹر کو کہیں اور ہاتھ لگایا ہوتا تو کیا ہوتا۔ بعد میں انہوں نے کہا تھا کہ ان کی بات کو توڑ مروڑ کر پیش کیا گیا۔

Pakistan में पुलिसकर्मियों पर बढ़े हमले, अज्ञात बंदूकधारियों ने चार को सुलाया मौत की नींद

आवाज़ ए तसनीम

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में रविवार को गोलीबारी की दो अलग-अलग घटनाओं में चार पुलिसकर्मियों की मौत हो गई. पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि लक्की मारवत के सराय नौरंग कस्बे में मोटरसाइकिल पर सवार अज्ञात हमलावरों ने ट्रैफिक पुलिसकर्मियों पर गोलीबारी की, जिसमें तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गई. घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए.

मृत पुलिसकर्मी की पहचान नौरंग के ट्रैफिक पुलिस प्रभारी जलाल खान, कांस्टेबल अजीजुल्लाह और कांस्टेबल अब्दुल्ला के रूप में हुई है. इस हमले के बाद पुलिस ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है और जांच शुरू कर दी है.

इस बीच पाकिस्तान के बन्नू क्षेत्र के मंदानी इलाके में अज्ञात बंदूकधारियों ने गोलीबारी करके एक अन्य पुलिसकर्मी को मौत के घाट उतार दिया. पुलिस ने बताया कि कांस्टेबल राशिद खान को उस समय निशाना बनाया गया जब वह अपने घर से मंदान पुलिस स्टेशन ड्यूटी पर जा रहे थे. ये हालिया घटनाएं पाकिस्तान में, खासकर सीमावर्ती प्रांतों खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में पुलिस कर्मियों को निशाना बनाकर किया गया है. बीते शनिवार (3 जनवरी) को खैबर पख्तूनख्वा में एक पुलिस चौकी पर हुए हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो पुलिसकर्मियों समेत तीन अन्य घायल हो गए. स्थानीय लोगों के मुताबिक यह हमला बाजौर जिले की बरंग तहसील स्थित पुलिस चौकी पर तड़के करीब 2 बजे हुआ.

जिला पुलिस के प्रवक्ता इसरार खान ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि मृतक की पहचान 60 वर्षीय स्थानीय निवासी नसीम गुल के रूप में हुई है. उन्होंने बताया कि घायलों में दो पुलिसकर्मी, कांस्टेबल सुलेमान खान (35) और कांस्टेबल साज मोहम्मद (58) तथा एक स्कूल के चौकीदार साहिबजादा (28) शामिल हैं. खान ने आगे बताया कि आतंकवादियों ने हमले को अंजाम देने के लिए भारी और हल्के दोनों तरह के हथियारों का इस्तेमाल किया.

इस बीच, पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (HRCP) ने वर्ष 2025 में पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा और कानून व्यवस्था की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है.

कलम और कैमरों का दुश्मन बना पाकिस्तान, 8 पत्रकारों को उम्र कैद की सजा पर मचा बवाल

आवाज़ ए तसनीम

पाकिस्तान की एक आतंकवाद विरोधी अदालत ने आठ पत्रकारों और सोशल मीडिया कमेंटेटर्स को उनकी में उम्रकैद की सजा सुनाई है. इन पत्रकारों पर आरोप है कि इन लोगों ने ऐसा कनटेंट बनाया है, जो पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का समर्थन करता है. इसको लेकर आतंकवाद से संबंधित अपराधों का दोषी ठहराया गया और उम्र कैद की सजा सुना दी गई. इस फैसले के बाद पाकिस्तान में प्रेस की आजादी को लेकर चिंताएँ बढ़ गई है. इस फैसले के खिलाफ आलोचकों का कहना है कि पत्रकारों और कमेंटेटर्स के खिलाफ आतंकवाद विरोधी कानूनों का इस्तेमाल करना, राजनीतिक भाषण और ऑनलाइन असहमति को अपराधी बनाने जैसा है. आलोचकों का कहना है कि यह फैसला राजनीतिक मामलों को संभालने में सुरक्षा अदालतों की बढ़ती दखल को दर्शाता है.

पिछले साल दिसंबर में पाकिस्तान की मानवाधिकार परिषद ने पाकिस्तानी पत्रकार सोहराब बरकत की मनमानी हिरासत और न्यायिक उत्पीड़न पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी, और चेतावनी दी थी कि यह मामला देश में प्रेस की आजादी और संवैधानिक सुरक्षा उपायों को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है.

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद स्थित समाचार आउटलेट सियासत के संवाददाता बरकत को 26 नवंबर को संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में जाते समय इस्लामाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया था.

पाकिस्तान की HRC के मुताबिक बरकत को हिरासत में लेने के बाद गैरकानूनी तरीके से लाहौर स्थानांतरित कर दिया गया और बाद में उन्हे कई मामलों में फंसाया गया. हैरानी की बात यह है कि इस्लामाबाद ॥ष्ट में सरकार द्वारा यह बताया गया था कि उनके खिलाफ कोई मामला लंबित नहीं है और वह यात्रा करने के लिए स्वतंत्र हैं. पाकिस्तान में पत्रकारों पर आतंकवाद विरोधी कानून के तहत सजा सुनाई जा रही है तो यह चिंता का विषय है.

T20 वर्ल्ड कप के लिए भारत नहीं आएगी बांग्लादेश टीम, KKR से मुस्तफिजुर रहमान को बाहर करने पर भड़का BCB

आवाज़ ए तसनीम

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समाज पर बढ़ते हमले को लेकर भारत के लोग आक्रोशित थे. इस बीच शाहरुख खान की IPL टीम KKR से बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को बाहर करने की मांग शुरू हो गई. बवाल बढ़ने के बाद BCCI के निर्देश पर मुस्तफिजुर रहमान को टीम से रिलीज कर दिया गया. इस फैसले के बाद बांग्लादेश ने बड़ा ऐलान कर दिया है.

बांग्लादेश सरकार के वरिष्ठ सलाहकार आसिफ नज़रुल ने कहा कि बांग्लादेश T20 वर्ल्ड कप खेलने के लिए भारत नहीं जाएगा. नज़रुल बांग्लादेश के युवा और खेल मंत्रालय की देखरेख भी करते हैं. KKR टीम से मुस्तफिजुर रहमान को बाहर निकालने के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) के अधिकारियों ने एक इमरजेंसी मीटिंग की. इस मीटिंग के बाद आसिफ नज़रुल ने ऐलान किया कि बांग्लादेश T20 वर्ल्ड कप खेलने के लिए भारत नहीं जाएगा.

आसिफ नज़रुल एक फेसबुक पोस्ट में बताया कि BCB ने फैसला किया है कि बांग्लादेश की टीम ङ्क20 वर्ल्ड कप के लिए भारत नहीं जाएगी. उन्होंने कहा कि BCB का यह फैसला भारतीय क्रिकेट बोर्ड की आक्रामक सांप्रदायिक नीतियों के संदर्भ में लिया गया है.

शाहरुख खान गद्दार है- bjp नेता संगीत सोम

गौरतलब है कि बांग्लादेश में हिंदू समाज से जुड़े लोगों पर हमले की घटना के बाद भारत में विरोध प्रदर्शन हुए. इस बीच हिंदू धर्मगुरु देवकीनंदन ठाकुर और भारतीय जनता पार्टी के नेता संगीत सोम ने शाहरुख खान पर निशाना साधना शुरू किया. देवकीनंदन ठाकुर ने मांग की कि शाहरुख खान की टीम (KKR) में एक बांग्लादेशी खिलाड़ी को चुना गया है, उन्हें टीम से बाहर निकाला जाए. BJP नेता संगीत सोम ने तो शाहरुख खान को गद्दार बता दिया. इस विवाद के बाद BCCI ने निर्देश दिया कि मुस्तफिजुर रहमान को टीम से रिलीज कर दिया जाए.

भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने कुरान हाथ पर रखकर ली मेयर पद की शपथ, न्यूयॉर्क में पहली बार हुआ ऐसा

आवाज़ ए तसनीम

जोहरान ममदानी गुरुवार को आधी रात के बाद न्यूयॉर्क शहर के मेयर बन गए। उन्होंने मैनहट्टन के एक ऐतिहासिक, बंद पड़े सबवे स्टेशन पर पद की शपथ ली।

दरअसल, डेमोक्रेट ममदानी ने अमेरिका के सबसे बड़े शहर के पहले मुस्लिम नेता के तौर पर शपथ ली, शपथ लेते समय उन्होंने कुरान पर हाथ रखा था। शपथ के बाद उन्होंने कहा कि यह सच में जिंदगी भर का सम्मान और सौभाग्य है।

किसने आयोजित किया ममदानी के शपथ ग्रहण समारोह का कार्यक्रम?

ममदानी का शपथ ग्रहण समारोह उनकी राजनीतिक सहयोगी न्यूयॉर्क अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स द्वारा आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम पुराने सिटी हॉल स्टेशन पर हुआ। इसके बाद ममदानी को दोपहर 1 बजे सिटी हॉल में एक सार्वजनिक समारोह में मेयर के राजनीतिक नायकों में से एक अमेरिकी सीनेटर बर्नी सैंडर्स द्वारा भव्य तरीके से फिर से शपथ दिलाई गई। बता दें कि ममदानी अब अमेरिकी राजनीति में सबसे मुश्किल कामों में से एक शुरू कर रहे हैं, और देश के सबसे ज़्यादा देखे जाने वाले राजनेताओं में से एक बन गए हैं।

बता दें कि शहर के पहले मुस्लिम मेयर होने के अलावा, ममदानी दक्षिण एशियाई मूल के पहले और अफ्रीका में पैदा हुए पहले मेयर भी हैं। 34 साल की उम्र में ममदानी कई पीढ़ियों में शहर के सबसे कम उम्र के मेयर भी हैं।

कौन हैं ममदानी?

जोहरान ममदानी का जन्म कंपाला, युगांडा में हुआ। वह फिल्म निर्माता मीरा नायर और शिक्षाविद और लेखक महमूद ममदानी के बेटे हैं। जब वह 7 साल के थे, तो उनका परिवार न्यूयॉर्क शहर आ गया, ममदानी 9/11 के बाद के शहर में पले-बढ़े, जहां मुसलमानों को हमेशा स्वागत महसूस नहीं होता था। वह 2018 में अमेरिकी नागरिक बन गए।

गौरतलब है कि ममदानी को एक ऐसा शहर विरासत में मिला है, जो कोविड 19 महामारी से सालों की धीमी रिकवरी के बाद तरक्की कर रहा है। हिंसक अपराध महामारी से पहले निचले स्तर पर आ गए हैं।

यमन की किस्मत रियाद में होगी तय? सऊदी बुलावे ने बढ़ाया बंटवारे का डर

आवाज़ ए तसनीम

सऊदी अरब यमन में लगातार और भारी बमबारी कर रहा है. इस बमबारी में 20 से ज़्यादा अलगाववादी मारे गए हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं. इस जबरदस्त बमबारी के बीच सऊदी विदेश मंत्रालय ने दक्षिणी यमन के गुटों को बातचीत के लिए रियाद बुलाया है. सऊदी अरब का कहना है कि इन बातचीत का मकसद सभी दक्षिणी यमनी गुटों को एक मंच पर लाना है ताकि दक्षिणी मुद्दे का एक सही और टिकाऊ समाधान ढूंढा जा सके. मंत्रालय के मुताबिक, यह न्योता यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार ने दिया था.

यह अपील ऐसे समय में आई है जब यमन को लेकर सऊदी अरब और श्व के बीच तनाव साफ तौर पर बढ़ गया है. लंबे समय तक दोनों खाड़ी देशों ने यमन के गृह युद्ध में एक ही गठबंधन के तहत मिलकर काम किया, लेकिन अब हालात बदल गए हैं. गठबंधन में दरार के बाद सऊदी अरब और श्व अब जमीन पर अलग-अलग और विरोधी गुटों का समर्थन कर रहे हैं.

इस गुट को है श्व का समर्थन प्राप्त

दक्षिणी यमन में सक्रिय एक गुट, जिसे कथित तौर पर श्व का समर्थन प्राप्त है, अब खुले तौर पर एक अलग राज्य के लिए आजादी की मांग कर रहा है. 3 दिसंबर को इस गुट ने दावा किया कि यमन में एक नया ÷युद्ध÷ शुरू हो गया है. गुट ने आरोप लगाया कि सऊदी समर्थित बलों और सऊदी वायु सेना ने उनके ठिकानों पर हमला किया, जिसके जवाब में उन्हें सैन्य अभियान शुरू करने पड़े. इन दावों ने यमन संकट को और जटिल बना दिया है.

सऊदी अरब का क्या है तर्क

वहीं, सऊदी अरब का कहना है कि मौजूदा स्थिति को सैन्य टकराव के बजाय राजनीतिक बातचीत से सुलझाया जाना चाहिए. इसी बात को ध्यान में रखते हुए रियाद में बातचीत की पहल शुरू की गई है, ताकि दक्षिणी गुटों के बीच बढ़ती खाई को पाटा जा सके और अलगाववाद की ओर बढ़ने वाले कदमों को रोका जा सके.

हूतियों के बाद इस गुट ने की बगावत

गौरतलब है कि यमन का गृह युद्ध 2014 में शुरू हुआ था जब ईरान समर्थित हूती आंदोलन ने सरकार के खिलाफ विद्रोह किया और उत्तरी यमन के बड़े हिस्सों पर कब्ज़ा कर लिया. राजधानी सना भी हूतियों के नियंत्रण में आ गई थी. 2015 में सऊदी अरब और श्व के नेतृत्व में अरब देशों के एक सैन्य गठबंधन ने यमन में दखल दिया. गठबंधन का मकसद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को बहाल करना था. हालांकि, सालों की लड़ाई के बावजूद यमन में स्थिरता नहीं लौटी है. लाखों लोग विस्थापित हो गए हैं और देश एक गंभीर मानवीय संकट का सामना कर रहा है. अब, दक्षिणी यमन में अलगाव की बढ़ती मांगों और सऊदी अरब और UAE के बीच तनाव ने इस युद्ध को एक नए और खतरनाक मोड़ पर ला दिया है।

Saudi Arabia कैबिनेट का बड़ा फैसला- शरिया के हिसाब से होंगे पब्लिक प्लेस के नाम

आवाज़ ए तसनीम

सऊदी अरब ने इस्लामिक शरिया से जुड़े नियमों को लेकर एक अहम कदम उठाया है, जिसने इंटरनेशनल लेवल पर ध्यान खींचा है. अब देश में स्कूल, अस्पताल, सड़कें, सरकारी इमारतें या किसी भी सार्वजनिक स्थान का नाम रखना पहले जितना आसान नहीं होगा. सऊदी सरकार ने नए नियम लागू किए हैं, जिनके तहत इस्लामिक शरिया के खिलाफ माने जाने वाले नामों पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है.

सऊदी अरब के नए नियम ने सबको चौंकाया

ये नए नियम सऊदी कैबिनेट से मंजूरी पा चुके हैं और इन्हें आधिकारिक राजपत्र Umm Al-Qura Gazette में भी प्रकाशित किया जा चुका है. सरकार के मुताबिक, गजट में प्रकाशन के 120 दिनों बाद ये नियम पूरे देश में प्रभावी रूप से लागू कर दिए जाएंगे.

किन जगहों पर लागू होंगे नए नामकरण नियम

सरकार ने साफ किया है कि ये नियम सिर्फ सड़कों या इमारतों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि देश के सभी सार्वजनिक स्थलों पर लागू होंगे. इनमें शामिल हैं-

- म्युनिसिपल और सरकारी इमारतें
- स्कूल और यूनिवर्सिटी
- अस्पताल
- सांस्कृतिक और खेल केंद्र
- मस्जिद
- ट्रांसपोर्ट से जुड़ा बुनियादी ढांचा
- अन्य सभी सरकारी संपत्तियां

सऊदी सरकार ने क्या कहा?

सऊदी सरकार का कहना है कि यह कदम व्यापक प्रशासनिक सुधारों का हिस्सा है. इसका मकसद पूरे देश में एक समान व्यवस्था लागू करना और एक साझा सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करना है. सरकार के अनुसार, इन नियमों से नामकरण प्रक्रिया को व्यवस्थित किया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सार्वजनिक स्थानों के नाम देश की धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप हों. इस मामले में अधिक जानकारी का इंतेजार है.

इजरायल के बाद क्यों बरसे ब्रिटेन और फ्रांस के बम? सीरिया हमले की पूरी कहानी

आवाज़ ए तसनीम

ब्रिटेन और फ्रांस ने सीरिया के अंदर आतंकवादी ठिकानों पर हमला करते हुए एक संयुक्त अभियान चलाया है. लड़ाकू विमानों ने सीरिया में इस्लामिक स्टेट समूह के एक संदिग्ध भूमिगत हथियार डिपो पर बमबारी की. ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हमले में कोई भी नागरिक घायल नहीं हुआ और ऑपरेशन के बाद सभी विमान सुरक्षित लौट आए.

इस्लामिक स्टेट समूह, जिसने 2019 तक सीरिया के कुछ हिस्सों पर नियंत्रण कर रखा था, सीरिया में फिर से उभरने की कोशिश कर रहा है. इसका मुकाबला करने के लिए ब्रिटेन ने फ्रांस के साथ मिलकर यह ऑपरेशन किया. ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय ने कहा, ÷रॉयल एयर फ़ोर्स के विमान मार्च 2019 में अपनी सैन्य हार के बाद दाएश आतंकवादी समूह के किसी भी संभावित पुनरुत्थान को रोकने के लिए सीरिया के ऊपर गश्त करना जारी रखे हुए हैं. सावधानीपूर्वक खुफिया विश्लेषण से पल्मायरा के प्रमुख स्थल से कुछ मील उत्तर में पहाड़ों में एक भूमिगत सुविधा का पता चला. यह सुविधा दाएश के कब्जे में थी और इसका इस्तेमाल हथियार और विस्फोटक जमा करने के लिए किया जा रहा था. सुविधा के आसपास के क्षेत्र में कोई नागरिक बस्ती नहीं है.

रॉयल एयर फ़ोर्स के टाइफून FGRys लड़ाकू विमानों ने फ्रांसीसी विमानों के साथ एक संयुक्त ऑपरेशन में 3 जनवरी की शाम को भूमिगत सुविधा पर हमला किया. विमानों ने सुविधा तक जाने वाली कई सुरंगों को निशाना बनाने के लिए पेववे-4 गाइडेड बमों का इस्तेमाल किया. रक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि शुरुआती संकेत बताते हैं कि लड़ाकू विमानों ने सफलतापूर्वक लक्ष्य को भेदा. रक्षा मंत्रालय ने एक वीडियो साझा किया जिसमें विमानों को एक वायजर एयर-टू-एयर रिफ्यूलिंग टैंकर से ईंधन सहायता मिलती हुई दिखाया गया है.

रक्षा सचिव जॉन हीली ने कहा, ÷यह कार्रवाई हमारे ब्रिटिश नेतृत्व और दाएश और मध्य पूर्व में इसकी खतरनाक और हिंसक विचारधारा के पुनरुत्थान को खत्म करने के लिए हमारे सहयोगियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने के हमारे दृढ़ संकल्प को दर्शाती है. मैं इस ऑपरेशन में शामिल हमारे सशस्त्र बलों के सभी सदस्यों को उनके कौशल और साहस के लिए धन्यवाद देता हूं.÷ उन्होंने आगे कहा, ÷वे क्रिसमस और नए साल के दौरान तैनात हजारों ब्रिटिश सैनिकों में से थे. खतरनाक आतंकवादियों को खत्म करने का यह ऑपरेशन, जो हमारे जीवन जीने के तरीके के लिए खतरा हैं, दिखाता है कि हमारे सशस्त्र बल पूरे साल कैसे तैयार रहते हैं, ब्रिटेन को घर पर सुरक्षित और विदेश में मजबूत रखते हैं.

वेनेजुएला पर अमेरिका ने किया हमला, तो ईरान भड़का; ट्रंप पर लगाए गंभीर आरोप

आवाज़ ए तसनीम

अमेरिका ने वेनेजुएला की राजधानी काराकास में आज (3 जनवरी 2026) भीषण बमबारी की है. इस हमले के बाद अमेरिकी मिलिट्री ने राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को कथित तौर पर हिरासत में लिया है. चश्मदीदों के मुताबिक, सुबह-सुबह कई इलाकों में रहने वाले लोग जोरदार धमाकों से जाग गए. कम ऊंचाई पर उड़ने वाले विमानों की आवाज़ सुनाई दी और आसमान में रोशनी की चमक देखी गई. शहर के कुछ हिस्सों में खासकर रणनीतिक और मिलिट्री ठिकानों के आसपास, धुएं के गुबार दिखाई दिए. वेनेजुएला की सरकार ने इन घटनाओं पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों में हुई गतिविधियां बहुत गंभीर सैन्य उकसावे हैं. सरकार ने नागरिकों से शांत रहने और आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करने की अपील की. अधिकारियों ने यह भी कहा कि वे स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं और जरूरी सुरक्षा उपाय कर रहे हैं. इस बीच ईरान ने बड़ा बयान दिया है.

ईरान ने क्या कहा?

ईरान ने हमले की निंदा करते हुए इसे राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन बताया. ईरानी विदेश मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से तत्काल हस्तक्षेप करने और दोषियों को जवाबदेह ठहराने की अपील की. वहीं, ?रूस ने भी एक बयान जारी कर कहा कि बिना किसी स्पष्ट कारण के सैन्य कार्रवाई करने से कूटनीति कमज़ोर होती है और वैचारिक टकराव व्यावहारिक विचारों पर हावी हो जाता है.

रूस ने क्या कहा?

रूसी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अमेरिका ने आज सुबह वेनेजुएला के खिलाफ सशस्त्र हमला किया, जो मॉस्को के लिए गहरी चिंता का विषय है. वाशिंगटन द्वारा दिए गए तर्क पूरी तरह से बेबुनियाद हैं और यह कार्रवाई व्यावहारिक कूटनीति से नहीं, बल्कि वैचारिक दुश्मनी से प्रेरित है. रूस ने सभी पक्षों से संयम बरतने और आगे तनाव न बढ़ाने की अपील की, बातचीत के ज़रिए मतभेदों को सुलझाने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया और राजनयिक प्रयासों में अपने सहयोग की पेशकश की. लैटिन अमेरिका शांति का क्षेत्र बना रहना चाहिए और वेनेजुएला को बिना किसी बाहरी सैन्य हस्तक्षेप के अपना भविष्य तय करने का पूरा अधिकार है।

क्या डोनाल्ड ट्रंप की शह पर हो रहा है ईरान में प्रदर्शन, उठ रहे हैं कई सवाल!

आवाज ए तसनीम

प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान में प्रोटेस्ट करने वालों को गोली मारी जाती है या हिंसा के ज़रिए मारा जाता है, तो यूनाइटेड स्टेट्स दखल देगा. प्रेसिडेंट ट्रंप ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सोशल पर एक बयान में कहा कि हम पूरी तरह अलर्ट हैं, और एक्शन लेने के लिए तैयार हैं.

यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान में पिछली सदी के सबसे बड़े पब्लिक प्रोटेस्ट मूवमेंट के दौरान अलग-अलग प्रांतों में हुई झड़पों में कई लोग मारे गए हैं. ये प्रदर्शन आर्थिक तंगी, इकॉनमी में भारी गिरावट और बढ़ती महंगाई के खिलाफ शुरू हुए थे, जो शुरू में दुकानदारों के प्रोटेस्ट से शुरू हुए और पूरे देश में फैल गए.

सिक्योरिटी फोर्सेस के बीच झड़प

प्रोटेस्ट करने वालों और सिक्योरिटी फोर्स के बीच हुई झड़पों को ईरान में चल रही अशांति में एक गंभीर बढ़ोतरी बताया जा रहा है. कई जानकारों का मानना है कि ये प्रदर्शन यूएस के जरिए भी कराए जा सकते हैं, इस बात सबूत ट्रंप का बयान भी है. अमेरिका नहीं चाहता है कि ईरान में स्थिरता आए.

न्यूक्लियर एक बड़ा खतरा

इससे पहले जब इजराइल और ईरान की झड़पें हुई थीं तो उसमें अमेरिका ने इजराइल का साथ दिया था. यूएसए ने बी2 बॉम्बर के जरिए ईरान के न्यूक्लियर प्लांट को निशाना बनाया था. अमेरिका और इजराइल को लगता है कि ईरान न्यूक्लियर हथियार तैयार कर रहा है और अगर वह ऐसा करने में कामयाब रहा तो वह मिडिल ईस्ट की एक बड़ी पावर की तरह खड़ा हो जाएगा और फिर उसे दबा पाना आसान नहीं होगा. इसके साथ ही वह इजराइल के लिए भी खतरा साबित होने लगेगा.

इसके साथ ही अमेरिका और ईरान की न्यूक्लियर बातचीत आज तक सफल नहीं हो पाई है. अमेरिका कई बार ईरान को धमकी दे चुका है कि वह अपनी न्यूक्लियर फैसिलिटी को बंद कर दे, वरना इसका खामियाज़ा भुगतना पड़ेगा.

यातुल्ला खामेनेई के सलाहकार अली लारीजानी की वॉर्निंग

ईरान के नेता अयातुल्ला खामेनेई के सलाहकार अली लारीजानी ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ईरान में चल रहे विरोध प्रदर्शनों में हस्तक्षेप करता है, तो पूरे क्षेत्र को इसके परिणाम भुगतने होंगे. उनका कहना है कि ट्रंप को यह जान लेना चाहिए कि अमेरिकी दखलअंदाज़ी अराजकता फैलाने के समान है.

आवाज़ ए तसनीम

आवाज़-ए-राजस्थान

सोमवार 05 जनवरी, 2026

राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट–2026, लोक संगीत के साथ 'आईस्टार्ट फिल्म फेस्टिवल ऑफ राजस्थान' का शुभारंभ

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट–2026 के पहले दिन रविवार को 'आईस्टार्ट फिल्म फेस्टिवल ऑफ राजस्थान' (आईएफएफओआर) का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रसिद्ध भपंग वादक युसूफ खान और उनके समूह ने वाद्य यंत्र भपंग के एक तार के संगीत पर गायन कर फेस्टिवल का सांस्कृतिक आगाज किया। उन्होंने लोक संगीत की जीवंत परंपरा को भी नई ऊर्जा देकर दर्शकों की तालियां बटोरी। तीन दिन तक चलने वाले इस फेस्टिवल में पहले दिन 24 फिल्मों की स्क्रीनिंग हुई। साथ ही, विभिन्न पैनल डिस्कशन में फिल्म इंडस्ट्री से एक्सपर्ट ने विचार रखे।

साझा किए पटकथा से परदे तक के अनुभव

राजस्थान के सांस्कृतिक परिदृश्य में सिनेमा और लोक कला के प्रेमियों के लिए उद्घाटन पैनल 'अंडरस्टैंडिंग सिनेमेटिक क्रॉफ्टः फ्रॉम स्क्रिप्ट टू स्क्रीन' आयोजित हुआ। इसमें फिल्म निर्माण के विभिन्न आयामों की यात्रा पर विभिन्न विधाओं से जुड़े प्रतिष्ठित निर्देशक, कलाकार, सिनेमोटोग्राफर ने सार्थक संवाद किया। पैनल में अमर सिंह चमकीला फेम साउंड डिजाइनर एवं मिक्सर धीमन कर्माकर, फिल्म एडिटर नितिन बैद, सिनेमेटोग्राफर लॉरेंस डी'कुन्हा, अभिनेता नमित दास, सुकांत गोयल, अभिनेत्री इंदिरा तिवारी और फिल्म निर्देशक निधि सक्सेना ने क्षेत्रीय भाषाई सिनेमा की संभावनाओं को लेकर विचार साझा किए गए। फेस्टिवल डायरेक्टर शिल्पी बत्रा ने पैनल डिस्कशन का संचालन किया। एक्सपर्ट ने सांस्कृतिक रूप से समृद्ध भाषाई सिनेमा को मजबूत स्टोरीटेलिंग इकोसिस्टम से विकसित किए जाने के बारे में चर्चा की। पैनल डिस्कशन के दौरान अभिनेत्री इंदिरा तिवारी ने कहा कि चाहे स्क्रिप्ट हो या अभिनय, उसमें अपनी मिट्टी की खनक होनी चाहिए। आपकी क्रिएटिविटी में मिलावट की कोई जगह नहीं हो, तभी सिनेमा और अधिक मजबूत बनकर घर–घर तक पहुंचेगा। निधि सक्सेना ने कहा कि फिल्म मेकिंग में जमीन से जुड़ाव भी दिखाई देना चाहिए। सिनेमेटोग्राफर लॉरेंस डी'कुन्हा ने कहा कि फिल्म मेकिंग में सिनेमेटोग्राफी सबसे अहम विधा है। इसके लिए आपके पास इमेजिनेशन का खजाना होना चाहिए।

रविवार को 24 फिल्मों की स्क्रीनिंग

फेस्टिवल में पहले दिन 24 से अधिक फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई। कैसी ये पहेली फीचर फिल्म से स्क्रीनिंग की शुरूआत हुई। इसके बाद डॉक्यूमेंट्री द राइज वॉल्यूम, ह्यूमंस इन द लूप, नानेरा सहित अन्य फिल्में दिखाई गई। फिल्म स्क्रीनिंग के दौरान हॉल्स में इमर्सिव आर्ट इंस्टॉलेशंस प्रदर्शित हुए। आईएफएफओआर वॉकथ्रू में सुधीर कासलीवाल की फोटोग्राफी और जयपुर रग्स की मनचाहा संग्रह का प्रदर्शन किया गया, जिसमें राजस्थान की पारंपरिक शिल्पकला और आधुनिक विजुअल कथाओं के संबंध देखने को मिलें। उल्लेखनीय है कि यह फिल्म फेस्टिवल राजस्थान की एवीजीसी-एक्सआर (एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स एवं एक्सटेंडेड रियलिटी) नीति का आधार स्तंभ है। यह मात्र फिल्म फेस्टिवल नहीं बल्कि राजस्थान के स्टोरीटेलिंग इकोसिस्टम को समृद्ध करने के लिए रणनीतिक मंच है।

वन राज्य मंत्री ने अलवर में किया जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र का लोकार्पण

जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में दिव्यांगजनों को एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की सुविधाएं प्राप्त होंगी - वन एवं पर्यावरण मंत्री

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने अलवर में रविवार को राजीव गांधी सामान्य चिकित्सालय परिसर में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (डीडीआरसी) का लोकार्पण कर शुभारंभ किया।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। साथ ही सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के हित में संचालित योजनाओं का लाभ प्रदान कर लाभांवित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांग सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र से दिव्यांगजनों को एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं एक साथ प्राप्त होंगी, जिससे उनका जीवन आसान एवं सम्मृद्ध होगा और सशक्त दिव्यांग समाज की अवधारणा पूरी होगी।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकलांग शब्द के स्थान पर सम्मान सूचक दिव्यांग शब्द का उपयोग कर सभी दिव्यांगजनों में आत्मसम्मान का भाव पैदा किया है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार दिव्यांग कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्कूटी योजना के साथ ही उन्होंने भी विधायक निधि कोष से स्कूटी दिव्यांगजनों को उपलब्ध कराई है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण एवं उनके कल्याण में सदैव सहयोग करेंगे। इस अवसर पर उन्होंने दिव्यांग विराट को सीपी चेयर, विहान को हियरिंग एड एवं राहुल को एमआर किट प्रदान की। इसके उपरान्त संजय शर्मा ने जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र में फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, सेरिब्रल पाल्सी कक्षों सहित व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

मंथन फाउंडेशन संस्थापक एवं प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर डॉ. पीयूष गोस्वामी ने बताया कि दिव्यांगजन हेल्पलाइन नंबर 9887162278 पर कार्यालय समय में फ़ोन कर अपनी समस्याओं के समाधान बारे में पूछ सकते हैं। इस अवसर पर डीडीआरसी अलवर की प्रोजेक्ट मैनेजर डॉ. सविता गोस्वामी, सीएमएचओ डॉ. योगेन्द्र शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं आमजन मौजूद रहे।

सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला– 2025 का भव्य समापन

महिला सशक्तीकरण, संस्कृति और सफलता का उत्सव शहजाद अली के सुरों ने बांधा समा, संगीत में डूबा सरस मेला

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद द्वारा 18 दिसंबर से आरंभ हुए सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला– 2025 का रविवार को पूरे वैभव और उत्साह के साथ समापन हुआ। मेले का हर कोना उल्लास, रंगों और उपलब्धियों की चमक से सराबोर नजर आया। आगंतुकों की भारी भीड़, खरीदारी का जोश और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की सफलता की मुस्कान ने समापन दिवस को यादगार बना दिया।

मेले के अंतिम दिन भी लोगों का उत्साह देखते ही बनता था। विभिन्न राज्यों के हस्तशिल्प, हथकरघा, पारंपरिक परिधान, सजावटी वस्तुएं और खानपान को शोकेस करती स्टॉल्स पर देर शाम तक रौनक बनी रही। सरस मेला न केवल खरीदारी का मंच रहा, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के हुनर, आत्मनिर्भरता और उद्यमशीलता की जीवंत मिसाल भी बनकर उभरा।

ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास विभाग श्रेया गुहा के निर्देशन में आयोजित सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला-2025 के समापन दिवस पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। समापन समारोह के दौरान मेले के प्रायोजक बैंकों – बैंक ऑफ बड़ौदा, आईसीआईसीआई बैंक एवं एचडीएफसी बैंक का सम्मान स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं द्वारा किया गया। यह क्षण महिला सशक्तीकरण और संस्थागत सहयोग के मजबूत रिश्ते का प्रतीक बना। इस अवसर पर बैंक ऑफ़ बड़ोदा के प्रतिनिधि असिस्टेंट जनरल मैनेजर संदीप गुप्ता एवं चीफ मैनेजर शारदुल तारे, आईसीआईसीआई बैंक के रीजनल हैड संजय और चीफ मैनेजर गोपाल राठी और एचडीएफसी बैंक के जयपुर क्लस्टर हैड मुकेश गोरन मौजूद रहे। कार्यक्रम में राज्य मिशन निदेशक राजीविका श्रीमती नेहा गिरि, परियोजना निदेशक राजीविका (प्रशासन) श्रीमती प्रीति सिंह सहित राजीविका के वरिष्ठ अधिकारी एवं स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर राज्य मिशन निदेशक राजीविका श्रीमती नेहा गिरि ने अपने संबोधन में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं का उत्साहवर्धन किया तथा सरस मेले की सफलता में योगदान देने वाले सभी प्रतिभागियों, आयोजकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर बेस्ट सेलर्स पुरस्कारों की भी घोषणा की गई। अन्य राज्यों की श्रेणी में रिकॉर्ड बिक्री के साथ बेस्ट सेलर का प्रथम पुरस्कार उत्तर प्रदेश की हीना एसएचजी ने अपने नाम किया और पुरस्कार स्वरूप एक शानदार स्कूटी प्राप्त की। उनकी सिल्क की साड़ियों को ग्राहकों ने अत्यधिक सराहा और जमकर खरीदारी की।

द्वितीय पुरस्कार जम्मू एवं कश्मीर की सोगम एसएचजी ने जीता, जिन्हें पुरस्कार स्वरूप लैपटॉप भेंट किया गया। उनके द्वारा निर्मित गर्म सूट महिला ग्राहकों को विशेष रूप से पसंद आए। वहीं तृतीय पुरस्कार पंजाब की गुरुनानक एसएचजी ने जीता। उनकी फुलकारी कला से सजे सूट महिला ग्राहकों के बीच अत्यंत लोकप्रिय रहे और पुरस्कार स्वरूप उन्हें एक स्मार्टफोन प्राप्त हुआ।

राजस्थान श्रेणी में बेस्ट सेलर का प्रथम पुरस्कार भरतपुर की जयशंकर एसएचजी को मिला। उनके द्वारा निर्मित जूट उत्पादों ने ग्राहकों को खासा आकर्षित किया और उन्हें पुरस्कार स्वरूप स्कूटी प्रदान की गई। बेहतरीन कशीदाकारी वाले उत्पादों की रिकॉर्ड बिक्री के साथ द्वितीय स्थान बाड़मेर की दिनुवाणी एसएचजी ने प्राप्त किया और उन्हें लैपटॉप से सम्मानित किया गया। वहीं तृतीय पुरस्कार बाड़मेर की जोगमाया एसएचजी को मिला, जिन्हें एक आकर्षक स्मार्टफोन भेंट किया गया। उनके अजरक प्रिंट के कपड़ों ने बड़ी संख्या में ग्राहकों को आकर्षित किया और रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की।

वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री ने अलवर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में की शिरकत

आमजन की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करना एवं शहर को स्वच्छ व सुन्दर बनाना प्राथमिकता - वन राज्यमंत्री

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रविवार को अलवर में विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत की। वन राज्यमंत्री शर्मा ने आमजन को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए अलवर के उत्तरोतर विकास की कामना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा पेयजल, इंफ्रास्ट्रक्चर, विद्युत आपूर्ति आदि क्षेत्रों में ऐतिहासिक कार्य किए गए है तथा आमजन की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के सार्थक प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ व सुन्दर बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। वन मंत्री को माला पहनाकर आमजन ने किया नागरिक अभिनन्दन क्षेत्रवासियों ने वार्ड एवं शहर में पेयजल, सड़क आदि के कराए गए कार्यों के लिए संजय शर्मा को माला पहनाकर नागरिक अभिनन्दन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अलवर को विशेष सौगातें दी गई, जिससे अलवर के चहुंमुखी विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि शहर की पेयजल समस्या के समाधान हेतु विधायक निधि की एक वर्ष की सम्पूर्ण राशि पेयजल को समर्पित की गई, जिससे शहर की पेयजल व्यवस्था में सुधार हुआ है। इसके उपरान्त उन्होंने मुंगस्का स्थित गुरूनानक लंगर वाटिका में अपने प्रतिदिन के नियमित पौधारोपण के संकल्प के तहत पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आमजन ना केवल अपनी मां के नाम पौधा लगाए, बल्कि उसका समुचित रूप से लालन-पालन करें।

राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट

2026 कॉमिक कॉन ने पहले दिन ने रचा पॉप-कल्चर का नया इतिहास

कॉस्प्ले, कॉमिक्स और गेमिंग की गतिविधियां रही आकर्षण का केंद्र

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। जेईसीसी, सीतापुरा में चल रहे राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 के अंतर्गत आयोजित 'कॉमिक कॉन' में पहले दिन कॉस्प्ले, गेमिंग्स, एनीमे, स्टैंडअप कॉमेडी प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहे। देश-विदेश के कॉमिक क्रिएटर्स ने दर्शकों को अपनी पसंदीदा कृतियों के रचनाकारों से सीधे संवाद का अवसर दिया। कॉस्प्ले शोकेस में प्रतिभागियों ने अपने रचनात्मक परिधानों से दर्शकों का दिल जीत लिया, वहीं गेमिंग जोन और इंटरएक्टिव एक्टिविटीज ने युवाओं में खासा उत्साह भरा। कॉमिक कॉन के पहले दिन की शुरुआत बेहद शानदार रही, जिसमें दो अंतरराष्ट्रीय कॉमिक बुक दिग्गजों बर्नार्ड चांग और यानिक पाक्वेट की मौजूदगी देखने को मिली। चांग मार्वल की सोर्सरर सुप्रीम और डीसी की मंकी प्रिंस के सह-निर्माता के रूप में जाने जाते हैं जबकि यानिक पाक्वेट ईस्नर-नामांकित और शस्टर अवॉर्ड विजेता कनाडाई कलाकार हैं, जिनके चर्चित कार्यों में एक्स-मेन, वॉल्वरिन, बैटमैन, स्वॉम्प थिंग, वण्डर वुमनः अर्थ वन और द इनकल शामिल हैं। दोनों कलाकारों ने प्रशंसकों से संवाद किया और अपनी रचनात्मक प्रक्रिया से जुड़े अनुभव साझा किए। कॉस्प्ले की दुनिया में भी विविधता देखने को मिली, जहां डेमोन स्लेयर के अकाजा, सोलो लेवलिंग के सुंग जिन-वू और जुजुत्सु कैसेन के तोजी फुशिगुरो जैसे लोकप्रिय किरदार नजर आए। वहीं गेमिंग आइकॉन के रूप में कॉल ऑफ ड्यूटी का घोस्ट, स्टॉकर, क्लियर स्काई और परसोना 5 रॉयल का इजानागी-नो-ओकामी भी आकर्षण का केंद्र रहे। इसके अलावा द जोकर, हैरी पॉटर, वेडनेसडे और आयरन मैन जैसे क्लासिक और पॉप कल्चर के पसंदीदा किरदारों ने कॉस्प्ले माहौल को रचनात्मकता और फैंडम के रंगों से भर दिया। उद्घाटन संस्करण में राजस्थान के 14 युवा स्थानीय रचनाकारों के कार्य भी प्रदर्शित किए गए। इनमें आदित्य वैष्णव, अभिलाषा भारतीया, विभूति पांड्या और समृद्धि काविया जैसे नाम शामिल रहे, जिन्हें राइजिंग एवीजीसीएक्सआर एंड मीडिया एसोसिएशन (रामा राजस्थान) द्वारा मंच प्रदान किया गया। इन प्रतिभाशाली कलाकारों ने उत्साही दर्शकों के सामने अपने कार्य प्रदर्शित किए और एक विशेष पैनल के दौरान अपनी यात्रा से जुड़ी कहानियां साझा करते हुए दर्शकों से संवाद किया। कॉमिक कॉन का आयोजन राजस्थान सरकार की एवीजीसी नीति के तहत समर्थन के साथ राज्य की प्रमुख पहल डिजीफेस्ट के साथ आयोजित किया जा रहा है। दर्शकों को कलाकारों से सीधे संवाद करने, स्केच, कॉमिक्स और ऑटोग्राफ प्राप्त करने का अवसर मिला। विभिन्न पैनल डिस्कशन और लाइव सेशन्स में कॉमिक इंडस्ट्री के बदलते स्वरूप, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और भारतीय ग्राफिक नॉवेल्स की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

सचिवालय में पार्किंग व्यवस्था का हो रहा कायाकल्प, ट्रैफिक जाम से भी मिलेगी राहत

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर पीडब्ल्यूडी ने बनाया एक्शन प्लान, सितम्बर माह तक हो जाएंगे सभी सम्बंधित कार्य

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। शासन सचिवालय में पार्किंग व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश की पालना में तेजी से कार्य किया जा रहा है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने इस सम्बंध में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय अवधि में नवीन पार्किंग निर्माण और मौजूदा पार्किंग की मरम्मत और सौंदर्यकरण करवाने के निर्देश दिए हैं। ताजा स्थिति के अनुसार फ्रंट लोन के नीचे दो मंजिला बेसमेंट पार्किंग में पानी रिसाव की समस्या का स्थायी समाधान करने के लिए थर्ड पार्टी फिजिकल ऑडिट की रिपोर्ट के आधार पर 5 करोड़ 42 लाख रुपये बजट व्यय कर मरम्मत कार्य ?करवाया जा रहा है। यह ?कार्य आगामी सितम्बर माह तक पूर्ण हो जाएगा। इस मरम्मत कार्य से 550 फोर व्हीलर क्षमता वाली वाली इस पार्किंग की जलरिसाव की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान हो जाएगा। यहां पूर्व में हुआ निर्माण कार्य पुराना होने के कारण एक्सपेंशन जॉइंट्स से पानी रिसाव होने पर बीम, कॉलम और पिलर में लगे लोहे के सरियों में जंग लग रही है और सीमेंट और कंक्रीट का जोड़ कमजोर हो गया है। इसके साथ ही सचिवालय प्रवेश द्वार के पास बन रहे नार्थ ब्लॉक के नीचे भी 3 मंजिला बेसमेंट में 268 चार पहिया वाहनों का पार्किंग स्पेस है। इस पार्किंग का निर्माण कार्य आगामी जून माह तक पूर्ण हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि शासन सचिवालय, विधानसभा, राजस्थान उच्च न्यायालय, आयकर विभाग समेत कई महत्वपूर्ण संस्थानों के कारण इस एरिया में पार्किंग और ट्रैफिक व्यवस्था में सीधा सम्बंध है। समुचित पार्किंग के अभाव में कई बार जाम लगने की समस्या हो जाती है। इसी को देखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सचिवालय वाहन पार्किंग व्यवस्था में आमूलचूल सुधार के निर्देश दिए थे। इससे सचिवालय में कार्यरत कार्मिकों के साथ ही राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले परिवादियों, कार्मिकों और गणमान्य लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी, जाम में लगने वाले समय और ईंधन हानि से राहत मिलेगी।

सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट–2026 का किया उद्घाटन

राजस्थान एआई के क्षेत्र में निवेश हेतु आदर्श गंतव्य- सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

दक्ष युवा और संसाधनों की प्रचुर उपलब्धता के साथ राजस्थान बन रहा तकनीकी क्रांति में अग्रणी

प्रदेश सरकार की नीतियां निवेशकों के अनुरूप

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने रविवार को जयपुर में 'राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट–2026' का उद्घाटन किया। कर्नल राठौड़ ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज प्रौद्योगिकी अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के सशक्तीकरण का महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरी है। गांव–देहात का व्यक्ति आज आईटी के माध्यम से वैश्विक तन्त्र से जुड़ रहा है।

कर्नल राठौड़ ने कहा कि प्रदेश सरकार की एआई एवं तकनीकी नीतियों एवं दक्ष युवा संसाधन की उपलब्धता के कारण आज तकनीकी क्षेत्र में निवेश के लिए राजस्थान एक आदर्श गंतव्य है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के सक्षम नेतृत्व में प्रदेश में उद्योग, रोजगार, शिक्षा, कृषि सभी क्षेत्रों एआई के उपयोग को निरन्तर प्रोत्साहन दिया जा रहा है। राजस्थान सरकार द्वारा आईस्टार्ट के माध्यम से हजारों स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा कि उद्यमियों के सबसे बड़े वैश्विक नेटवर्क टाई द्वारा ग्लोबल समिट के लिए पहली नॉन मेट्रो सिटी के रूप में जयपुर का चुनाव एक एआई हब के रूप में राजस्थान की संभावनाओं को रेखांकित करता है। इस ग्लोबल समिट के माध्यम से नवाचार, निवेश एवं उद्यमिता को एक मंच पर लाया गया है। उन्होंने कहा कि आगामी तीन दिनों में 100 से अधिक स्टार्टअप्स को वैश्विक निवेशकों के समक्ष पिच करने का अवसर मिलेगा। 35 विश्वविद्यालयों द्वारा एआई एवं तकनीकी क्षेत्र में नए विचारों पर मंथन किया जाएगा।

सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के शासन सचिव डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने समिट की रूपरेखा बताते हुए कहा कि राजस्थान में तकनीक के माध्यम से निवेश, कौशल और सेवा प्रदायगी को बेहतर बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आविष्कार सिर्फ प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रहें, इसके लिए प्रदेश में ?तकनीक के क्षेत्र में अवसर बढ़ाए जा रहे हैं और ?विभाग द्वारा युवा स्टार्टअप्स को आगे बढ़ाने हेतु समुचित वातावरण उपलब्ध करवाया जा रहा है।

टाई के सह-संस्थापक और निदेशक महावीर प्रताप शर्मा ने कहा कि राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट के माध्यम से नीति निर्माण, रोजगार सृजन, तकनीकी उद्यमिता एवं सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी के विस्तार को बढ़ावा मिलेगा। जयपुर एक नवाचार के हब के रूप में तकनीकी क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है। डिजिफेस्ट के माध्यम से स्थानीय स्टार्टअप्स को बढ़ावा मिलने के साथ साथ वैश्विक निवेशकों का देश प्रदेश से जुड़ाव बढ़ेगा। एनवीडिया के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (अमरीका) श्री शंकर त्रिवेदी ने कहा कि एआई के माध्यम से हर क्षेत्र में नए अवसरों का सृजन होता है। एआई के क्षेत्र में नए विचारों पर व्यापक मंथन एवं निवेश हेतु उद्यमियों के लिए राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट एक शानदार मंच है।

टाई ग्लोबल के अध्यक्ष डॉ. मुरली बुक्कापटनम ने कहा कि टाई के माध्यम से नवोन्मेषी सोच और उद्यम को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। आज एआई सर्वाधिक तेजी से बढ़ रहा एवं अपार संभावनाओं वाला क्षेत्र है। उन्होंने जयपुर में राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट के आयोजन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इससे प्रदेश के युवाओं को वैश्विक मंच पर पहुंचने के अवसर मिलेंगे।

सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग विभाग के आयुक्त हिमांशु गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए समिट में उपस्थित जनसमूह को विभागीय योजनाओं से अवगत करवाया। उद्घाटन सत्र में उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त सुरेश ओला भी उपस्थित रहे।

उद्घाटन समारोह में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग तथा 7 प्रतिष्ठित संस्थानों के बीच एमओयू का हस्तांतरण भी किया गया। राजस्थान इनोवेशन हब के जोधपुर पोर्टल का लॉन्च किया गया। इस दौरान प्रदेश में आईस्टार्ट की प्रगति तथा एआई एवं प्रौद्योगिकी के विकास संबंधित लघु फिल्में भी प्रदर्शित की गई।

इस दौरान विश्व भर से आए तकनीकी उद्यमी एवं विशेषज्ञ, अकादमिक हस्तियां, वक्ता, स्टार्टअप संस्थापक, निवेशक, विद्यार्थी एवं आमजन उपस्थित रहे।

स्वामी और प्रकाशक रमाकांत गोस्वामी एवं मुद्रक ताराचंद कुमावत द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, 10 MA, आईजी नगर, जगतपुरा,जयपुर, राजस्थान - 302017 से प्रकाशित किया। संपादकः रमाकान्त गोस्वामी, पीआरजीआई नं. RJBIL/25/A1815 ब्रांच ऑफिसः 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल आईडीः tasneemtv.official @gmail.com, वेबसाइटः www.tasneemtv.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी. आर. पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।